पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका
- 7

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे
- 10

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका
- 11

विश्व ब्लिट्ज : अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया
- 12

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

09.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.56

सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी 01:48 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 31 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 331, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पहाड़ों पर सैलानी

शिमला : नए साल का जश्न मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल सैलानियों से पैक हो गए हैं। शिमला में कड़ाके की ठंड के बाद भी मंगलवार की शाम को रिज में अच्छी चहल-पहल देखी गई। ● एजेंसी

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जापान हमसे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

- टैरिफ वार के बीच पकड़ी रॉकेट सी रफ्तार, 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़ तीसरे स्थान पर होंगे हम

भारत 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 2030 तक जर्मनी को पीछे करके तीसरे स्थान पर पहुंचने की स्थिति में है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। भारत लगातार मजबूत वृद्धि आंकड़ों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 7.4 प्रतिशत से अधिक है। भारत ने 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया और अनुमान है कि 2030 तक 7,300 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ जर्मनी को तीसरे स्थान से हटाने की स्थिति में है।

आईएमएफ का अनुमान

आईएमएफ के साल 2026 के अनुमानों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर की होगी। यह जापान के अनुमानित 4.46 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। सरकार का यह आशावादी दृष्टिकोण ऐसे समय में आया है जब अगस्त में अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ के कारण अर्थव्यवस्था को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ये टैरिफ भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़े थे।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका है, जबकि चीन दूसरे स्थान पर है। बयान में कहा गया कि 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि छह तिमाहियों के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो वैश्विक व्यापार में बनी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मजबूती को दर्शाती है। मजबूत निजी उपभोग जैसे घरेलू कारकों ने इस विस्तार को सहारा देने में प्रमुख भूमिका निभाई। बयान में विभिन्न संस्थानों के अनुमानों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है।

विश्व बैंक ने 2026 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। वहीं मूडीज का अनुमान है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने 2025 के लिए अपने अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है।

ब्रीफ न्यूज

14 जनवरी से रेलवन एप से अनारक्षित टिकटों की खरीद पर 3% छूट

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद और किसी भी डिजिटल माध्यम से भुगतान पर तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करेगा। फिलहाल, यह एप पर आर-वॉलेट भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत कैशबैक प्रदान करता है। इस संबंध में रेल मंत्रालय की ओर से रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को सॉफ्टवेयर प्रणाली में आवश्यक बदलाव करने के लिए पत्र भेजा गया। पत्र में कहा गया, डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रेलवन एप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर तीन प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

नक्सलियों को विस्फोटक आपूर्ति में पांच पर आरोपपत्र

नई दिल्ली। एनआईए ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के लिए विस्फोटकों की खरीद और आपूर्ति से जुड़े साल 2024 के एक मामले में चार भगोड़ों समेत पांच आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को आरोपपत्र दायर किया। गिरफ्तार आरोपी मनीष सोढ़ी और चारों फरार अभियुक्त सोढ़ी केसा, मनीला, मडकम केसा व सोढ़ी लखमा छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के निवासी हैं।

भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार, युवा आबादी इसका मुख्य इंजन : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा- सुधारों के बाद हमारी तरफ उम्मीद एवं भरोसे से देख रही है दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

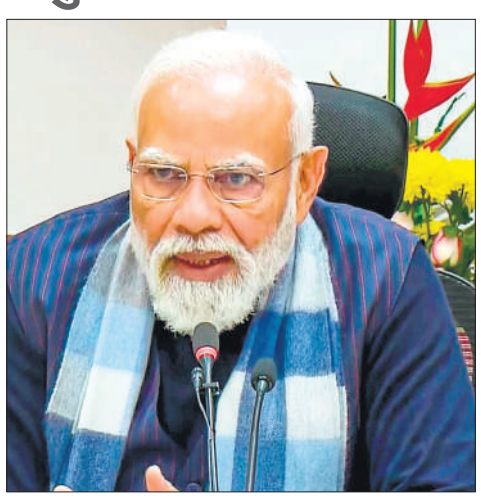

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ाने वाले अगली पीढ़ी के सुधारों के माध्यम से प्रगति की रफ्तार को जिस गति से बढ़ाया है, उसकी तारीफ दुनिया कर रही है। कहा कि भारत सुधारों पर केंद्रित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' में सवार हो चुका है जिसका मुख्य इंजन देश की युवा आबादी और नागरिकों का अटूट संकल्प है। प्रधानमंत्री ने पेशेवर सोशल नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' पर अपनी एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत अपने लोगों के नवोन्मेषी उत्साह के कारण वैश्विक ध्यान का केंद्र बन गया है और अब दुनिया भारत को उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है।

मोदी ने कहा, भारत के लिए 2025 एक ऐसा साल होगा जिसे हमने पिछले 11 वर्षों में तैयार जमीन पर सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए याद किया जाएगा। हमने संस्थाओं को आधुनिक बनाया, शासन को सरल किया और दीर्घकालीन समावेशी वृद्धि के लिए बुनियाद को मजबूत किया। प्रधानमंत्री ने जीएसटी, भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, श्रम कानूनों में सुधार और ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी कुछ प्रमुख पहलों का उदाहरण भी दिया। उन्होंने जीएसटी में पांच और 18 प्रतिशत का दो-स्तरीय कर ढांचा लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे घरों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-गहन क्षेत्रों पर बोझ कम हुआ है। इसका मकसद विवादों में कमी लाना और अनुपालन को बेहतर करना है। इस सुधार से उपभोक्ता धारणा और मांग में वृद्धि हुई है।

त्योहारी मौसम में बिक्री में भी वृद्धि देखी गई। मोदी ने इस पोस्ट में मध्यम वर्ग को दी गई अप्रत्याशित राहत का जिक्र करते हुए कहा कि सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को अब आयकर नहीं देना है।

इसके अलावा 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलते हुए आधुनिक और सरल आयकर अधिनियम, 2025 लागू किया गया है। भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से बीमा दायरा बढ़ेगा, प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर विकल्प एवं सेवाएं मिलेंगी। संसद के मानसून सत्र में एक ही बार पांच समुद्री कानून पारित किए गए। मोदी ने चार आधुनिक श्रम संहिताएं लागू किए जाने का जिक्र किया जो मजदूरों के हित सुरक्षित करने के साथ कारोबारी परिवेश को भी मजबूत करता है। इसके अलावा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ एफटीए भी का भी जिक्र किया।

दीर्घकालिक वृद्धि के लिए मिशन रूप में सुधारों की जरूरत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में मिशन रूप में सुधार किए जाने की जरूरत पर जोर दिया ताकि दीर्घकालीन आर्थिक वृद्धि को सुनिश्चित किया जा सके। प्रधानमंत्री ने वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की तैयारियों के संदर्भ में नीति आयोग में जाने-माने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत में यह बात कही। इस संवाद का विषय 'आत्मनिर्भरता एवं संरचनात्मक रूपांतरण, विकसित भारत के लिए एजेंडा' था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया और बजट निर्धारण में 2047 के लिए संकल्प को केंद्रीय रूप से रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक श्रम शक्ति और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाए रखना जरूरी है। मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प अब सरकारी नीतियों से इतर आमजन आकांक्षा बन चुका है। इस चर्चा में कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों ने शिरकत की। इनमें शंकर आचार्य, अशोक के भट्टाचार्य, एन. आर. भानुमूर्ति, अमिता बत्रा, जन्मेजय सिन्हा, अमित चंद्रा, रजनी सिन्हा, बसंत प्रधान, मदन सबनवीस, आशिमा गोयल, धर्मकीर्ति जोशी, उमाकांत दास, पिनाकी चक्रवर्ती, इंद्रनील सेन गुप्ता, समीरन चक्रवर्ती, अभिमान दास, राहुल बाजोरिया, मोनिका हलन और सिद्धार्थ सन्याल शामिल थे।

उत्तर प्रदेश में फिर बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन अब 6 जनवरी, 2026 को
- ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 6 मार्च को की जाएगी जारी

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समय-सीमा में पुनः संशोधन किया है। इसके अनुसार एक जनवरी, 2026 के आधार पर तैयार की जा रही मतदाता सूची के लिए अब नई तारीख घोषित की गई हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि तारीख में हुए इस बदलाव का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाना होगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट छह जनवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरणों की जांच कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी के आधार पर राज्य में चल रहे एसआईआर कार्यक्रम की घोषित तारीखों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित

तारीखों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि छह जनवरी से छह फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है।

छह जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह मार्च, 2026 को किया जाएगा।

पूर्व सांसद व ब्लॉक प्रमुख पति के खिलाफ एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सड़क कब्जे के आरोप में पीड़ित पक्ष पर ही ने दर्ज की थी रिपोर्ट
- पीड़ितों की शिकायत पर इंस्पेक्टर को किया गया लाइन हाजिर

अमृत विचार: अहिमामऊ स्थित स्वास्तिका सोसाइटी में दीवार खड़ी कर सड़क कब्जे के मामले में सुशांत गोल्फ सिटी थाने में पूर्व सांसद धनंजय सिंह, ब्लॉक प्रमुख पति विनय सिंह, सरकारी गनर समेत दस अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, कब्जा कराने के लिए आरोपियों का साथ देने वाले इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह को पुलिस आयुक्त ने लाइन हाजिर कर दिया। मामले में कार्रवाई के लिए प्रभारी मंत्री ने कहा था। इसके बाद भी इंस्पेक्टर ने किसी की नहीं सुनी और पीड़ित पक्ष पर ही रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। पूरे प्रकरण की जांच एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव को सौंपी गई है।

सुल्तानपुर रोड स्थित स्वास्तिका सिटी में कौशल तिवारी, धीरेंद्र मणि त्रिपाठी, रवि बाजपेई, नीरज कुमार सिंह, सुनीता सिंह व रामू समेत अन्य परिवार रहते हैं। पीड़ित कौशल तिवारी ने बताया कि उनके बगल में जौनपुर के महराजगंज विकास खंड की ब्लॉक प्रमुख मांडवी सिंह ने 4500 वर्गफीट जमीन लेकर मकान बनवाया है। उनके बैनामे में दक्षिण दिशा में 20 फीट चौड़ी सड़क दर्शाई गई है, जो पिछले करीब 20 वर्षों से डामर रोड के रूप में कॉलोनी में आने-जाने के लिए सुचारू रूप से संचालित है। मांडवी सिंह का पति विनय सिंह सरकारी गनर व आठ-दस असलहाधारियों को लेकर चलता है। 29 दिसंबर की शाम करीब चार बजे विनय सिंह अपने सरकारी गनर विपुल यादव और दस अज्ञात असलहाधारी लोगों के साथ पहुंचे और ईंट की दीवार खड़ी कर सड़क बंद करने लगे। कॉलोनीवासियों ने विरोध किया तो आरोपियों ने लाइसेंसी राइफल तानते हुए जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ितों का कहना है कि विनय खुद को पूर्व सांसद धनंजय सिंह का रिश्तेदार बताते हुए मोबाइल पर उनसे बात कराकर धमकी दिलवाते रहे, जिसका वीडियो भी मौजूद है। मंगलवार को कॉलोनीवासियों ने पुलिस आयुक्त से मिलकर शिकायत की। पुलिस आयुक्त ने इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह को लाइन हाजिर करते हुए एसीपी को जांच सौंपी। साथ ही रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस ने विनय सिंह, सरकारी गनर, पूर्व सांसद धनंजय सिंह व दस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विनय और धनंजय सिंह पर दर्ज मामले की जांच एसीपी को सौंपी गई है। स्थानीय चौकी इंचार्ज की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा नियमानुसार कार्यवाही होगी।
-निपुण अग्रवाल, डीसीपी दक्षिण

छह राज्यों में बारिश का अलर्ट, बिगड़ेगा मौसम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पहाड़ों पर हिमपात के कारण तापमान दो से तीन डिग्री गिरने की संभावना
- वर्ष के आखिरी दिन 20 से अधिक शहरों में घने कोहरे के आसार

अमृत विचार : नववर्ष के आगमन की तैयारी के बीच मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने उत्तर भारत के छह राज्यों में बारिश की चेतावनी दी है। लोगों से इस दौरान सतर्क रहने की अपील की गई है।

दरअसल, पहाड़ी इलाकों में कुछ जगहों पर भारी हिमपात की संभावना है, जिससे उत्तर प्रदेश के भी तमाम जिले प्रभावित होंगे। बारिश और हिमपात के कारण तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। इस बीच उत्तर प्रदेश में वर्ष 2025 के आखिरी दिन 20 से अधिक शहरों में घना कोहरा मुश्किल हालात पैदा कर सकता है। सुबह के वक्त यात्रा करने वाले लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। जिन जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है, उनमें लखनऊ, बाराबंकी, कानपुर, सीतापुर, गोरखपुर, महाराजगंज, संत कबीर नगर, बहराइच, गोंडा, सैफई, मैनपुरी, बिजनौर, रामपुर, बलरामपुर, आगरा, मुजफ्फर नगर, अमेठी, मेरठ और बरेली शामिल हैं। दूसरी ओर वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसंबर की शाम से छह राज्यों उत्तराखंड, दिल्ली, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान लोगों से काफी सतर्क रहने की अपील भी है। बारिश की वजह से पारा तेजी से गिरने की संभावना जताई गई है।

48 घंटे के भीतर दूसरा भेड़िया ढेर

कैसरगंज (बहराइच)। कैसरगंज वन रेंज में वन विभाग ने मंगलवार को मादा भेड़िए को मार गिराया। बीते 48 घंटों में यह दूसरा भेड़िया है जिसे वन विभाग ने शूट किया है। भेड़िए के मारे जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

मंगलवार को भिरगू पुरवा के पास भेड़िए की मौजूदगी की सूचना मिली थी। रेस्क्यू टीम को देखकर भेड़िया खेतों की ओर भागने लगा, जिसके बाद शूटर ने उसे गोली मार दी। चेहरे पर गोली लगने से भेड़िया मौके पर ही ढेर हो गया। इससे पहले, रविवार को भी वन विभाग ने इसी इलाके के बिरजा पकड़िया क्षेत्र में एक भेड़िए को शूट किया था। वहीं प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे गश्त के दौरान भेड़िए को देखा गया और पीछा करने के बाद उसे गोली मार दी गई।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम जिया का निधन

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। जिया ने देश में उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और दशकों तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखा था। जिया के बड़े बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा, मेरी मां अब हमारे बीच नहीं रहीं। जिया बीएनपी की अध्यक्ष थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने जिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पड़ोसी देश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। जिया के निजी चिकित्सक डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने बताया कि ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। जिया तीन बार प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष भी रह चुकी थीं।

दुर्भाग्यपूर्ण

दोषसिद्धि रद्द करते बेंच ने माना कि सजा पाने वाले नहीं, वरन किसी अन्य ने की थी हत्या

38 वर्ष से सजा भुगत रहे हत्यारोपियों को हाईकोर्ट ने किया रिहा

विधि संवाददाता, प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे तीन आरोपियों को बरी करते हुए पाया कि यह गुप्त हत्या थी, जिसे किसी अन्य व्यक्ति ने अंजाम दिया। इसके साथ ही अभियोजन पक्ष अपने मामले को संदेह से परे साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। ट्रायल जज ने रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों का सही परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन नहीं किया। साथ ही अनुमानों और साक्ष्यों के अनुचित मूल्यांकन के आधार पर अपीलकर्ताओं के अपराध के संबंध में गलत निष्कर्ष निकाले गए। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जेजे व मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने लाला और अन्य की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने माना कि प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य और चिकित्सकीय साक्ष्य के बीच गंभीर और अपूरणीय विरोधाभास है। जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। मामले के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके भाई को 11 आरोपियों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला और एफआईआर दर्ज कराने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। ट्रायल कोर्ट ने सभी आरोपियों को आईपीसी की धारा 147 व 302,149 के तहत पुलिस स्टेशन सोरांव, प्रयागराज में 1987 में दर्ज मामले में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अपील की सुनवाई के दौरान 11 में से आठ आरोपियों की मृत्यु हो जाने से उनके विरुद्ध अपील समाप्त हो गई। शेष तीन की अपील पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह संभव नहीं है कि 11 हमलावरों ने मृतक को जान से मारने की नीयत से एक घंटे तक पीटा हो और उसके शरीर पर केवल 10 चोटें आई हों। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि सूचना मिलने के बाद मृतक का भाई और चाचा न तो हथियार लेकर गए और न ही घटनास्थल तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता अपनाया। इसके अलावा जिस लाठी प्रहार का विवरण गवाहों ने दिया, वैसी कोई चोट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नहीं पाई गई। अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान मामले में चिकित्सा साक्ष्य प्रत्यक्षदर्शी के प्रत्यक्ष साक्ष्य का पूर्णतः खंडन करता है। शव पर पाए गए घाव प्रत्यक्षदर्शी के साक्ष्य का समर्थन नहीं करते हैं। इस तरह प्रत्यक्षदर्शी और चिकित्सा साक्ष्य में महत्वपूर्ण विरोधाभास मिलता है, जो अभियोजन पक्ष के मामले पर गंभीर संदेह पैदा करता है। कोर्ट ने यह भी माना कि मृतक की हत्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा रात के अंधेरे में की गई थी और अभियोजन पक्ष आरोपी के अपराध को साबित करने में 'पूरी तरह से विफल' रहा, अतः कोर्ट ने तीन जीवित आरोपियों को बरी कर दिया।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण आज

अमृत विचार, अयोध्या : राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरी वर्षगांठ पर पहली बार धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अयोध्या पहुंच रहे है। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद होंगे। राम जन्मभूमि परिसर में चल रहे अनुष्ठान के अंतिम दिन 31 दिसंबर को रक्षा मंत्री सुबह 11.30 मिनट पर मंदिर परिसर पहुंचेंगे। रामलला के दर्शन करने के बाद अनुष्ठान में शामिल होंगे। जिसके बाद परकोटा के उत्तरी भुज पर स्थित मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। लगभग दो बजे अंगद टीला पर बने विशाल पंडाल में सीएम योगी आदित्यनाथ और राजनाथ सिंह अयोध्यावासियों को संबोधित करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी भगवान के पाटोत्सव का दूसरा वर्ष है। 31 दिसंबर 2025 के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पूजा पाठ हो रहे है। कानपुर की टोली से श्री राम चरित मानस का पाठ 5 दिन तक चलेगा।और 31 दिसंबर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह समाज को संबोधित करेंगे। लोगों से अपील की गई है कि अपनी सुविधा के अनुसार संपर्क मार्ग से सुग्रीव पथ के रास्ते अंगद टीला पर पहुंच सकते है। प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह में शामिल होने आ रहे केंद्रीय रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ लगभग पांच घंटे अयोध्या में बिताएंगे। इस दौरान दोनों नेता समारोह में शामिल होने के साथ श्री राम मंदिर में राम लला और हनुमानगढ़ी में मंदिर हनुमानजी की पूजा अर्चना करेंगे। शांति व सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने बड़ी संख्या में मजिस्ट्रेटों की तैनाती की है। केंद्रीय रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री लगभग 11 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वह राम मंदिर जाएंगे। राम लला के पूजन अर्चन के साथ प्रतिष्ठा द्वादशी के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिला नया आयाम, अस्पतालों का शिलान्यास व आईसीयू का विस्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विभाग की सेहत सुधरी

- आधुनिक, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य तंत्र का प्रदेशवासियों ने उठाया लाभ
- कई नई स्वास्थ्य इकाइयों का हुआ लोकार्पण, प्रदेशवासियों ने लिया भरपूर लाभ
- मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य पर रहा फोकस, पीडियाट्रिक केयर यूनिट और न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट में हुई बढ़ोत्तरी
- ई-संजीवनी, टेलीमेडिसिन, एंबुलेंस सेवाएं और टीबी उन्मूलन में हुई उल्लेखनीय उपलब्धि

अमृत विचार : वर्ष 2025 स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस वर्ष आधारभूत ढांचे के विस्तार से लेकर अत्याधुनिक इलाज सुविधाओं तक अनेक बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इन प्रयासों का सीधा लाभ प्रदेश की करोड़ों जनता को मिला है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनीं।

इस क्रम में इमरजेंसी कोविड रिलीफ पैकेज के तहत प्रदेश में चिकित्सा ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती दी गई। वर्ष 2025 में कुल 83 नई स्वास्थ्य इकाइयों का लोकार्पण किया गया तथा एक बड़े अस्पताल का शिलान्यास हुआ। इनमें 26 आईपीएचएल लैब, 38 पचास बेड के फील्ड अस्पताल, 13 जनपदीय ड्रग वेयरहाउस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीसीबी यूनिट और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके साथ ही सीतापुर में 200 बेड के जिला चिकित्सालय का शिलान्यास भी किया गया।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में 1800 और जिला अस्पतालों में 1029 आईसीयू बेड स्थापित किए गए। ऑक्सीजन आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (MGPS) सहित 49 एलएमओ स्टोरेज टैंक स्थापित किए गए। इससे गंभीर मरीजों को समय पर जीवन रक्षक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एनएचएम की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल के मुताबिक, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके तहत 42 बेड वाले पीडियाट्रिक केयर यूनिट जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्थापित किए गए। वहीं 32 बेड वाले सभी 23 पीडियाट्रिक यूनिट पूरी से संचालित हुईं। इसके अलावा नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए प्रदेश में 412 न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट्स (एलबीएसयू) की स्थापना की गई। वर्ष 2024-25 में बाह्य रोगी सेवाओं में 27 प्रतिशत और अंतः रोगी सेवाओं में 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। संस्थागत प्रसव, सिजेरियन डिलीवरी, बड़े और छोटे ऑपरेशन, पैथोलॉजी जांच, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड सेवाओं में भी उल्लेखनीय इजाफा हुआ।

आरोग्य योजना के तहत 318 अस्पतालों को जोड़ा

- सचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 318 अस्पतालों को जोड़ा गया, जिनमें 248 कैंसर उपचार से संबंधित हैं। दिसंबर-25 तक लगभग 3,862 करोड़ रुपये का भुगतान अस्पतालों को किया गया। एंबुलेंस सेवाओं को मजबूत करते हुए 2,249 नई एंबुलेंस बेड़े में जोड़ी गईं, जिनसे लाखों मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया।

आधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं घर के पास

- राज्य के 74 जिलों में सीटी स्कैन और सभी 75 जिलों में डायलिसिस सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। जनवरी से नवंबर-25 के बीच 9.42 लाख सीटी स्कैन और 6.50 लाख से अधिक डायलिसिस सत्र संचालित किए गए। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एसेंशियल ड्रग लिस्ट का विस्तार किया गया, जिससे प्राथमिक से लेकर जिला अस्पताल स्तर तक दवाओं की संख्या बढ़ाई गई।

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलेंगे वाहन-मोबाइल

नववर्ष में 67 करोड़ से खरीदी जाएगी स्कूटी और मोबाइल हैंडसेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिशन शक्ति केंद्रों को और सशक्त करेगी सरकार, महिला सुरक्षा को मिलेगा बल
- मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र हैं स्थापित
- 6400 नई स्कूटी और 1600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर किया जा रहा विचार

आपात स्थिति में मौके पर पहुंच सकेंगी

दो पहिया वाहन मिलने से मिशन शक्ति की महिला कर्मी और पुलिस टीम किसी भी आपात स्थिति में तेजी से मौके पर पहुंच सकेंगी। वहीं, मोबाइल हैंडसेट से रियल टाइम मॉनिटरिंग, शिकायत दर्ज करना और उच्च अधिकारियों से समन्वय और बेहतर होगा।

नए संसाधन से केंद्र की बढ़ेगी कार्यक्षमता

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलने वाले नए संसाधन महिला अपराध की रोकथाम में मील का पत्थर साबित होंगे। इससे न सिर्फ पुलिस और प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि आम महिलाओं में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत होगा।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान के तहत स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की तैयारी है। मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में स्थापित 1600 मिशन शक्ति केंद्रों को अगले वर्ष अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा, जिससे महिला अपराधों की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सके। सरकार की योजना के अनुसार वर्ष 2026 में मिशन शक्ति केंद्रों को दो पहिया वाहन और मोबाइल हैंडसेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र/ थानों की स्थापना की गई थी। वहीं अब मिशन शक्ति केंद्र को और अधिक सशक्त करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मिशन शक्ति केंद्र पर 4 स्कूटी और एक-एक मोबाइल हैंडसेट की आवश्यकता सामने आ रही है।

ऐसे में मिशन शक्ति केंद्र के लिए कुल 6,400 नई स्कूटी और 1,600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। इन संसाधनों में करीब 67 करोड़ रुपये खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि सरकार से हरी झंडी मिलने और बजट आवंटित होने के बाद अगले वर्ष इन संसाधनों की खरीद की जाएगी। इन संसाधनों के माध्यम से मिशन शक्ति की टीमों की पहुंच गांव-गांव और मोहल्लों तक और मजबूत होगी, जिससे महिलाओं की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई संभव हो सकेगी।

एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं के लिए न केवल सहायता और परामर्श का केंद्र हैं, बल्कि ये उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से महिला हेल्पलाइन, काउंसलिंग, कानूनी सहायता, मेडिकल सपोर्ट और पुनर्वास जैसी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं।

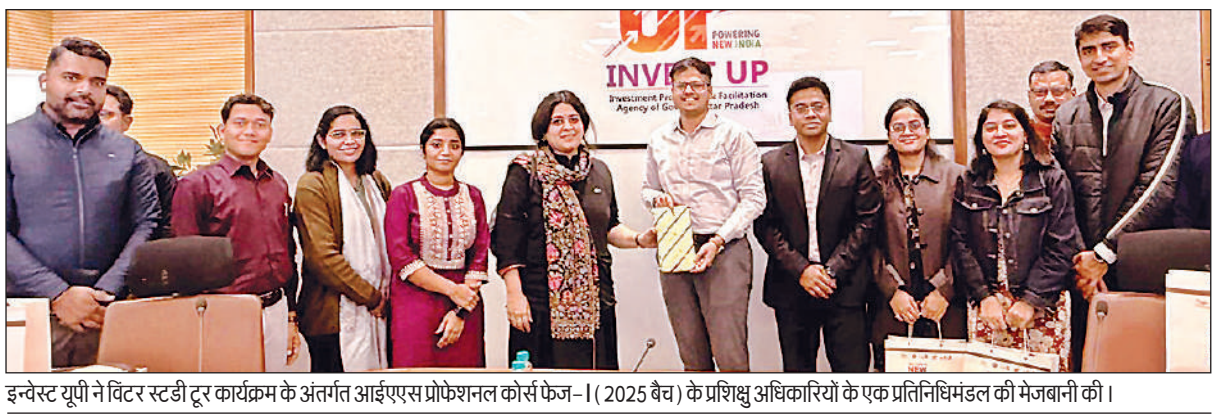

इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की।

प्रशिक्षु आईएएस ने समझी निवेश प्रोत्साहन रूपरेखा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत की प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी

पारदर्शिता और निवेशक सुविधा को और बढ़ाया जाएगा

- आगामी 'निवेश मित्र 3.0' में कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म (सीएएफ) प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें डाटा फ़ील्ड और दस्तावेज़ की आवश्यकताओं को कम किया जाएगा, साथ ही निर्धारित समय-सीमा और एस्केलेशन मैकेनिज़्म के माध्यम से पारदर्शिता और निवेशक सुविधा को और बढ़ाया जाएगा।

अमृत विचार : इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन संरचना तथा सुशासन आधारित आर्थिक परिवर्तन को प्रदर्शित किया गया। यह सत्र अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रेरणा शर्मा ने कहा, "किसी भी निवेश प्रोत्साहन एजेंसी की मूल जिम्मेदारी सरकार की मंशा को निवेशकों के विश्वास में परिवर्तित करना होती है। अपने अनुभव के आधार पर मैंने देखा है कि पहले निवेश प्रक्रिया कितनी विस्तृत और अधिक समय लेने वाली थी।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में 'निवेश मित्र' की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से सभी अनुमोदनों को इंटीग्रेटेड सिंगल-विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया गया, जिससे निवेशकों के अनुभव में मूलभूत सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा, यदि कोई समस्या आती है, तो उसका समाधान करना और निवेशकों का विश्वास बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

प्रेरणा शर्मा ने कहा कि सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से आग्रह करती हूं कि भविष्य में जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी के रूप में वे सक्रिय सुविधा प्रदान करने, विभागों के बीच प्रभावी समन्वय तथा निवेशकों को सशक्त ऑन-ग्राउंड सहयोग सुनिश्चित करें, जिससे निवेश प्रस्ताव समयबद्ध रूप से धरातल पर उतर सकें।

यूपी के मतदेय स्थलों में 15030 की वृद्धि

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में मतदेय स्थलों की संख्या 162486 थी, जो सम्भाजन के बाद बढकर 177516 हो गयी है। ऐसे में मतदेय स्थलों में 15030 की वृद्धि हुई है। बीते साल 2024 में मतदेय स्थलों का सम्भाजन 1500 मतदाताओं के आधार पर हुआ था। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 75 जिलों के 403 विधान सभा क्षेत्रों के 1200 मतदाताओं के आधार पर मतदेय स्थलों के सम्भाजन प्रस्ताव पर 23 दिसम्बर को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा बताया गया कि प्रदेश में मतदेय स्थलों के सम्भाजन की कार्यवाही 29 अक्टूबर से शुरु हुई थी। 75 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारीगण से प्राप्त प्रस्ताव 24 नवम्बर को भारत निर्वाचन आयोग के अनुमोदन के लिए भेजा गया था। मतदेय स्थलों की संख्या में वृद्धि होने के कारण नये सृजित 15030 मतदेय स्थलों पर अतिरिक्त बूथ लेवल अधिकारियों की तैनाती की जायेगी। निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन इन्हीं नये मतदेय स्थलों पर 06 जनवरी को किया जाएगा।

सशक्त बनेंगे दिव्यांगजन विश्वविद्यालय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पेंशन और नि:शुल्क बस सेवा से सामाजिक सुरक्षा हुई मजबूत, खेल, कला और कौशल से दिव्यांग प्रतिभाओं को मिला मंच

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग, के सर्वांगीण सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। शिक्षा, पेंशन, निःशुल्क परिवहन, कौशल विकास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से सरकार का लक्ष्य इन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर और सम्मानपूर्ण जीवन की ओर अग्रसर करना है।

इसी क्रम में योगी सरकार की ओर से दिव्यांग विश्वविद्यालयों को सशक्त बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि योगी सरकार की नीतियां केवल सहायता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने पर केंद्रित हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि ये संस्थान दिव्यांगजनों के लिए उच्च शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं।

उन्होंने मंडल स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर अधिक से अधिक दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार, रिक्त शिक्षकीय पदों पर शीघ्र नियुक्ति तथा निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए गए।

पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की सख्त मॉनिटरिंग

- पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान कहा गया कि योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी जब उनका सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मंत्री ने जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने और कमजोर प्रगति वाले जिलों में जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

2025-26 में दिव्यांग प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

- आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि लखनऊ में 7 दिवसीय राज्य स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता, प्रयागराज और ललितपुर में दिव्यांग पुनर्वासन पर राष्ट्रीय कार्यशालाएं, प्रयागराज, प्रतापगढ़, कानपुर नगर, गोरखपुर, वाराणसी एवं बागपत में चित्रकला व हस्तकला प्रदर्शनी एवं कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

बहराइच के डीएफओ पर गिरी गाज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद मंगलवार को बहराइच जिले के डीएफओ पर गाज गिर गई। बहराइच डीएफओ राम सिंह यादव को हटा दिया गया है। उन्हें मुख्यालय से संबद्ध करते हुए उनकी जगह एटा के डीएफओ सुन्दरेशा को बहराइच का नया डीएफओ बनाया गया है। इतना ही नहीं सीएम की ओर से बहराइच, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर और बिजनौर में बाघ, तेंदुए व भेड़ियों द्वारा मारे गए व्यक्तियों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों का उपचार व मुआवजा वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने की भी हिदायत दी गई है। दूसरी ओर वन विभाग की टीम द्वारा अब तक आठ आदमखोर भेड़ियों को मार गिराने की सूचना मिली है। दरअसल, बहराइच में बीते कुछ समय से भेड़ियों का आतंक काफी बढ़ गया है।

चार श्रम कानूनों से मिला मजबूत सामाजिक सुरक्षा का कवच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

श्रमिकों के हाथ मजबूत

- प्रदेश में श्रमिक कल्याण, रोजगार व औद्योगिक विस्तार का गोल्डन-ईयर साबित हुआ बीता वर्ष
- आठ वर्षों में दोगुने से अधिक नए कारखाने रजिस्टर्ड
- रोजगार महाकुंभ में 16 हजार से अधिक को मिली नौकरी

श्रमिकों के लिए नई पहल

- निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए बोर्ड द्वारा कई नवाचार किए गए। इसके तहत, 23 दिसंबर 2025 को ऑनसाइट नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण हेतु मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया गया। पहले चरण में 10,000 श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के 18 जनपदों में संचालित अटल आवासीय विद्यालयों की निगरानी को 360 डिग्री लाइव मॉनिटरिंग कमांड सेंटर की स्थापना की गई।

अमृत विचार : वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग और श्रमिक कल्याण के दृष्टिकोण से एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी वर्ष रहा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग ने न केवल श्रमिकों के हितों की रक्षा को नई दिशा दी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2025 इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसी वर्ष भारत सरकार द्वारा चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया गया, जिन्हें श्रमिक हितों की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है।

सरकार की नीतियों और सुधारों का प्रत्यक्ष परिणाम यह रहा कि प्रदेश में लगातार बड़ी संख्या में नये कारखानों की स्थापना और पंजीकरण हुआ। बीते आठ वर्षों की तुलना में 2025 तक कारखानों का पंजीकरण दोगुने से भी अधिक हो गया, जिससे रोजगार के नये अवसर सृजित हुए और औद्योगिक वातावरण मजबूत हुआ। विशेष रूप से महिला कर्मकारों के लिए वर्ष 2025 ने नए अवसरों के द्वार खोले और उन्हें अधिक सुरक्षित व सशक्त कार्यपरिस्थितियां उपलब्ध कराईं।

श्रम अधिनियमों के अंतर्गत लंबित वादों की सुनवाई को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए श्रम विभाग ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया। 26 अगस्त 2025 को श्रम न्याय सेतु, लेबर ई कोर्ट प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया था। यह पोर्टल न केवल पेपरलेस गवर्नेंस का उदाहरण बना, बल्कि इसे 19वें नेशनल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवार्ड्स 2025 में पेपरलेस गवर्नेंस चैंपियन श्रेणी में सम्मानित भी किया गया। प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन किया गया।

इसके अंतर्गत घरेलू ही नहीं बल्कि विदेशी रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा दिया गया। रोजगार संगम पोर्टल से पंजीकृत 5 रिक्रूटमेंट एजेंसियों को जोड़ा गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट को नई गति मिली। रोजगार महाकुंभ का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया गया, जहां 16,000 से अधिक युवाओं का चयन और प्लेसमेंट हुआ।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना में नवाचार

- बीमित श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरोग्य मंथन कार्यक्रम का आयोजन 11 दिसंबर को कानपुर में किया गया। इस अवसर पर क्यूआर कोड इनेबिल्ड 'माइक्रोसॉफ्ट आरोग्य शक्ति अभियान का शुभारंभ, आरोग्य संकल्प पत्र का विमोचन और एएए एप की शुरुआत की गई। एप के माध्यम से अब श्रमिक घर बैठे अपॉइंटमेंट, दवाओं की डिलीवरी और सभी मेडिकल टेस्ट रिकॉर्ड डिजिटल रूप से प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, चेन्नई, हैदराबाद और फरीदाबाद के ईएसआईसी प्रीमियर संस्थानों की बेस्ट प्रैक्टिस को उत्तर प्रदेश में लागू करने की पहल भी की गई।

अखिलेश यादव ने उठाया अंकिता हत्याकांड का मुद्दा

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तराखंड की अंकिता भंडारी हत्याकांड का मुद्दा उठाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। मंगलवार को जारी एक बयान में सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि, भाजपा सरकार में बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ का सिर्फ नारा लगता है, महिलाओं और बेटियों का सर्वाधिक अपमान हो रहा है। उन्होंने कहा कि, उत्तराखंड में भाजपा नेता के रिजार्ट में रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या मन को विचलित करने वाली है। अखिलेश ने सवाल उठाया कि, उत्तराखंड के सभी राजनैतिक दलों और जनसंगठनों द्वारा सीबीआई जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में करने की मांग की जा रही है तो उस पर लीपापोती क्यों की जा रही है।

विकास | अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का नवीन परिसर

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य स्थल बनेगी राजधानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शहीद पथ के करीब बनेगा नया संस्कृति भवन
- पर्यटकों के लिए 1090 चौराहे से रेजीडेंसी तक डबलडेकर बस संचालित होगी

अमृत विचार: आगरा और काशी की तरह लखनऊ को भी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य के रूप में ख्याति दिलाने के लिए परियोजना तैयार के निर्देश अधिकारियों दिये गए हैं। आगरा और काशी में पहले से ही देशी-विदेशी पर्यटकों का आवागमन होता रहता है, इसी तर्ज पर लखनऊ को भी पर्यटन का हब बनाने की तैयारी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, राजधानी में शहीद पथ के निकट संस्कृति मुख्यालय की स्थापना की जायेगी। इस संस्कृति भवन में संस्कृति विभाग के अधीन आने वाली निदेशालयों के कार्यालयों को शिफ्ट किया जायेगा। उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि की व्यवस्था के लिए प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के नए परिसर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इसके अलावा राजधानी में पर्यटन एवं संस्कृति पार्क विकसित किया जाएगा। इस पार्क में पर्यटन और संस्कृति से जुड़ी वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी शुरूआत 17 नगर निगमों के अधीन आने वाले पार्कों से होगी।

मंत्री ने बताया कि, लखनऊ भ्रमण करने वाले लोगों को किफायती रेट पर टिकट प्रदान किया जायेगा। इस बस का शुभारंभ पर्यटन मंत्री 06 जनवरी को 1090 चौराहे से हरी झंडी दिखाकर करेंगे। लखनऊ दर्शन का उद्देश्य पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं को आकर्षित करके लखनऊ को एक नये डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है।

पर्यटन मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिकारियों को फाइलें विलंब करने की पुनरावृत्ति छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय की अद्यतन स्थिति की बिन्दुवार समीक्षा की।

उन्होंने हरदोई, एटा, अलीगढ़, चित्रकूट, पीलीभीत, फिरोजाबाद, मैनपुरी आदि के रामलीला मैदानों के सौन्दर्यीकरण आदि की समीक्षा की। इसके अलावा रायबरेली, बदायूं, कन्नौज, चित्रकूट, लखनऊ में निर्माणाधीन सांस्कृतिक केन्द्रों की समीक्षा की।

न्यूज ब्रीफ

पान दुकानदार पर हमला सिर पर लगे छह टांके

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी के सेवई इलाके में नकाबपोश बदमाशों ने एक पान दुकानदार पर रॉड से हमला कर दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हुआ है। पीड़ित राम जितेश ने बताया कि वह 28 दिसंबर की रात अपनी गुमटी के पास सो रहा था। इसी दौरान नकाबपोश बंगाली नाम के व्यक्ति के साथ छह अन्य लोगों ने उनकी गुमटी पलट दी। इससे गुमटी के नीचे दबने से वह घायल हो गए। आरोप है कि विरोध करने पर बदमाशों ने रॉड से हमला कर दिया। जिससे सिर फट गया। सिर में छह टांके लगे हैं। पीड़ित ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

अमृत विचार, काकोरी : पारा के सदरौना परसादी खेड़ा स्थित राधेबाग रेजीडेंसी में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाया। ताला तोड़कर चोरों ने नकदी व जेवर समेत लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित सतेन्द्र कुमार रावत ने बताया कि 25 दिसंबर की रात वह कंपनी के कार्य से देहरादून गए थे। उनकी पत्नी व बच्ची पहले से मायके में रह रही थीं। मंगलवार सुबह जब वह घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला और घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित ने बताया कि चोर घर से 88 हजार रुपये नकद, सोने और चांदी के जेवर समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। पीड़ित ने डॉयल-112 नंबर पर सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल की जांच पड़ताल की है। पुलिस ने थाने में तहरीर दी है।

महिला ने फ्लैटों के दरवाजे खटखटाकर किया स्प्रे

अमृत विचार, चौक : ठाकुरगंज के इकबाल नगर स्थित रजा अपार्टमेंट में सोमवार रात महिला ने घुसकर फ्लैटों के दरवाजे खटखटाने लगी। दरवाजा खुलने पर वह लोगों पर स्प्रे करने लगी। अचानक हुई घटना से अपार्टमेंट में रहने वाले लोग डर गए और शोर मचाने लगे। हंगामा बढ़ने पर लोगों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, इसी दौरान दो महिलाएं मौके से फरार हो गई। जबकि एक महिला को पकड़ लिया गया। सूचना मिलते ही ठाकुरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पूछताछ के दौरान आरोपी महिला पुलिस कर्मियों के ऊपर भी स्प्रे करने लगी। इसपर पुलिस उसे थाने लेकर पहुंची। वहां पूछताछ की गई तो वह चिल्लाने लगी। ठाकुरगंज प्रभारी निरीक्षक ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि पकड़ी गई महिला मानसिक रूप से कमजोर है।

युवक की हत्या, शव जलाने का प्रयास

हत्यारों ने सिर व चेहरे पर किए ताबड़तोड़ वार, मृतक का मोबाइल और सामान भी लूट ले गए

संवाददाता, मोहनलालगंज

- पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज तीन लोग हिरासत में

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के मऊ कस्बे में धारदार हथियार से सिर व चेहरे पर ताबड़तोड़ वारकर युवक की हत्या कर शव डेढ़ किमी दूर पुरसेनी जाने वाली नहर किनारे खेत में फेंक दिया। हत्यारों ने पहचान मिटाने के लिए ज्वलनशील पदार्थ से चेहरे जलाने का प्रयास भी किया। हत्यारे मोबाइल समेत अन्य माल भी ले गए। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल पर छानबीन की। पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस तीन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि मऊ के बड़ी मस्जिद चिकमंडी निवासी रबी मोहम्मद सिद्दीकी का छोटा बेटा मोहम्मद अलमास उर्फ अज्जू (22) सोमवार शाम घर पर था। करीब 7 बजे उसके मोबाइल पर कई बार फोन आया। मां मल्लिका से लौटकर खाना खाने की बात कहकर अलमास घर से निकल गया। रात करीब 9 बजे तक परिजन ने फोन किया तो मोबाइल स्विच ऑफ मिला।

इस पर पिता ने बड़े बेटे समीर और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अलमास की तलाश शुरू की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। मंगलवार सुबह उसके घर न आने पर रबी मोहम्मद ने मोहनलालगंज कोतवाली जाकर गुमशुदगी दर्ज कराई। दोपहर बाद मऊ से पुरसेनी जाने वाली नहर के किनारे खेत में युवक का शव पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को खून से लथपथ शव मिला, जिसकी पहचान मोहम्मद अलमास के रूप में की गई।

ग्रामीणों ने बताया कि अलमास के माथे और चेहरे पर धारदार हथियार से कई वार के निशान थे। चेहरा क्षत-विक्षत था। ऐसा लग रहा था कि जैसे पहचान छिपाने के लिए ज्वलनशील पदार्थ से जलाने का प्रयास किया गया है। पुलिस को मृतक का मोबाइल फोन नहीं मिला। फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जिस स्थान पर शव मिला, वह मृतक के घर से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर है। अभी तक की जांच से यह साफ है कि आरोपी गांव या उसके आसपास के हैं। पुलिस के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। अलमास तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था। परिजन ने किसी से रंजिश से इनकार किया है।

रोते बिलखते मृतक अलमास के परिजनों को संभालते ग्रामीण और रिश्तेदार। अमृत विचार

खुजौली जा रहा हूं मां, लौटकर खाना खाऊंगा

मृतक अलमास

- बेटे की हत्या के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता ने बताया कि अलमास सोमवार शाम को बाल कटवाकर घर आया था। कपड़ा बदलने तक में किसी का फोन 8-10 बार आया। इसके बाद अलमास ने मां से कहा कि खुजौली जा रहा हूं। मां ने कहा खाना खाकर जाओ तो उसने पूछा कि क्या बना है? मां ने बताया कि दाल-रोटी बनाई है। इस पर बोला कि लौटकर आता हूं तो खाऊंगा। उसके घर से निकलने के कुछ ही देर बाद उसका फोन स्विच ऑफ हो गया।

गंगा स्नान पर हुए हादसे के बाद नहीं चला रहा था ऑटो

- गांव वालों ने बताया कि अलमास आठवीं तक पढ़ा था। वह पहले पहले ऑटो रिक्शा चलाता था। गंगा स्नान के दिन हुए एक सड़क हादसे के बाद से वह गाड़ी नहीं चला रहा था। वह अक्सर गांव के ही तंत्र-मंत्र करने वाले एक युवक के साथ घूमता-फिरता दिखता था। पुलिस को छानबीन के दौरान घटनास्थल से कुछ दूरी पर शराब की खाली बोतलें और गिलास भी मिले हैं।

प्रेम-प्रसंग, लूट समेत सभी बिंदुओं पर जांच शुरू

- इंस्पेक्टर ने बताया कि गुमशुदगी को हत्या की धारा में तरमीम किया गया है। कुछ संदिग्धों को शक के आधार पर हिरासत में लिया गया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अलमास अविवाहित था। लिहाजा प्रेम-प्रसंग, लूट समेत सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। केस पर सर्विलांस समेत तीन टीमों को लगाया गया है।

एलपीएल में 500 क्रिकेटरों की नीलामी अगले माह

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ प्रीमियर लीग (एलपीएल) के पहले संस्करण के लिए खिलाड़ियों के चयन की शुरुआती प्रक्रिया पूरी हो गई है। पांच दिनों तक चले मैराथन ट्रायल के बाद अब जनवरी माह में खिलाड़ियों की नीलामी (ऑक्शन) कराई जाएगी। इस नीलामी में करीब 500 क्रिकेटर शामिल होंगे, जिन पर छह फ्रेंचाइजी टीमें बोली लगाएंगी। आईपीएल की तर्ज पर आयोजित होने वाली इस लीग का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को बड़ा मंच उपलब्ध कराना है। मुकाबले मार्च माह में लखनऊ के विभिन्न मैदानों पर खेले जाने की संभावना है, जिससे शहर के क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। स्पोर्ट्स गैलेक्सी अकादमी में आयोजित ट्रायल में खिलाड़ियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कुल 1200 खिलाड़ियों ने ट्रायल में हिस्सा लिया, जिनकी प्रतिभा का आकलन पूर्व भारतीय क्रिकेटर ज्ञानेंद्र, पूर्व रणजी खिलाड़ी आरिश आलम और अभिनव दीक्षित की देखरेख में किया गया।

इस दौरान छह फ्रेंचाइजी लखनऊ चैलेंजर्स, लखनऊ पैंथर्स, लखनऊ एसेज, लखनऊ लायंस, लखनऊ नवाब्स और लखनऊ स्ट्राइकर्स के स्काउट्स भी मौजूद रहे। स्काउट्स ने अपनी-अपनी टीमों की रणनीति के अनुसार खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिन्हें अब आगामी ऑक्शन पूल में शामिल किया जाएगा।

अक्शा, प्रिया और नूपुर दिखाएंगी दम

- **अमृत विचार, लखनऊ :** कानपुर के कमला क्लब में आयोजित कड़े ट्रायल्स के बाद उत्तर प्रदेश की 18 सदस्यीय अंडर-15 बालिका क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गई है। इस टीम में लखनऊ में अभ्यास कर रही तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों अक्शा खान, प्रिया वर्मा और नूपुर पांडेय ने अपनी जगह पक्की की है। मूल रूप से लखनऊ की रहने वाली अक्शा खान दाएं हाथ की तेज गेंदबाज हैं। वह शहर की टीएस क्रिकेट अकादमी में कोच मोहम्मद सूफियान और तुषार सिन्हा के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही हैं। खास बात यह है कि अक्शा इससे पहले भी उत्तर प्रदेश अंडर-15 टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। चयनित खिलाड़ियों में सीतापुर की स्पिनर प्रिया वर्मा भी शामिल हैं, जो लगातार दूसरे वर्ष टीम का हिस्सा बनी हैं। प्रिया चौक स्टेडियम में कोच राहुल गुप्ता से प्रशिक्षण ले रही हैं। वहीं, बहराइच से पंजीकृत नूपुर पांडेय केडी सिंह बाबू स्टेडियम में कोच आसिफ रजा खान के निर्देशन में तेज गेंदबाजी के गुर सीख रही हैं। उत्तर प्रदेश की यह टीम 2 जनवरी से कोलकाता में होने वाली नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी।

गर्भवती की मौत पर अस्पताल में हंगामा

परिवारीजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप, पुलिस ने कराया शांत

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार : बंथरा थाना क्षेत्र के जुनाबगंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में मंगलवार सुबह इलाज के दौरान एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजन ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह परिजनों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजन ने कोई शिकायत नहीं दी है।

उन्नाव जिले के दही चौकी थाना क्षेत्र के सराय कटियार गांव निवासी इलेक्ट्रीशियन प्रदीप कुमार की 23 वर्षीय पत्नी अंजली देवी करीब डेढ़ माह की गर्भवती थी।

मृतका अंजली

प्रदीप के मुताबिक अंजली को 15 दिनों से ब्लीडिंग हो रही थी। मंगलवार तड़के करीब 4 बजे उसे बंथरा स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया। सुबह करीब 9 बजे अंजली की मौत हो गई। परिजन ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची बंथरा पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया। अचलगंज थाना क्षेत्र के गांव जमुका के मजरा टीकाखेड़ निवासी अंजली के पिता जयप्रकाश नारायण ने बताया कि दो वर्ष पहले बेटी की शादी की थी। गर्भवती होने के बाद से तबीयत खराब चल रही थी। उन्नाव के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। सुधार न होने पर सोमवार रात वहां से डिस्चार्ज कराकर प्रसाद हॉस्पिटल लाए थे।

अस्पताल के बाहर हंगामा करते मृतका के परिजन व अन्य लोगों की भीड़।

संदिग्ध परिस्थितियों में चौकीदार की मौत

संवाददाता, काकोरी

- पोस्टमार्टम के बाद स्पष्ट होगी मौत की वजह

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के पलेहंदा गांव में मंगलवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में सरकारी टंकी पर तैनात चौकीदार की मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश राठौर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट होंगे।

श्यामू गौतम

इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि श्यामू गौतम (46) निवासी पलेहंदा गांव एक निजी ठेकेदार के माध्यम से सरकारी टंकी पर देखरेख में चौकीदारी

निगरानी का कार्य करता था। वह रोज की तरह सोमवार की रात भी ड्यूटी पर गया था। मंगलवार सुबह गांव के लोगों को टंकी पर उसका शव मिला। जिसके बाद परिजन और पुलिस को सूचना दी गई।

मृतक की पत्नी श्याम कुमारी ने बताया कि श्यामू रोजाना की तरह रात में ड्यूटी पर गए थे। परिवार में पति-पत्नी के अलावा कोई अन्य सदस्य नहीं है। परिवार ने कोई लिखित आरोप नहीं लगाया है। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

गोष्ठी में बताए जैविक कृषि के फायदे

माल, संवाददाता

अमृत विचार: माल विकास खंड के सभागार में मंगलवार को कृषि विभाग ने कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए कृषि प्रसार, कृषि निवेश तथा तकनीकी प्रबंधन योजना अंतर्गत कृषक गोष्ठी का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख राम कुमार रही ने की।

कृषि विशेषज्ञ अनिल कुमार उपाध्याय ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए जीवामृत, घनजीवामृत दशपरणी अरक, निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र आदि बनाने की विधि बताई। साथ ही जैविक कृषि के फायदे भी बताए। प्रभारी राजकीय कृषि बीज भंडार विशाल कुमार पाल ने उन्नतशील प्रमाणित एवं आधारीय बीज की जानकारी दी। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) सिकंदर यादव ने फार्मर रजिस्ट्री ,पीएम किसान सम्मान निधि योजना, पीएम कुसुम योजना, कृषि यंत्रीकरण योजनाओं की जानकारी दी। पूर्व ब्लाक प्रमुख दिलावर , एडीओ,कृषि विभाग विकासखंड माल के समस्त कार्मिक, प्रगतिशील कृषक राकेश कुमार गौतम, सत्रोहन लाल, बैजनाथ, हीरालाल, श्रीराम, विमलेश कुमार समेत 150 कृषक और प्रधान शामिल रहे।

सरोजनीनगर ब्लॉक सभागार में हुई संगोष्ठी में मौजूद किसान व अन्य।

सैन्यकर्मी का बदमाशों ने पिट्ठू बैग व हेल्मेट लूटा

संवाददाता, सरोजनीनगर

- बिजनौर थाना क्षेत्र स्थित रुद्रिका एंक्लेव के पास हुई घटना

अमृत विचारः बिजनौर थाना क्षेत्र में रविवार शाम लघुशंका के लिए रुके एक सैन्यकर्मी का पिट्ठू बैग व हेल्मेट बदमाशों ने लूट लिया। पुलिस ने मौके पर छानबीन की।

बिजनौर के रॉयल सिटी फेस-टू स्थित रामनगर कॉलोनी निवासी देवेंद्र कुमार सैन्य कर्मी हैं। वह 28 दिसंबर को शाम करीब 6:15 बजे बाइक से अपने गांव रायबरेली जिले के सरेनी स्थित गहरौली जा रहे थे। किसी कारणवश वह रास्ते से वापस लौटने लगा। रुद्रिमा एंक्लेव के पास बाइक रोककर सड़क किनारे पेशाब करने चले गए। इस दौरान एक बदमाश बाइक की सीट पर रखा पिट्ठू बैग और हेल्मेट लेकर भाग निकला। बैग में एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, कैंटीन कार्ड और करीब 2500 रुपये रखे थे।

सिटी डायरी

पूरे दिन सर्दी से ठिठुरते रहे लोग

दुर्गा मंदिर के बाहर अलाव तापते लोग।

अमृत विचार, उन्नाव : मंगलवार को नगर व ग्रामीण क्षेत्र में ठंड व घने कोहरे ने जन जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। सुबह से छाए कोहरे व बर्फीली हवाओं के कारण लोग पूरे दिन ठिठुरते रहे। ठंड तीव्र थी कि उसका असर सीधे हड्डियों तक महसूस किया गया और हर कोई कंपकंपाता दिखाई दिया। सोमवार देररात से ही कोहरा छाना शुरू हो गया था। जिससे गलन व ठंड में लगातार बढ़ोतरी होती गई। रात में गलन इतनी अधिक रही कि लोग जल्दी घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। मंगलवार सुबह भी मौसम में कोई खास सुधार नहीं हुआ और लोग काम पर जाते समय ठंड से जूझते दिखे। सड़कों के किनारे जल रहे अलाव लोगों के लिए राहत का सहारा बने रहे। ठंड से बचने के लिए लोग ही नहीं पशु भी अलाव के पास खड़े दिखे। दोपहर में कुछ देर के लिए धूप जरूर निकली लेकिन वह ठंड के आगे बेअसर साबित हुई।

खिलाड़ी को पुरस्कृत करते कैंट के पूर्व विधायक सुरेशचंद्र तिवारी।

मरुई इलेवन की टीम क्वार्टर फाइनल में

अमृत विचार, निगोहां : एसएनटी ग्राउंड पर चल रहे डॉ. पी.सी. मिश्रा क्रिकेट टूर्नामेंट मंगलवार को भावाखेडा इलेवन को हराकर मरुई इलेवन क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। भावा खेडा ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी मरुई इलेवन की टीम ने 15 ओवरों में 165 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भावाखेड़ा की टीम 14 ओवर में 141 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 17 गेंदों में 42 रन और 2 विकेट लेने वाले वीरेंद्र मैन ऑफ़ द मैच चुने गए। कैंट के पूर्व विधायक सुरेशचंद्र तिवारी ने उन्हें ट्राफी दी। मैनपुरी के भोगांव से आए अनुराग यादव की कमेंट्री की।

रिक्शे पर लाद कर किताबें ले जाते हुए।

किताबें ले जाने का वीडियो वायरल

अमृत विचार, निगोहां : नेवाज खेड़ा स्थित प्राथमिक विद्यालय से लगभग दो क्विंटल पुस्तकों को ले जाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में स्कूल परिसर से बड़ी मात्रा में किताबें कबाड़ी द्वारा ले जाते हुए देखी जा सकती हैं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों में इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी है और लोग विद्यालय प्रशासन पर सवाल उठाने लगे हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो कुछ ग्रामीणों द्वारा बनाया गया। वीडियो के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विद्यालय में मौजूद पाठ्यपुस्तकें, जो बच्चों को वितरित की जानी थीं।

विजेता व उपविजेता टीम के साथ अतिथि।

खेलवीर की टीम ने जीता खिताब

अमृत विचार, उन्नाव : सेंट लॉरेंस स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन सेमीफाइनल व फाइनल मैच हुए। विशिष्ट अतिथि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के राष्ट्रीय रेफरी लईक अहमद खान व जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश सब्बरवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ किया। खेलवीर की ओर से आदर्श ने 3, यशवेंद्र ने 1 वहीं स्टेडियम से आनंद ने 1 गोल कर 4-1 के अंतर से खेलवीर ने जूनियर वर्ग के खिताब जीता।

समीक्षा बैठक मंडलायुक्त विजय विश्वास पंतने दिए मंड में चिन्हित 273 ब्लैक स्पॉट पर 15 तक सुधार करने के निर्देश

सड़क दुर्घटना पर मदद करने वाले किए जाएंगे सम्मानित

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : मंडल के सभी जिलों में चिन्हित 275 ब्लैक स्पॉट्स हर हाल में 15 फरवरी तक सुधार कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाएं। ये निर्देश सोमवार को हुई मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने दिए। उन्होंने सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मदद करने वाले लोगों को 26 जनवरी को कलेक्ट्रेट में बुलाकर सम्मानित करने के निर्देश भी दिए। कहा कि, ऐसा करने से लोग दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएंगे। इसके अलावा सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम करने के लिए भी कहा।

स्मार्ट सिटी सभागार में हुई बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2025 में लखनऊ में 75, रायबरेली में 45, सीतापुर में 28, लखीमपुर खीरी में 25, उन्नाव में 33 और हरदोई में 67 ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित किए गए हैं। इसमें 149 लोक निर्माण विभाग और 122 एनएचएआई के हैं। एक-एक एचनएच पीडब्ल्यूडी और यूपिडा से संबंधित है। इन ब्लैक स्पॉट्स में सुधारात्मक कार्य साइनेज, स्पीड ब्रेकर, रोड मार्किंग, प्रकाश व्यवस्था एवं आवश्यकतानुसार बैरियर लगाने के कार्य किए जाने हैं। मंडलायुक्त ने यातायात विभाग को जनवरी के प्रथम सप्ताह में अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों का चालान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ओवर स्पीड, ड्रिंक एंड ड्राइव, बिना हेलमेट, सीट बेल्ट वाहन चलाने, ओवरलोडिंग, रांग साइड ड्राइविंग पर प्रवर्तन की कार्रवाई की जाए। इसके लिए प्रमुख चौराहों पर लाल बत्ती पर चेकिंग टीम तैनात की जाए। परिवहन विभाग को चालकों-परिचालकों के स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण के लिए परिवहन निगम डिपो पर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस एवं ट्रक एसोसिएशन के प्रतिनिधियों, चालकों एवं परिचालकों के मध्य सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। साथ विभिन्न स्टेक होल्डर के साथ सड़क सुरक्षा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया जाए।बैठक में डीसीपी यातायात, अपर जिलाधिकारी टीजी, अपर नगर आयुक्त, पीडब्लूडी, एनएचएआई, आरटीओ प्रवर्तन व पुलिस विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में आवश्यक निर्देश देते मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत।

एनएचएआई देगा ओवरलोड मालवाहनों की सूची

- मंडलायुक्त ने ओवरलोड वाहनों की प्रभावी रोकथाम के लिए एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को निर्देश दिए कि टोल प्लाजा पर पकड़े गए ओवरलोड माल वाहनों की सूची परिवहन विभाग को 15 दिनों में नियमित उपलब्ध कराई जाए। मण्डल के जनपदों के एआरटीओ एवं आरटीओ को भी भेजी जाए। जिससे प्रवर्तन की कार्रवाई कर सकें।

स्कूली वाहनों की फिटनेस की होगी जांच

- मंडलायुक्त ने स्कूली वाहनों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाने के लिए परिवहन विभाग को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनफिट स्कूलों वाहनों, अवैध रूप से संचालित बसों, व्यावसायिक वाहनों, निजी वाहनों के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि स्लीपर बसों की डिजाइन एवं सुरक्षा मानकों की जांच और अवैध टैक्सी, बस अड्डों एवं अवैध पार्किंग के खिलाफ नगर निगम, पुलिस और आरटीओ द्वारा संयुक्त कार्रवाई की जाए।

ग्रीन कॉरिडोर की इंजीनियर ठीक नहीं

- पुलिस उपायुक्त यातायात ने बैठक में कहा कि लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर की इंजीनियरिंग ठीक न होने से जगह-जगह चौराहों पर जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसका परीक्षण करके बदलाव करने की आवश्यकता है। जिस पर मंडलायुक्त ने एलडीए को आवश्यक निर्देश दिए।

घायलों को मिले नि:शुल्क इलाज

- मंडलायुक्त ने परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को नि:शुल्क इलाज की सुविधा मिले। इसके लिए केंद्र सरकार की कैशलेस ट्रीटमेंट योजना का अध्ययन करके इसे लागू करने में होने वाली प्रकिया को आगे बढ़ाया जाए। जिससे इस योजना को शीघ्र लागू किया जा सके।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

शराब के लिए पैसे नहीं दिये किया हमला

अमृत विचार, उन्नाव : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के चंपापुरवा मोहल्ले में शराब के लिए पैसे न मिलने पर एक युवक ने अपनी पत्नी व साली पर लाठी-डंडे व बेलचा से हमला कर दिया। पीड़िता पुष्पा देवी ने बताया कि उसका पति राज गौतम उर्फ टईंया मंगलवार दोपहर साढ़े 3 बजे शराब पीने के लिए रुपये मांग रहा था। इनकार करने पर उसने गाली देना शुरू कर दिया और लाठी-डंडों से मारपीट करने लगा। शोर सुन पड़ोस में रहने वाली उसकी बहन रामदेवी जो चंदन की पत्नी है बचाने पहुंची। इस पर पति ने उस पर भी बेलचा से हमला कर दिया। इससे दोनों के सिर फट गए और वे गंभीर घायल हो गईं। इसकी सूचना पीआरवी को दी गई। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भेजा। पीड़िता ने पति के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वेटलिफ्टिंग में उत्कर्ष ने किया नाम रोशन

अमृत विचार, उन्नाव : पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा पांच दिवसीय नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप महिला व पुरुष फॉर सेशन 2025-26 आयोजित हुआ। वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में शुक्लागंज के खिलाड़ी उत्कर्ष उर्फ मनु गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन कर नगर का नाम रोशन किया। कानपुर स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिभाग करते हुए उत्कर्ष ने 110 किलो भार वर्ग में हिस्सा लिया और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर 15वीं रैंक हासिल कर ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में स्थान सुनिश्चित किया। प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण भी किया गया। जिसे देख उनके परिजन व शुभचिंतक खुशी से झूम उठे। उत्कर्ष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता सुरेन्द्र गुप्ता को देते हुए कहा कि उनके निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग से ही यह उपलब्धि संभव हो सकी। साथ ही उन्होंने अपने कोच हरीओम ओझा का भी आभार व्यक्त किया। उत्कर्ष ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में पदक जीतना है। उनकी इस उपलब्धि पर नगरवासियों ने खुशी जताई और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयां दीं।

अटल आवासीय विद्यालय में करें आवेदन

अमृत विचार, उन्नाव : सहायक श्रमायुक्त एसएन नागेश ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय सिठौलीकलां, मोहनलालगंज व लखनऊ में मंडल के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों व कोविड-19 की महामारी में कोरोना से निराश्रित हुये बच्चों व मुख्यमंत्री बाल सेवायोजना (सामान्य) के अन्तर्गत पात्र बच्चों के लिये विद्यालय खोला गया है। जिसमें शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिये कक्षा 6 में उपलब्ध 160 सीट (80 बालक व 80 बालिकाएं) और कक्षा 9 में उपलब्ध 60 सीट (30 बालक व 30 बालिकाएं) पर अटल अवासीय विद्यालय लखनऊ में प्रवेश हेतु आफलाइन/आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए हैं। आवेदन पत्र किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक 1 जनवरी से नि :शुल्क संबंधित जिले के श्रम, जिला प्रोबेशन अधिकारी, बीएसए, डीआईओए, खडं शिक्षाधिकारी कार्यालयों के अलावा अटल आवासीय विद्यालय लखनऊ से प्राप्त किये जा सकते हैं। पूर्ण भरे हुये आवेदन पत्र सभी वांछित अभिलेखों व तीन अतिरिक्त फोटो के साथ 31 जनवरी को शाम 5 बजे तक संबंधित जिले के श्रम विभाग कार्यालय में जमा कराये जा सकते हैं।

वार्ता में छाया रहा नेशनल इंक्रीमेंट का मामला

अमृत विचार, उन्नाव : उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष हरिहर प्रसाद दीक्षित व जिलामंत्री रामशंकर के नेतृत्व में डीआईओएस सुनील दत्त से मिला और 9 सूत्रीय ज्ञापन देते हुए समस्याओं का निस्तारण किये जाने की मांग की। वार्ता के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकों को नेशनल इंक्रीमेंट का मामला प्रमुखता से छाया रहा। शिक्षक नेताओं का कहना था कि दो महीने तक नोशनल इंक्रीमेंट के मामले लेखा सेल में लंबित पड़े रहते हैं और बाद में उन पर आपत्ति लगाकर भेज दिया जाता है कि आपत्ति का निवारण करें मगर आपत्ति नहीं लिखी जाती कि कौन सी आपत्ति है। इस पर मौखिक रूप से कहा जाता है कि वहां का बाबू आकर उन्हें बताए कि उन्होंने जो लिखा है वह सही है। जब तक वहां का बाबू नहीं आकर बतायेगा तब तक उनकी फाइल में हस्ताक्षर नहीं किए जाएंगे। प्रतिनिधि मण्डल में वीरेंद्र विक्रम सिंह, अशादीन तिवारी, सत्य नारायण सिंह, सूर्यकान्त आदि थे।

भेड़ों की मौत की वजह स्पष्ट नहीं, बिसरा किया सुरक्षित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 29 और भेड़ों ने दम तोड़ा पोस्टमार्टम के बाद शव किए दफन
- बची भेड़ों के साथ पालकों को भेजा गृह जनपद फतेहपुर

अमृत विचार : मडियांव क्षेत्र के ग्राम धैला में राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के पास सोमवार शाम को उपचार के दौरान 29 और भेड़ों की मौत हो गई। इससे पहले 71 भेड़ों की संदिग्ध हालात में मौत हुई थी। इन 100 भेड़ों की मौत फेंके गए खाना खाने से हुई है या फिर और जहरीले पदार्थ से ये पोस्टमार्टम में स्पष्ट नहीं हो पाया है। पशु चिकित्सकों के दल ने बिसरा सुरक्षित कर लिया है। देर रात शवों को दफनाकर अन्य भेड़ों को पशुपालक के साथ उसके घर फतेहपुर भेज दिया गया।

जिला फतेहपुर के चरवाहा विजय पाल, शिवरतन पाल, प्रदीप कुमार भेड़ चराते हुए पहली बार लखनऊ आए। बताया कि यहां के ग्राम धैला में डेरा डाला। भेड़ों को चरने के लिए राष्ट्र प्रेरणा स्थल के पास छोड़ दिया। 25 दिसंबर को प्रेरणा स्थल के लोकार्पण के दिन खराब खाना पार्किंग के पास फेंका गया था जो सोमवार को उनकी भेड़ों ने खा लिया और पेट फूलने से 71 की मौत हो गई। इस घटना से हड़कंप मच गया। जानकारी पर पुलिस, प्रशासन और पशुपालन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार के नेतृत्व में तीन चिकित्सकों की टीम ने बीमार 125 भेड़ों का उपचार किया। देर शाम इनमें भी 29 की भी मौत हो गई।

चिकित्सकों के अनुसार भेड़ों की मौत प्वाइजन से हुई है। लेकिन, फूड प्वाइजन से या फिर जहरीला पदार्थ खाने से या तालाब में मिला कीटनाशक पानी पीने से यह स्पष्ट नहीं है। चिकित्सकों ने कुछ का पोस्टमार्टम करके बिसरा सुरक्षित कर लिया है। इसके परीक्षण से स्थिति साफ होगी। वहीं, देर रात पुलिस, प्रशासन, नगर निगम और पशुपालन विभाग की टीमों ने शवों को दफना दिया। चरवाहा समेत शेष भेड़ों का उपचार करके नगर निगम के वाहनों से फतेहपुर भेज दिया।

पालकों को मिला 8.70 लाख मुआवजा, भेजी जांच रिपोर्ट

- भेड़ों की मौत का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया था और पीड़ितों को 10 हजार रुपये प्रति भेड़ देने की घोषणा की थी। इस क्रम में सोमवार रात विधायक और प्रशासन ने प्रदीप, विजय और शिवरतन को 8.70 लाख रुपये मुआवजा की चेक दी। वहीं, शासन ने इस मामले की जांच के निर्देश दिए थे। इस क्रम में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी स्तर से घटना की जांच कराई। मंगलवार को शासन रिपोर्ट भेज दी गई।

एक दिन पहले बना था खाना

- विभागीय चर्चा रही कि 25 दिसंबर को राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण था। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए एक दिन पहले लंच पैकेट बनवाए गए। जिसकी गुणवत्ता कुछ लोगों ने खराब बताई और पैकेट पार्किंग के पास फेंक दिए। और चार-पांच दिन बाद वही खाना खाने से भेड़ों की मौत हो गई। जानकारों का यह भी कहना है खराब खाना खाने से एक साथ और इतनी तेजी से पशुओं की मृत्यु नहीं होती है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही स्थिति साफ होगी।

रुकनापुर में मोपेड से गिरे किसान की गई जान

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: अमरूद बेचकर लौट रहे किसान की अचानक मोपेड से गिरने से मौत हो गई। इसकी खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। 10 दिन पूर्व उसकी 22 वर्षीय बेटी ने फंदे लटककर आत्महत्या कर ली थी।

माखी थानाक्षेत्र के रुकनापुर गांव निवासी राजू रावत (56) पुत्र स्व. सूरजबली खेती करता था। सोमवार को वह अपने बाग से अमरूद तोड़कर गुलाबखेड़ा मंडी गया था। जहां से लौटते समय गांव के मोड़ अचानक उसकी मोपेड अनियंत्रित हो गई और वह मुंह के बल सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गया। परिजन उसे सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। बड़े बेटे विकास की सूचना पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

राजू रावत (फाइल फोटो)।

दवाओं की थोक बिक्री के लाइसेंस नियम होंगे कड़े

उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने दिया प्रस्ताव

लखनऊ, एजेंसी

अमृत विचार: कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध नेटवर्क को खत्म करने के लिए उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने कड़ा सत्यापन, वास्तविक समय निगरानी और सख्त जवाबदेही नियमों समेत दवाओं की थोक बिक्री की लाइसेंसिंग प्रणाली को दुरुस्त करने का प्रस्ताव किया है।

एफएसडीए के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि ये प्रस्ताव शासन के पास भेजे गए हैं। जबकि अलग से सिफारिशें केंद्र के पास भेजी गई हैं। एफएसडीए ने ये प्रस्ताव ऐसे समय में भेजे हैं जब फर्जी बिलों के जरिए व्यापक स्तर पर दवाओं की आपूर्ति पर कार्रवाई की जा रही है। एफएसडीए द्वारा प्रस्तावित प्रमुख उपायों में थोक बिक्री करने वाले दवा प्रतिष्ठानों की जियो टैगिंग, लाइसेंसशुदा स्टोरेज क्षमता का अनिवार्य सत्यापन, परिसरों और स्टॉक का फोटो खींचकर दस्तावेज तैयार करना और दवा निरीक्षकों द्वारा तकनीकी कर्मचारियों के अनुभव प्रमाण पत्रों का प्रमाणन शामिल हैं। विभाग ने कोडीन युक्त कफ सिरप के विनिर्माण, थोक आपूर्ति, वितरण और निगरानी के संबंध में नई केंद्रीय अधिसूचनाएं और एक समान दिशानिर्देश का भी अनुरोध किया है। क्योंकि मौजूदा नियम दुरुपयोग रोकने में नाकाफी साबित हुए हैं। बताया गया कि वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश को उपलब्ध कराई गई कोडीन युक्त कफ सिरप की मात्रा, वास्तविक चिकित्सीय जरूरतों से कई गुना अधिक थी। इस अवधि में 3.25 करोड़ से अधिक बोतलों की आपूर्ति की गई। अभी तक पुलिस और एफएसडीए ने 36 जिलों में 161 फर्मों और परिचालकों के खिलाफ बीएनएस और एनडीपीएस अधिनियम के तहत 79 प्राथमिकियां दर्ज की हैं और 85 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रशासन पर ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्य अवरुद्ध कराने का आरोप लगाकर धरने पर बैठीं जिला पंचायत अध्यक्ष, सदस्य और अन्य लोग। अमृत विचार

इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी पर मनमानी के आरोप

संवाददाता, गोसाईंगंज

इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह

- कई शिकायतें, कार्रवाई न होने से पीड़ित परेशान

अमृत विचार : सुशांत गोल्फ सिटी इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह अपनी तैनाती के बाद से ही मनमानी करने के आरोपों में रहे हैं। उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ रसूख का हवाला देते हुए वे अपनी मर्जी चला रहे थे। उनकी मनमानी की शिकायतें केवल एक-दो नहीं, बल्कि कई थीं। इसके बावजूद किसी भी कार्रवाई का असर नहीं हुआ। स्वास्तिका सोसाइटी के पीड़ितों ने एसीपी, पुलिस आयुक्त और प्रभारी मंत्री तक गुहार लगाई, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

स्वास्तिका सोसाइटी में कफ सिरप की तस्करी में शामिल बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की दस हजार स्क्वायर फीट की कोठी इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह के क्षेत्र में स्थित है। इसी के सामने पूर्व सांसद धनंजय सिंह की कोठी भी है। आलोक सिंह के मकान का नक्शा एलडीए से पास नहीं है। पीड़ित कौशल तिवारी ने बताया कि सड़क पर कब्जे की शिकायत उन्होंने और कई अन्य लोगों ने सामूहिक रूप से की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई, उल्टा उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दी गई।

थाना क्षेत्र के पीड़ित अंकित कुमार रावत ने आरोप लगाया कि राजस्व अधिकारियों के आदेश और न्यायालय में विचाराधीन मामले के बावजूद इंस्पेक्टर ने विपक्षी पक्ष को उनकी भूमि पर जबरन कब्जा दिलाया। वहीं, अहिमामऊ निवासी पूनम यादव ने बताया कि अक्टूबर में इंस्पेक्टर ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर दबाव बनाते हुए कागजात पर जबरन हस्ताक्षर कराए। विरोध करने पर थाने ले जाकर धमकाया गया। 22 अक्टूबर को पुलिस आयुक्त से शिकायत भी की गई, लेकिन जांच के नाम पर आश्वासन देकर मामले को टाल दिया गया।

व्यापारियों को भी धमकाया गया

- खुर्दही व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुन्नू निगम ने आरोप लगाया कि कुछ समय पहले बिना वैध आदेश के इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ बाजार पहुंचे और दुकानों से सामान सड़क पर फैंकवाया, साथ ही व्यापारियों को धमकाया। इसी तरह धमकाने और फर्जी मामलों में फंसाने का आरोप अंशुल निगम ने भी लगाया।

विनय ने खुद को धनंजय सिंह का रिश्तेदार बताया

- पीड़ितों ने कहा कि विनय सिंह खुद को पूर्व सांसद धनंजय सिंह का रिश्तेदार बताते हुए मोबाइल पर उनसे बात कराकर धमकी दिलवाते रहे, जिसका वीडियो भी मौजूद है। आरोप है कि आरोपी रामू के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर उसे रायफल से दौड़ाकर पीटा गया। महिलाओं पर छींटाकशी और धमकी देने का भी आरोप है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कॉलोनीवासियों ने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। इसके बाद इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह को लाइन हाजिर कर जांच एसीपी को सौंपी गई और विनय सिंह, सरकारी गनर, पूर्व सांसद धनंजय सिंह व दस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई।

विवाद के दौरान की वायरल फोटो।

इंस्पेक्टर लाइन हाजिर

- अहिमामऊ स्थित स्वास्तिका सोसाइटी में सड़क कब्जे के मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह, ब्लॉक प्रमुख के पति विनय सिंह, सरकारी गनर व दस अज्ञात लोगों के खिलाफ सुशांत गोल्फ सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। आरोपियों का साथ देने वाले इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह को पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर ने लाइन हाजिर कर दिया। इस मामले की पूरी जांच एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव को सौंपी गई है। सुल्तानपुर रोड स्थित स्वास्तिका सिटी में रहने वाले पीड़ित कौशल तिवारी ने बताया कि उनके बगल में ब्लॉक प्रमुख मांडवी सिंह के पति विनय सिंह ने सरकारी गनर व असलहेधारी लोगों के साथ 29 दिसंबर को सड़क पर ईंट की दीवार खड़ी कर कब्जा करने की कोशिश की। कॉलोनीवासियों के विरोध पर आरोपियों ने रायफल तानकर जान से मारने की धमकी दी, जिससे महिलाओं और बच्चों में दहशत फैल गई।

चौकी इंचार्ज की भूमिका की भी जांच

- डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि विनय सिंह द्वारा कौशल तिवारी पर दर्ज कराई गई एफआईआर की जांच थाने से की जा रही है। वहीं, विनय और धनंजय सिंह पर दर्ज मामले की जांच एसीपी को सौंपी गई है। स्थानीय चौकी इंचार्ज की भूमिका की भी जांच की जा रही है, और अगर मिलीभगत पाए जाने पर उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

जेसीबी से तोड़ी बाउंड्री जमीन पर कब्जे का प्रयास

संवाददाता, काकोरी

- विरोध पर आरोपियों ने दी जान से मारने की धमकी, मामला दर्ज

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के समदा गांव में जमीन कब्जे को लेकर एक बार फिर दबंगई का मामला सामने आया है। दबंगों ने एक युवक की पुश्तैनी जमीन पर कब्जे का प्रयास करते हुए जेसीबी से बाउंड्री तोड़ दी। पीड़ित के विरोध करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देने लगे। जिसके बाद पीड़ित ने काकोरी थाने में लिखित शिकायत देते हुए चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के बालागंज निवासी संदीप कुमार सिंह ने आशियाना एलडीए कॉलोनी के शिवपाल यादव, अम्बेडकर नगर जिला निवासी मनीष यादव, काकोरी के समदा गांव निवासी दिनेश यादव और चंद्र कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है। तहरीर में पीड़ित ने बताया कि समदा गांव में उनकी पुश्तैनी भूमि है। जिसका विवरण सरकारी अभिलेख में भी दर्ज है। उक्त जमीन का विवाद चंद्रकुमार से कोर्ट में चल रहा है। कोर्ट में अगली सुनवाई आगामी 17 जनवरी 2026 को रखी है। इसके बाद भी आरोपी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। आरोप है कि 29 दिसंबर की सुबह करीब 10:20 बजे शिवपाल यादव और मनोज यादव अपने अन्य साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन से जमीन पर लगी बाउंड्री को तोड़ने लगे। पीड़ित ने मौके पर पहुंचकर विरोध किया। इस पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी देने लगे।

कुल्हाड़ी से वारकर युवक की हत्या

अमृत विचार, उन्नाव : पारा गांव निवासी इंद्र बहादुर (45) पुत्र स्व. भगवान दीन गौतम का पड़ोसी सोहन पुत्र मेढ़ी लाल से घर के सामने पड़ी सहन की जमीन को लेकर विवाद था। इसे लेकर दोनों पक्षों में खुन्नस चल रही थी। मंगलवार दोपहर भी सहन में लगे फूल तोड़ने को लेकर विवाद हुआ। इस पर सोहन पक्ष ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस जांच करने पहुंचती इससे पहले शाम को फिर किसी बात को लेकर हुई कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। आरोप है कि इसी दौरान सोहन व उसके बेटे तेज बहादुर ने इंद्र बहादुर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इससे वह लहूलुहान हालत में वहीं गिर गया। इसी बीच मौका पाकर पिता-पुत्र भाग निकले। परिजनों की सूचना पर पहुंची पीआरवी घायल को 100 बेड अस्पताल लाई जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सख्ती

शिकायतों के आधार पर जांच में फर्जी मिले थे अभिलेख

खरीफ फसल की एक लाख पॉलिसी निरस्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- व्यक्तिगत दावे व मध्यावधि की क्षतिपूर्ति पर रोक

अमृत विचार : प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ वर्ष 2025-26 में बीमित फसलों की एक लाख पॉलिसी कृषि विभाग ने निरस्त कर दी है। बीमा के लिए किसानों ने जो अभिलेख लगाए गए थे वह जांच में फर्जी पाए गए। महोबा, झांसी, हमीरपुर में फर्जीवाड़ा की जांच के चलते क्षर्तिपूर्ति रोक दी गई है।

योजना के तहत खरीफ में अप्रैल से जून तक करीब 20 लाख किसानों ने धान, बाजारा, मक्का, उड़द, मूंग आदि फसलों का बीमा कराया था। कृषि विभाग ने शिकायतों के आधार पर भूमि, फसल, बैंक विवरण समेत अन्य दस्तावेजों की जांच कराई। इस दौरान करीब एक लाख पॉलिसी में लगाए गए दस्तावेज फर्जी निकले। इस आधार पर पॉलिसी निरस्त कर दी हैं। सबसे ज्यादा पॉलिसी महोबा में 52 हजार, झांसी में 9 हजार, मथुरा में 1600 व 1100 हमीरपुर में की गईं। जिनकी शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा जांच करके संबंधित पर कार्रवाई की गई है। इन पॉलिसी की जांच के चलते व्यक्तिगत दावे व मध्यावधि की क्षतिपूर्ति का भुगतान रोक दिया गया है।

महोबा और हमीरपुर में सबसे कम भुगतान

- प्रदेश में अगस्त से सितंबर तक बारिश से खरीफ की फसलें नष्ट हुई थीं। बीमित फसलों का किसानों द्वारा क्षतिपूर्ति के लिए व्यक्तिगत क्लेम किया गया था। इस आधार पर फसलों के नुकसान का आकलन करके हाल में 2.50 लाख किसानों को सर्वाधिक 200 करोड़ रुपये व्यक्तिगत और मध्यावधि क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया हैं। जांच के चलते महोबा में सबसे कम 4.50 करोड़ रुपये और हमीरपुर 1.50 करोड़ का भुगतान पात्र किसानों को हुआ है। सबसे अधिक भुगतान ललितपुर में 48 करोड़, जालौन 42 करोड़, झांसी 37 करोड़, मिर्जापुर 18 करोड़, मथुरा में 17 करोड़ का भुगतान किसानों को किया गया है।

मथुरा में रबी 2021-22 की वसूली के निर्देश

- मथुरा में रबी वर्ष 2021-22 में किसानों द्वारा पॉलिसी कराकर दोहरा व तिहरा लाभ लिया गया था। शिकायत के आधार जिला प्रशासन ने जांच कराई थी। करीब 700 किसान पकड़े गए थे। उसी समय कुछ किसानों से 14 लाख रुपये वसूल किए थे। करीब 200 पॉलिसी का दो करोड़ रुपये किसानों ने जमा नहीं किया था। इसका शासन ने संज्ञान लेकर जिला प्रशासन को वसूली के निर्देश दिए हैं।

यूपी भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में कई विषयों पर हुआ मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी भाजपा की कोर ग्रुप बैठक में मंगलवार को कई विषयों पर मंथन किया गया।

उम्मीद की जा रही है कि मकर संक्रांति के बाद योगी मंत्रिमंडल का विस्तार व संगठन में फेरबदल भी होगा। बैठक में दोनों बदलावों के मद्देनजर नामों पर भी चर्चा की गई।

दरअसल, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी सहित कई चेहरे योगी मंत्रिमंडल का हिस्सा बन सकते हैं। ऐसे में भूपेन्द्र को बड़ी जिम्मेदारी भी मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक भी बैठक में मौजूद रहे। पंकज चौधरी के अध्यक्ष बनने के बाद यह पहली कोर ग्रुप की बैठक रही। इस दौरान आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक अनिल, महेंद्र की मौजूदगी महत्वपूर्ण रही। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी केंद्रीय नेतृत्व को शीघ्र ही कोर ग्रुप मीटिंग में हुई चर्चा की जानकारी देंगे।

यूपी भाजपा की कोर ग्रुप बैठक में चर्चा करते सदस्य।

न्यूज ब्रीफ

निर्माणाधीन मकान से गिरे श्रमिक की मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : निर्माणाधीन मकान पर काम करते समय पैर फिसलने से नीचे गिरे मजदूर की अस्पताल में मौत हो गई। जहांगीराबाद के बंधौली निवासी राम मिलन शटरिंग का काम करता था। ग्यास नगर निवासी मो. कय्यूम के मकान का निर्माण कार्य हो रहा है। ठेकेदार राम विलास ने शटरिंग का ठेका लिया। मंगलवार को शटरिंग का काम किया जा रहा था साथ में राम मिलन भी था। दोपहर करीब एक बजे अचानक पैर फिसलने से वह छत से नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

दबंगों ने मेले से लौट रहे दो युवकों को पीटा

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : त्रिलोकपुर से मेला देखकर लौट रहे दो युवकों को दबंगों ने पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। त्रिलोकपुर निवासी मो. वसीक शनिवार की रात मो. तौसीफ के साथ हजरत आकिल शाह बाबा के मेले से घर लौट रहे थे। रास्ते में रईस, वफील उर्फ लल्लन ने साथियों के साथ घेरकर लोहे की राड व लाठी से हमला कर दिया।

युवक को पीटा, वाहन में की तोड़फोड़, केस

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में दबंगों ने एक युवक को पीटा। दबंगों पर वाहन तोड़े जाने का भी आरोप है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। उमरिया कलां निवासी पंकज कुमार अवस्थी के मुताबिक, वे कार से सत्यम त्रिवेदी और अनिल भार्गव के साथ लखीमपुर जा रहे थे। वाहन को नीरज शुक्ला चला रहे थे। रास्ते में आलोक कुमार, ओम प्रकाश, पदुम, राकेश ने रंजिश के चलते कार को रोक लिया और सभी ने मिलकर मारपीट की।

रिश्वत लेते दरोगा गिरफ्तार

गोंडा में एंटी करप्शन टीम ने नवाबगंज ब्लाक परिसर से पकड़ा

संवाददाता, नवाबगंज, गोंडा

- **मुकदमे में धारा बढ़ाने की धमकी देने व जेल न भेजने के नाम पर पीड़ित से मांगे थे रुपये**

अमृत विचार : नवाबगंज थाने में तैनात दरोगा अमर पटेल को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। एंटी करप्शन टीम (भ्रष्टाचार निवारण संगठन) ने उन्हें नवाबगंज ब्लॉक परिसर से पकड़ा। आरोपी दरोगा के खिलाफ वजीरगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है।

आरोप है कि दरोगा द्वारा एक मारपीट के मुकदमे की विवेचना के दौरान नामजद व्यक्ति पर दबाव बनाते हुए हत्या के प्रयास की धारा 307 जोड़ने और जेल भेजने की धमकी दी थी। धारा न बढ़ाने और नाम निकाल देने के बदले में रुपये की मांग की गई थी।

दरोगा अमर पटेल।

मारपीट के एक मामले में दर्ज मुकदमे में थाना क्षेत्र के विश्नोहरपुर गांव के गड़ेरियन पुरवा निवासी बृजेश यादव का नाम शामिल किया गया था। आरोप है कि इसी मुकदमे से नाम हटाने और धारा 307 न बढ़ाने के एवज में दरोगा अमर पटेल ने बृजेश यादव से रिश्वत की मांग की। खुद को निर्दोष बताते हुए बृजेश यादव ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से कर दी। टीम ने जांच शुरू की और शिकायतकर्ता का बयान, संबंधित कागजात, आडियो व वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे अहम साक्ष्य जुटाए। मंगलवार की दोपहर में एंटी करप्शन टीम की योजना के तहत मुकदमे में नामित बृजेश यादव ने रुपये देने के लिए दरोगा अमर पटेल को विकास खंड कार्यालय परिसर में बुलाया। तय स्थान पर जैसे ही दरोगा ने रिश्वत की रकम ली, पहले से मौजूद एंटी करप्शन टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। चश्मदीदों की मानें तो दरोगा ने भागने का भी प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सका। इसके बाद विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

41 लाख का गांजा बरामद तस्कर भाई गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स बाराबंकी टीम ने गांजा तस्कर दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 81.824 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 41 लाख रुपये बताई जा रही, बरामद किया गया है। इसके अलावा एक कार, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा नकद रुपये भी जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकुर शिवहरे (35) और श्याम शिवहरे (40) पुत्र रामप्रकाश शिवहरे निवासी मोहल्ला राजेन्द्र नगर, थाना कोतवाली उरई, जनपद जालौन के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आपस में धन एकत्र कर गांजा खरीदते थे और उसे ऊंचे दामों पर बेचते थे। आरोपियों से गांजा खरीदने और सप्लाई करने वाले नेटवर्क की जानकारी भी मिली है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से ही कई मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं, जिससे उनके शातिर अपराधी होने की पुष्टि होती है। मंगलवार को दोनों आरोपी जालौन जिला कोतवाली उरई क्षेत्र में इगलासपुरा चौराहे से लगभग 150 मीटर दूर गिरफ्तार किया गया।

वृद्धा की पिटाई के मामले में 16 माह बाद रिपोर्ट दर्ज

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : गर्भपात का विरोध करना सास को महंगा पड़ गया। विवाहिता के बुलावे पर आए मायका पक्ष के लोगों ने सास की पिटाई की व कपड़े, जेवर बहू को साथ ले गए। गुजरे साल अगस्त से रिपोर्ट दर्ज कराने को भटक रही वृद्धा को कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। सुबेहा के पूरे अमान मजरे रुकुनुद्दीनपुर निवासी राजकुमारी (66) पत्नी ओमनाथ शुक्ला ने कोर्ट में बताया कि उसके पुत्र राज शुक्ला का विवाह 3 मार्च 2019 को मुस्कान निवासी कानपुर से हुआ था। जिनसे एक पुत्री है। बहू के पुन: गर्भवती होने पर अल्ट्रासाउंड में जुड़वा बच्चों की जानकारी मिली। बहू और उसके मायके पक्ष ने गर्भपात का दबाव बनाना शुरू कर दिया। परिवार ने इसका विरोध किया तो बहू ने मायके वालों को बुला लिया। 18 अगस्त 2024 की शाम बहू की मां, चाची, बुआ, मौसी, भाई तथा एक अज्ञात व्यक्ति उसके घर पहुंचे। आरोप है कि सभी ने लात-घूंसे, थप्पड़ व डंडों से उसे पीटा।

उत्तर प्रदेश सरकार
लोक निर्माण विभाग

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
Office of Executive Engineer
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, श्रावस्ती
Provincial Division, P.W.D., Shrawasti

पुलिस लाइन, भिनगा–श्रावस्ती–271831
Police Line, Bhinga-Shrawasti
Phone No. 05250-222961
E-Mail: pdpwdswt2012@gmail.com

पत्रांक : 3 4 8 2 / ई–टेण्डर / 2025–26 — दिनांक : 26–12–2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

1. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, श्रावस्ती द्वारा महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में 'ए', 'बी', 'सी' एवं 'डी' श्रेणी (सेतु कार्य) के पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से जनपद श्रावस्ती के निम्न वर्णन के अनुसार मार्ग मरम्मत हेतु कार्य की निविदा प्रतिशत दरो के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (समस्त करों सहित रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
विधानसभा क्षेत्र–श्रावस्ती						
1	श्रावस्ती	वित्तीय वर्ष 2025–26 में जनपद श्रावस्ती के विकास जमुनहा में जोगिया सम्पर्क मार्ग के किमी0–1 में बम्बा घाट पर निर्मित सेतु के क्षतिग्रस्त विंगवाल तथा पहुंच मार्ग का मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य।	27.27	2.73	945.00	02 माह

2. ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदायें प्रकाशित होने की तिथि :– दिनांक 05–01–2026 से पूर्व।
3. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड–सबमिट करने का माध्यम–
(क) बिड डाक्यूमेन्ट आन–लाइन दिनांक 05–01–2026 से 19–01–2026 तक उपलब्ध रहेगी, जो आन–लाइन http://etender.up.nic.in पर ही सबमिट किया जायेगा।
(ख) निविदा डालने हेतु निविदादाता को उपरोक्त वेब–साइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। निविदायें आन–लाइन डालने हेतु निविदादाता के पास किसी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथोरिटी द्वारा जारी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना अनिवार्य है।
(ग) ई–प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 19–01–2026 पूर्वान्ह 12.00 बजे तक एवं टेकनिकल क्वालिफिकेशन पार्ट–1 दिनांक 19–01–2026 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, श्रावस्ती में खोला जायेगा। विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in देखा जा सकता है।
(घ) निविदादाता को निविदा प्रपत्र मूल्य एवं बिड सिक्योरिटी धनराशि up e-tender portal पर इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से आन लाइन जमा करना होगा।
(ड़) शासनादेश संख्या 14/2020/879/तेइस–7–2020–176(सा0)/06 दिनांक 25–08–2020 में दिये गये दिशा–निर्देशों के अनुसार निविदा सम्बन्धी समस्त कार्यवाही प्रहरी के माध्यम से की जायेगी।
(च) प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष, उ0प्र0, लो0नि0वि0, लखनऊ का पत्रांक 6410 एम0टी0/सामान्य वर्ग/60 एम0टी0–1/2025 दिनांक 17–12–2025 के अनुपालन में बिन्दु सं0–2 के अनुसार ठेकेदारों/निविदादाताओं को लघु सेतु का अनुभव लगाना अनिवार्य होगा।

(कीर्ति प्रभाकर मिश्र)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
श्रावस्ती

UP – 243313 दिनांक: 29/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

साइबर जालसाजी में लिप्त 8 शातिर गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस की संयुक्त टीम ने डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों में लिप्त 8 अन्तर्राज्यीय शातिरों को गिरफ्तार किया। इनमें छह गैर जिला व एक युवती समेत दो जालसाज बाराबंकी के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से मोबाइल, लैपटाप, टैबलेट व कूटरचित दस्तावेज बरामद हुआ है।

एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने मंगलवार को बताया कि साइबर, स्वाट, सर्विलांस व थाना कोतवाली नगर की संयुक्त टीम द्वारा दीपक तिवारी अयोध्या, अंकित कटारिया निवासी जिला बागपत, हालपता आवास विकास कालोनी बाराबंकी, मीनाक्षी वर्मा निवासी कियरा भानमऊ थाना कोठी, विपिन वर्मा निवासी उत्तराखंड, हाल पता आवास विकास कालोनी बाराबंकी, अब्दुल रिजवान निवासी लखनऊ, हाल पता आवास विकास बाराबंकी, मो. अफजल निवासी लखनऊ, आदर्श राज निवासी बम्भौर जहांगीराबाद, इमरान सलीम निवासी बागपत, हाल पता बाराबंकी को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 12 मोबाइल, एक लैपटाप, एक टैबलेट एवं कूटरचित एग्रीमेंट व ज्वाइनिंग लेटर एवं अन्य प्रपत्र बरामद किए गए।

प्रतिभाओं को मिलेगा सहयोग

- **बाल वैज्ञानिक पूजा को डीएम ने किया सम्मानित**

बाराबंकी, अमृत विचार : प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित बाल वैज्ञानिक पूजा पाल को मंगलवार को जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट में सम्मानित किया। सम्मान समारोह के दौरान पूजा पाल ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम और पीएम मोदी से हुई बातचीत के अनुभव साझा किए। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि पूजा पाल की सफलता यह साबित करती है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण अंचल की बेटियां भी नवाचार कर सकती हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन ऐसी प्रतिभाओं को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। डीआईओएस ओपी त्रिपाठी ने कहा कि पूजा की उपलब्धियां साबित करती हैं कि निरंतर परिश्रम से सफलता जरूर मिलती है।

पूजा पाल को सम्मानित करते डीएम साथ में मौजूद अन्य अधिकारी।

फर्जी कागज तैयार कर अपराधियों की जमानत कराने वाले गिरोह का खुलासा

संवाददाता, हरदोई

- **विभिन्न थानों में दर्जनों मुकदमों में फर्जी कागजों से दी गई जमानत**

अमृत विचार। राजस्व अभिलेखों के फर्जी कागज तैयार कर शातिर अपराधियों की जमानत कराने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। मंगलवार को पुलिस ने गिरोह के आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अपराधियों की जमानत के बदले मोटी धनराशि लेते थे।

पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा ने बताया कि जिले में पेशेवर अपराधियों के जमानतदारों की व्यवस्था कुछ लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कराते थे, इसकी जानकारी होने पर पुलिस ने स्वाट टीम, सर्विलांस व एसओजी को लगाया गया, जिस पर पुलिस को पिंकू उर्फ प्रेमशंकर पुत्र रमेश चंद्र निवासी धियर महोलिया को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि उसके अन्य साथी भी हैं, जो फर्जी आधार कार्ड, भू राजस्व, अभिलेख आदि तैयार कर शातिर अपराधियों की जमानत लेते हैं। बाद में वह आरोपी फरार हो जाता है। पुलिस ने गैंग के विश्वनाथ पांडेय, धर्मेंद्र, अमित तथा रामकिशोर को गिरफ्तार कर लिया। विश्वनाथ पांडेय के अभिलेख मुकदमा संख्या 376/24 धारा 309 कोतवाली देहात तथा मुकदमा संख्या 449/24 धारा 303, थाना टड़ियावां में फर्जी भू राजस्व अभिलेख लगाकर जमानत ली। इसी प्रकार प्रवीण ने थाना शहर कोतवाली में दो तथा देहात कोतवाली में एक मुकदमे में फर्जी भू राजस्व अभिलेख लगाए। रामकिशोर ने विभिन्न थानों में 13 मुकदमों, अमित व पुनीत ने फर्जी भू राजस्व अभिलेख व आधार कार्ड लगाकर कर तीन, धर्मेंद्र ने फर्जी भू राजस्व अभिलेख लगाकर देहात कोतवाली में दो, पिंकू ने देहात कोतवाली में मुकदमा संख्या 248/23 धारा 379, 411 तथा 413 में निरुद्ध आरोपी की जमानत दी थी। जमानत कराने वाले गिरोह के उक्त आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

बेटा पैदा होने के तीसरे ही दिन पिता ने की आत्महत्या

हरदोई, अमृत विचार : शादी के करीब एक साल बाद दंपति को बेटा हुआ। लेकिन बेटे के जन्म के तीन दिन बाद ही पिता ने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। शाहाबाद कोतवाली के अब्दुल्लापुर निवासी सोनू शुक्ला (27) की शादी पिछले साल फरवरी में हुई थी। बताते हैं कि तीन ही दिन पहले सोनू की पत्नी को बेटा हुआ था। सोमवार की शाम को सोनू मकान के ऊपरी कमरे में गया, लेकिन नीचे नहीं उतरा। कई बार आवाज़ देने के बाद भी जवाब न आने पर जब कमरे में देखा गया तो वहां उसका शव फंदे से लटका मिला।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं **मल्लू गुप्ता सुत रामरतन, निवासी– ग्राम श्रीरामपुर परगना बरौसा तहसील जयसिंहपुर जनपद सुलतानपुर**, मेरी एल0आई0सी0 ब्रान्ड में मेरा नाम मल्लू प्रसाद अंकित है जबकि मेरे आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में मेरा नाम मल्लू गुप्ता अंकित है जोकि सही नाम है। मल्लू गुप्ता व मल्लू प्रसाद दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है। मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना
मैं **हसरूतुन निशा पत्नी इसलामुद्दीन, निवासी 14, शिव नगर, द्वितीय, लखनऊ** मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम त्रुटिवश किस्मतुन पत्नी हस्लामुद्दीन अंकित हो गया है जबकि मेरे पहचान पत्र पर मेरा सही नाम हसरूतुन निशा पत्नी इसलामुद्दीन अंकित है। आज मेरा सही नाम हसरूतुन निशा पत्नी इसलामुद्दीन पढ़ा व समझा जाये, जो कि मेरा सही नाम है।

सूचना
मैं Uzma Jabeen, यह घोषित करती हूँ कि मेरे हाईस्कूल सर्टिफिकेट में मेरे पिता का नाम गलती से Vasi Mohammad छप गया है। पिता का सही नाम Wasi Mohammad है, जिसे भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिये सही माना जाए। S/0 Wasi Mohammad R/O 431/217, Niwati Tola, Moazzam Nagar, Hanuman Mandir, Lucknow- Near

सूचना
मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट में मेरा नाम रश्मि त्रिपाठी है, जबकि आधारकार्ड व पैनकार्ड में रश्मि चतुर्वेदी है। दोनों ही नाम मेरे है मुझे दोनों ही नामों से जाना व पहचाना जाए। **–रश्मि चतुर्वेदी पत्नी आकाश चतुर्वेदी निवासी मोहल्ला मंडी बाजार, तिर्वा, कन्नौज।**

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD ALLAN से बदलकर MOHAMMAD ALLAN KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0- SULTAN ADD-AZIZ NAGAR, MADIYAO DIST-LUCKNOW-226021(U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम S ANSAR MEHDI से बदलकर SYED ANSAR MEHDI RIZVI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। ADD-337/N66 N TAPEY WALI GALI NEAR HIZA HOSPITAL MANSOOR NAGAR DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना
मेरे पुत्र मुकेश व उनकी पत्नी रिकी देवी का चाल–चलन ठीक न होने से चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। **जय प्रकाश पुत्र स्व0 दशरथ, ग्राम परसा दूला, थाना छपिया, परगना बभनी पायर, तहसील–मनकापुर, गोण्डा।**

सूचना
सूचित किया जाता है कि **नाजमा बानों पुत्री विसमिल्ला पत्नी शमशाद मकान नंबर 366 मोहल्ला बडगांव गोण्डा** की निवासिनी है। इलाहाबाद बैक वजीरगंज शाखा मे बचत खाता संख्या 21814548730 में नाजमा बेगम नाम दर्ज है। जबकि दोनों एक ही महिला के नाम है।

सूचना
मेरे आधार कार्ड संख्या 700075517646 में मेरा नाम KRISHNA S/O BALDEV YADAV व जन्मतिथि 19.03.1987 अंकित है जो गलत है। जबकि मेरे हाईस्कूल के प्रमाणपत्र में मेरा नाम KRISHT KUMAR YADAV S/O BALDEV YADAV व जन्मतिथि 01.03.93 अंकित है। जो सही है दोनों नाम KRISHT KUMAR YADAV S/O BALDEV YADAV एवं KRISHNA S/O BALDEV YADAV एक ही व्यक्ति का नाम है। अत: मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम एवं जन्मतिथि सही दर्ज की जाए। कृष्ट कुमार यादव पुत्र बलदेव यादव, ग्राम इंद्रपुर, पोस्ट थम्हनपुरा, तहसील व जिला बलिया, उ.प्र.।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **चन्द्रावती मौर्या पत्नी स्वर्गीय साधिका प्रसाद मौर्या, निवासी ग्राम किशुनदासपुर (देवियापुर), थाना कोतवाली मनकापुर, जनपद गोण्डा**, अपने पुत्र गिरीशचन्द्र मौर्या (आयु लगभग 36 वर्ष) को उसके अनुचित आचरण एवं कुकृत्यों के कारण अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से 30–12–2025 से पूर्णत: बेदखल करती हूँ। उक्त तिथि के पश्चात मेरे पुत्र द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कृत्य/घटना की जिम्मेदारी मेरी अथवा मेरे परिवार की नहीं होगी। वह स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होगा।

सूचना
मैं **विमल कुमार मौर्या पुत्र गया प्रसाद मौर्या, निवासी मुगलपुरा मजरा कसमंडी खुर्द तहसील मलिहाबाद, जिला–लखनऊ,** मेरी पुत्री आकृति मौर्या (Akriti Maurya) का सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बचत खाता डाक घर मलिहाबाद में है। जिसका नं0–3933323796 जन्मतिथि त्रुटिवश 20.01.2012 व मेरा नाम विमल कुमार अंकित हो गया है। जबकि पुत्री की सही जन्मतिथि 20.01.2015 व मेरा सही नाम विमल कुमार मौर्या है जो कि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड पर अंकित है। अपनी पुत्री आकृति मौर्या (Akriti Maurya) के उपरोक्त खाते मे अपनी पुत्री की सही जन्मतिथि 20.01.2015 व अपना सही नाम विमल कुमार मौर्या अंकित किया जाय।

सूचना
मैं ,शबाना मिर्ज़ा (SHABANA MIRZA) पत्नी महफूज इलियास मिर्ज़ा नि0–पी0 नं0 –49, के0न0–197, न्यू, हैदरगंज ,स्टार नगर लखनऊ सूचित करती हूँ कि शादी पूर्व मेरा नाम सबाना बेगम (SABANA BEGUM) , पिता का नाम स्व0 शरीफ अहमद था , शादी के बाद मेरा नाम श्रीमती शबाना मिर्ज़ा (Shabana Mirza) तथा पिता का नाम स्व0 शरीफ अहमद खान हो गया है . भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों हेतु श्रीमति शबाना मिर्ज़ा व पिता को शरीफ अहमद खान के जाना–पहचाना जाये।

कार्यालय-प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, नीलगॉव - सीतापुर।

पत्रांकः– 1042 / फसल कटाई, मड़ाई पत्रा0 / नीलगॉव / 2025–26 / दिनांकः– 26.12.2026

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय पषुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र नीलगाँव–सीतापुर जो कि अटरिया से 13 कि0मी0 की दूरी नीलगाँव लालपुर रोड पर, सिधौली से 18 कि0मी0 की दूरी पर जनपद–सीतापुर में स्थित है। प्रक्षेत्र पर रबी फसल वर्ष 2025–26 में जई बीज फसल क्षेत्रफल लगभग 180.00 हेक्टेयर (क्षेत्रफल घट व बढ़ सकता है) की कम्बाइन मषीन से कटाई–मड़ाई व बीज प्रक्षेत्र गोदाम तक पहुॅचाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म दिनांक 17.01.2026 से 21.01.2026 तक प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में प्रक्षेत्र कार्यालय से रूपये 1180.00 (रू0 एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) नान रिफन्डेवल जी0एस0टी0 सहित नगद जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा फार्म 23.01.2026 को दिन के 12.00 तक सील बन्द लिफाफे में जमा करना होगा। निविदा डालने वाली फर्मो को अर्नेस्टमनी के रूप में रू0 50000.00 मात्र की धनराशि को किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत एफ0डी0आर0 /डिमान्ड ड्राफ्ट के रूप में प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र नीलगाँव–सीतापुर के नाम से देय होगी। सील्ड बन्द निविदा फार्म दिनांक 23.01.2026 को दिन के 02.00 बजे के उपरान्त मण्डलीय क्रय–विक्रय समिति के समक्ष खोले जायेगें। विस्तृत जानकारी व अन्य शर्ते हेतु कार्यालय पर किसी भी कार्य दिवस में आकर ज्ञात की जा सकती हैं।

(डॉ0 सुनील कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र,
नीलगांव – सीतापुर।

UP – 243318 दिनांक: 29/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

असहायों को गर्म कपड़े वितरित करतीं संस्था की पदाधिकारी। • अमृत विचार

असहायों को वितरित किये गये ऊनी कपड़े

लखनऊ, अमृत विचार : आदिज्योति सेवा समिति ने लक्ष्मण मेला ग्राउंड में मेगा वस्त्र वितरण अभियान का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े वितरित किए गए। संस्था अध्यक्ष ज्योति की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्य संयोजन धीरज शुक्ला ने किया। अभियान के दौरान सैकड़ों जरूरतमंदों को स्वेटर, जैकेट एवं कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर आनंद, पीयूष, सौरभ, अमित, वंदना, काजल, कल्पना, आकाश कुमार सहित संस्था से जुड़े सभी सहयोगी मौजूद रहे।

कमरे में पड़ा मिला बैंक के कैशियर का शव

सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां स्थित जिला सहकारी बैंक के कैशियर का शव कमरे में पड़ा मिला। कैशियर की अचानक हुई मौत को लेकर बरेली से आए परिवारीजनों ने अनहोनी का संदेह जताया है। फील्ड यूनिट ने साक्ष्य संकलित करते हुए जांच शुरू कर दी है। बरेली जनपद के भोजीपुरा थानाक्षेत्र के मुड़िया हाफिज निवासी सुशील बाबू (50) पुत्र प्रीतम प्रसाद पिसावां स्थित सहकारी बैंक में कैशियर के पद पर तैनात थे। वे कस्बा स्थित जकरन के मकान में किराये पर अकेले रहते थे। बैंक प्रबंधक प्रमोद कुमार के मुताबिक, मंगलवार को कैशियर समय बीतने के बाद भी नहीं पहुंचे, ऐसे में चिंता हुई। उनका फोन भी बंद था, ऐसे में बैंक के कर्मचारी घर पहुंचे तो उनका कमरा बंद मिला। डायल 112 की मदद से दरवाजा तोड़ा गया तो सुशील बाबू का शव चारपाई पर पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलने पर फोरेंसिक टीम पहुंची और साक्ष्य संकलित किये।

बीएलओ उमेश की मौत संस्थागत हत्या

- **बीएलओ ने अत्यधिक तनाव के बाद की थी आत्महत्या**
- **परिजनों से मिले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व सांसद**

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि बीएलओ उमेश गौतम की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि संस्थागत हत्या है, इसके लिए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, जरूरत पड़ी तो वे आंदोलन भी करेंगे। बीएलओ के परिवार से मिलकर उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच कराए जाने का आश्वासन भी दिया।

बीएलओ के रूप में कार्यरत अनुदेशक उमेश गौतम की मौत की सूचना पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रामपुर कला इलाका स्थित पलिया गांव पहुंचे, इनके साथ सांसद सीतापुर राकेश राठौर थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने परिवार से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। बताया कि कार्य के अत्यधिक दबाव के कारण बीएलओ की आत्महत्या कोई सामान्य घटना नहीं है, ये मौत संस्थागत हत्या है। इसके लिए वे आंदोलन करेंगे।

उमेश गौतम के पिता से जानकारी लेते कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय साथ में सांसद सीतापुर राकेश राठौर। • अमृत विचार

मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश

जलाशय की निविदा सूचना (श्रेणी-5 के जलाशय हेतु)

पत्रांक - 292 /जलाशय निविदा /2025-26 — दिनांक: 26-12-2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से मत्स्य विभाग उ0प्र0 के प्रबन्धान्तर्गत जनपद बलरामपुर के निम्नलिखित विभागीय जलाशय में मत्स्य पालन/मत्स्याखेट हेतु ''जहां है जैसे है'' की स्थिति में निविदाएं दस मत्स्य वर्षों हेतु शासनादेश संख्या: 28/2023/756/सत्रह-म-17-1099/63/2022 दिनांक: 25.09.2023 एवं ततसंबंधी शुद्धिपत्र संख्या: 13/1499 सत्रह-म-17-1099/63/2022 दिनांक: 19.10.2023 एवं शासनादेश संख्या: 4/2025/132/सत्रह-म – 2025-17-1099/63/2022 दिनांक: 29-01-2025 में निर्धारित शर्तों के अनुरूप एवं शासनादेश द्वारा गठित निविदा समिति के समक्ष निम्नलिखित विवरण के अनुसार आमंत्रित की जाती हैं:-

क्र0 सं0	जलाशय का नाम	क्षेत्रफल (हे0 में)	मत्स्य पालन/ मत्स्याखेट अवधि	प्रथम वर्ष 2024-25 हेतु आरक्षित मूल्य (रू0)	निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय	तकनीकी एवं वित्तीय निविदा खुलने की तिथियाँ एवं समय	बयाने की धनराशि (रू0)	निविदा का स्थल	निविदा प्रपत्र शुल्क (रू0)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	तिलहर	30.922	दस वर्षीय दिनांक 30.06.2036 तक	410000.00	16.01.2026 अपरान्ह 2.00 बजे तक	16.01.2026 अपरान्ह 4.00 बजे	41000.00	विकास भवन सभागार बलरामपुर	रु० 100.00
2	मधुपुर	9.883	दस वर्षीय दिनांक 30.06.2036 तक	19000.00	16.01.2026 अपरान्ह 2.00 बजे तक	16.01.2026 अपरान्ह 4.00 बजे	1900.00		रु० 100.00
3	चितरपारा ननखुरवा	8.041	दस वर्षीय दिनांक 30.06.2036 तक	12700.00	16.01.2026 अपरान्ह 2.00 बजे तक	16.01.2026 अपरान्ह 4.00 बजे	1270.00		रु० 100.00
4	गिधराहिया	0.680	दस वर्षीय दिनांक 30.06.2036 तक	8100.00	16.01.2026 अपरान्ह 2.00 बजे तक	16.01.2026 अपरान्ह 4.00 बजे	810.00		रु० 100.00

मत्स्य वर्ष से तात्पर्य ग्रिगेरियन कैलेण्डर वर्ष की 01 जुलाई से अगले वर्ष के ग्रिगेरियन कैलेण्डर की 30 जून तक है।
निविदा प्रपत्र कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य बलरामपुर से दिनांक 05.01.2026 से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते हैं।

1- सर्वप्रथम निविदा समिति के समक्ष तकनीकी बिड खोली जाएगी। तदोपरान्त तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं की वित्तीय बिड खोली जाएगी।
2- निविदा का तकनीकी मूल्यांकन हेतु शासनादेश संख्या/28/2023/756 :सत्रह-म 1099/63/2022-17-दिनांक 25.09.2023 एवं ततसंबंधी शुद्धिपत्र संख्या13/1499 : सत्रह-म 1099/63/2022-17-दिनांक- 19.10.2023 एवं शासनादेश संख्या: 4/2025/132/सत्रह-म – 2025-17-1099/63/2022 दिनांक: 29-01-2025 में निर्धारित बिन्दुओ के पर किया जाएगा, जिसे तकनीकी निविदा प्रपत्र के साथ हस्ताक्षर कर संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3- निविदा की विस्तृत शर्तें तथा अन्य जानकारियां विभागीय वेबसाइट https://fisheries.up.gov.in तथा कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य बलरामपुर से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती हैं।

(दीपांसू)
सहायक निदेशक मत्स्य
बलरामपुर

UP – 243328 दिनांक: 29/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

1.75 करोड़ बकाया बिल का हुआ निपटारा

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विद्युत सबस्टेशन परसिया (शोहरतगढ़) से जुड़े ग्रामीण और कस्बा के उपभोक्ता छूट का लाभ उठाने के लिए सुबह से ही जमे रहे। विद्युत सबस्टेशन परसिया में सोमवार को ठण्ड में भी लम्बी भीड़ लगी रही। वहीं एसडीओ विनोद कुमार यादव ने बताया कि 01 से 31 दिसम्बर तक दो किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं को सरचार्ज में 100 प्रतिशत और मूलधन में 25 प्रतिशत छूट दी जा रही है। अब तक 2500 से अधिक उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराकर छूट का लाभ लिया है, जिससे 1.75 करोड़ की वसूली हुई है। अवर अभियन्ता प्रदीप कुमार शुक्ला ने चेतावनी दी कि 31 दिसम्बर के बाद मूलधन में छूट कम हो जायेगी। इस दौरान सैकड़ों विद्युत उपभोक्ता उपस्थित रहे।

अज्ञात महिला को ग्राम सभा का सदस्य बनाकर लाभ पहुंचाने का आरोप

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड नौगढ़ के महदेवा खुर्द गांव के ग्रामीणों ने लेखपाल की मिलीभगत से अज्ञात महिला को ग्राम सभा की सदस्य बनाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में मंगलवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को ज्ञापन सौंपा है। बता दें कि महदेवा खुर्द गांव के ग्रामवासियों डीएम को दिये ज्ञापन में कहा कि हल्का लेखपाल द्वारा अज्ञात महिला झिलमिला पत्नी निर्मल का निवास प्रमाण पत्र 25 फरवरी 2024 को जारी कर दिया। जबकि वह गांव की निवासी भी नहीं है। उसी निवास प्रमाण पत्र को आधार मानकर ग्राम समाज का मत्स्य पालन आवन्टन 10 वर्षीय पट्टा 12 नवंबर 2024 को लाखों रुपये लेकर चोरी-चोरी कुछ लोगों की मिलीभगत के सहयोग से करा दिया है। जबकि उक्त महिला ग्राम सभा की कभी भी मूल सदस्य नहीं रही है। वहीं ग्राम सभा में तमाम पात्र व्यक्तियों के होने के बावजूद बगैर किसी सूचना के उक्त पट्टा का आवन्टन किया गया है।

मृत लोगों को गवाह बनाना विवेकहीन व अस्पष्ट जांच का प्रतीक : हाईकोर्ट

भूमि से जुड़े विवाद में याचिका स्वीकार कर संपूर्ण आपराधिक कार्यवाही रद्द की

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भूमि से जुड़े विवाद पर सुनवाई करते हुए पाया कि बिना किसी स्पष्टीकरण के मृत व्यक्तियों को अभियोजन पक्ष के गवाहों के रूप में शामिल किया गया, जो जांच की जड़ पर प्रहार करता है। यह विवेकहीन, अविश्वसनीय तथा कानूनी रूप से अस्थिर जांच का स्पष्ट संकेत है। ऐसे मामलों को न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग ही कहा जाएगा। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकलपीठ ने मालू की याचिका स्वीकार कर संपूर्ण आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी।

गौतमबुद्ध नगर के दादरी तहसील स्थित चिताहेरा गांव में कृषि भूमि आवंटन व उसके कथित अवैध हस्तांतरण से जुड़े मामले में वर्ष 2022 में दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया कि वर्ष 1997 में 282 लोगों को भूमि पट्टे दिए गए। जिनमें कुछ अपात्र थे और उन्होंने तीसरे पक्ष के पक्ष में अवैध विक्रय विलेख निष्पादित किए। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित भूमि के कथित अवैध हस्तांतरण के आधार पर एससी-एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(एफ) सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। याची ने एफआईआर और उससे उत्पन्न कार्यवाही को यह कहते हुए चुनौती दी कि उसे बिना किसी ठोस साक्ष्य के फंसाया गया है। उसका तर्क था कि भूमि आवंटन पहले ही दीवानी और राजस्व न्यायालयों द्वारा वैध ठहराया जा चुका है। उसने यह भी इंगित किया कि आरोपपत्र में जिन गवाहों को शामिल किया गया। उनमें से कई की मृत्यु जांच शुरू होने से वर्षों पहले हो चुकी थी। कोर्ट ने एफआईआर और रिकॉर्ड का अवलोकन करते हुए पाया कि याची के विरुद्ध आरोप सामान्य प्रकृति के हैं और उसे कोई विशिष्ट भूमिका या लेन-देन नहीं सौंपा गया है। कोर्ट ने आनंद कुमार मोहाट्टा बनाम राज्य निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि जब दीवानी और राजस्व विवादों का अंतिम निपटारा हो चुका हो, तब आपराधिक कार्यवाही जारी रखना विधि का दुरुपयोग है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल इस आधार पर कि शिकायतकर्ता अनुसूचित जाति से संबंधित है, एससी-एसटी अधिनियम के तहत अपराध स्वतः नहीं बनता। यह सिद्ध करना आवश्यक है कि कथित कृत्य पीड़ित की जाति के कारण किए गए थे, जिसका इस मामले में कोई साक्ष्य नहीं है। कोर्ट ने यह भी पाया कि संज्ञान आदेश यांत्रिक ढंग से पारित किया गया और आरोपपत्र में मृत गवाहों को शामिल करना जांच की गंभीर और घातक त्रुटियों को दर्शाता है। इसे त्रुटिपूर्ण, अनुचित और पक्षपातपूर्ण जांच बताते हुए कोर्ट ने संपूर्ण कार्यवाही दोषपूर्ण और न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया। अंत में कोर्ट ने कहा कि मामले में अन्य आरोपियों को पहले ही राहत दी जा चुकी है और वास्तव में विवाद मूलतः दीवानी प्रकृति का है, जिसे आपराधिक रंग देने का प्रयास किया गया है। परिणामस्वरूप कोर्ट ने विवाद से उत्पन्न संपूर्ण आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया।

अंजलि को सम्मानित करते शिक्षक। अमृत विचार

अंजलि ने कंपनी सेक्रेटरी की परीक्षा उतीर्ण कर जिले का नाम किया रोशन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला मुख्यालय की रहने वाली छात्रा अंजली रस्तोगी ने कंपनी सेक्रेटरी की परीक्षा उतीर्ण कर जिले का मान बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ गयी है। अंजली की इस उपलब्धि पर तमाम लोगों ने उन्हें बधाई दिया। मालूम हो कि अंजली जिला मुख्यालय के ऑफिसर्स कॉलोनी जगदीशपुर गाँव की सामान्य परिवार की रहने वाली है। उन्होंने कहा कि उन्होंने शुरू से ही कंपनी सेक्रेटरी बनने का सपना देखा था और उनका सपना साकार हो गया है। अंजली ने अपनी सफलता के पीछे अपने माता-पिता का योगदान बताया और कहा कि इन लोगों ने हर कदम पर उनका मनोबल बढ़ाया। पिता नंदलाल रस्तोगी मुख्यालय पर व्यापार करने के साथ-साथ समाज सेवा करते है उन्होंने अपनी इंटरमीडिएट की पढाई रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर से वाणिज्य से किया है और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु से बीकॉम पाठ्यक्रम में 1185 अंक पाकार सर्वोच्च स्थान प्राप्त करके 2019 में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा इनको स्वर्ण पदक के लिए चयनित किया गया था।

आरपीएफ ने टिकटों का अवैध व्यापार कर रहे शातिर को पकड़ा

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा 29 दिसम्बर को रेलवे सुरक्षा बल चौकी बादशाहनगर एवं अपराध आसूचना लखनऊ जं. के संयुक्त निगरानी में रेलवे स्टेशन बादशाहनगर के आरक्षण केन्द्र से रेलवे टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक शातिर अपराधी को 01 अद्द आरक्षित तत्काल काउंटर स्लीपर टिकट के साथ गिरफ्तार किया गया। रेलवे सुरक्षा बल गोरखपुर द्वारा स्टेशन के सरकुलेटिंग एरिया में एक यात्री के बीमार हालत में मिलने पर उसे गोरखपुर पोस्ट पर लाया गया। यात्री के परिजन के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उसके परिजन को सुपुर्द किया गया। 28 दिसम्बर को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मसरख को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15113 में यात्री का छूटा मोबाइल मिला, जिसे मसरख पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के परिचित के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया।

जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण हो निस्तारण

संवाददाता कुशीनगर

- **जनता दर्शन कार्यक्रम में डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश**

अमृत विचार: जनपद में बढ़ती ठंड एवं शीतलहर के प्रभाव को देखते हुए जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के साथ संयुक्त रूप से कलेक्ट्रेट सभागार में जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा प्रत्येक प्रकरण की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशील ढंग से सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने विशेष रूप से ठंड के मौसम में गरीब, वृद्ध एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की समस्याओं पर प्राथमिकता से ध्यान देने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन जनहित के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जनता दर्शन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शासन और आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बढ़ रही है। जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का किया निरीक्षण

कुशीनगर, अमृत विचार: जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने अधिकारियों के साथ एयरफील्ड एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट कमेटी एवं एरोड्रम कमेटी द्वारा पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार की उपस्थिति में कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (कसया) का संयुक्त भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया।

अटल का व्यक्तित्व व कृतित्व प्रेरणापुंज : धर्मेंद्र

संवाददाता कुशीनगर

अटल बिहारी वाजपेयी के स्मृति कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

- **अटल बिहारी वाजपेयी के स्मृति में कार्यक्रम का किया गया आयोजन**

अमृत विचार: भाजपा द्वारा हाटा विधानसभा क्षेत्र में 'अटल स्मृति सम्मेलन' का आयोजन किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृतियों को समर्पित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश पाध्यक्ष एवं एमएलसी धर्मेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व और कृतित्व हम सभी के लिए प्रेरणापुंज है। उन्होंने अंत्योदय के जिस संकल्प को जन्म दिया था, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसे धरातल पर उतार रहे हैं।विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिन्हा ने अटल जी के राजनीतिक शुचिता और सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। हाटा के लोकप्रिय विधायक मोहन वर्मा ने क्षेत्र के विकास के लिए अटल जी को अपना आदर्श बताया और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया। कार्यकर में जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व जिला अध्य क्ष जगदम्बा सिंह, संजय सिंह मुन्ना, रामबचन सिंह, मनीष रूंगटा, मोतीचक ब्लॉक प्रमुख अर्चना प्रदीप सिंह, सुकरौली मंडल अध्यक्ष ज्ञान विक्रम सिंह, हाटा नगर मंडल अध्यक्ष मुंशी सिंह, अहिरौली मण्डल अध्यक्ष मनोज पाण्डेय, हाटा देहात मण्डल अध्यक्ष मोहन पटेल, प्रशांत सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जो जहां हैं, वहीं रहेंगे, किसी की दुकान नहीं टूटेगी

- **दुकानदारों की मांगों से संबंधित ज्ञापन पर सांसद ने दिया भरोसा**

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

दुकानदारों की मांगों को लेकर डीएम को ज्ञापन देते उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

अमृत विचार। मुख्यालय स्थित अशोक मार्ग पर सांडी तिराहा से हाइडिल तिराहा तक दुकानों को हटाने के लिए प्रशासन द्वारा नोटिस दिया गया है। जिससे दुकानदारों में हड़कंप है। मंगलवार को दुकानदारों द्वारा उप्र उद्योग व्यापार संगठन जिलाध्यक्ष अजय कसौधन के नेतृत्व में सांसद जगदंबिका पाल व जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि उनकी दुकानें कई वर्षों से काबिज हैं। दुकानें हटा दिए जाने पर व्यापारी व उनका पूरा परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच जाएंगे। दुकानदार बेरोजगार न हों इसके लिए पूर्व के जिलाधिकारी द्वारा नंबरिंग कराया गया था, तथा उन्हें वहां से न हटाने का आश्वासन दिया गया था। यदि दुकानदारों को हटाया जाए तो उन्हें कहीं स्थापित करने की व्यवस्था की जाए। सांसद जगदंबिका पाल ने आश्वासन दिया कि जो दुकानदार जहां हैं, वहीं रहेंगे। किसी की भी दुकान नहीं तोड़ी जाएगी। वह संबंधित विभाग से बात कर इसका हल निकलेंगे।

ज्ञापन देने वालों में व्यापार संगठन नगर अध्यक्ष शिवदत्त अग्रहरि, नीरज श्रीवास्तव, मुकेश वर्मा, शिवप्रसाद, रामचंद्र, वाजिद अली, आत्मा प्रसाद, नियाज़ वारिस, सुरेंद्र, विजय कुमार, शिव प्रसाद वर्मा, बाबूलाल, आदित्य मोदनवाल, हरिश्चंद्र, सुनीता, राम रक्षा, राजन, साक्षी यादव, कृष्ण गुप्ता, रामराज, राजेश गौतम, राज गोस्वामी, रामकिशोर, विनोद कुमार, नूर मोहम्मद, संजीत शर्मा, संतराम वर्मा, गुलाम हुसैन, मुमताज, इंद्र यादव, गुलाबचंद, विनोद, सोहराब, विश्वजीत, राम प्रसाद, सोनमती, शशि गौतम, गौरी शंकर, विनोद कुमार, दुर्गेश कुमार, लाले यादव आदि उपस्थित रहे।

सशस्त्र सीमा बल को मानव तस्करी रोकने को दिया प्रशिक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सशस्त्र सीमा बल की 50वीं बटालियन, बढ़नी में मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक समस्या पर केंद्रित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मानव तस्करी के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता बढ़ाना तथा इसकी रोकथाम हेतु प्रभावी रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता असिस्टेंट कमांडेंट संजय के.पी. ने की। कार्यशाला में विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने सहभागिता की। मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान की निदेशक डॉ. भानुजा सरन ने मानव तस्करी के पूरे चक्र पर विस्तृत जानकारी प्रदान की, जिसमें सोर्स (स्रोत), ट्रांजिट आवागमन एवं डेस्टिनेशन (गंतव्य) स्तर शामिल हैं। एएचटीयू प्रभारी क मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि किस प्रकार संगठित नेटवर्क के माध्यम से मानव तस्करी को अंजाम दिया जाता है।

महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे ने किया नव वर्ष-2026 के वॉल कैलेंडर का विमोचन

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने नव वर्ष-2026 के वॉल कैलेंडर का विमोचन किया। वॉल कैलेंडर में पूर्वोत्तर रेलवे के ऐतिहासिक विरासत को सहेजे हुए दर्शनीय स्थलों को प्रदर्शित किया गया है। पूर्वोत्तर रेलवे के दर्शनीय स्थल काफी लोकप्रिय हैं, जो पूर्वोत्तर रेलवे के गौरवशाली अतीत को समेटे हुए है। दर्शनीय स्थलों में गोरखपुर का गोरखनाथ मंदिर एवं गीता प्रेस; अयोध्या का श्री राम मंदिर; वाराणसी की गंगा आरती; प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती का संगम; छपिया का स्वामी नारायण मंदिर; सारनाथ का धम्मेक स्तूप; मगहर का संत कबीरदास का समाधि स्थल; नैनीताल; रामनगर स्थित जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान तथा पूर्वोत्तर रेलवे पर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचलन प्रदर्शित किया गया है। वॉल कैलेंडर रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच काफी लोकप्रिय है। कैलेंडर में रेल कर्मियों के लिये राजपत्रित एवं निवर्जित अवकाश दर्शाये गये हैं। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

वॉल कैलेंडर का विमोचन करते महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर। अमृत विचार

कानपुर स्टेशन पर एक करोड़ की चरस के साथ दो लोग दबोचे गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वैशाली एक्सप्रेस से 10 किलो चरस के साथ कानपुर आए एक नेपाली तस्कर और एक महिला को सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ ने गिरफ्तार किया है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में चरस की कीमत एक करोड़ बताई जा रही है। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट के प्रभारी एसएन पाटीदार ने बताया कि लखनऊ से निरीक्षक अतुल कुमार, निरीक्षक अनुराग पटेल द्वारा किसी गाड़ी से एक महिला तथा पुरुष द्वारा मादक पदार्थ लेकर जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। मंगलवार को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ प्रभारी एसएन पाटीदार के नेतृत्व में प्लेटफार्म नंबर 1 कैंट साइड में प्रवेश द्वार पर यात्रियों की निगरानी की जा रही थी। उसी दौरान एक संदिग्ध महिला और पुरुष से पूछताछ की गई तो दोनों घबरा गये। गोलमोल जवाब देने पर उन्हें आरपीएफ पोस्ट लाया गया और पूछताछ की गई तो तस्कर ने अपना नाम राम पुकार निवासी पर्सा (नेपाल) तथा उसके पिट्ठू बैग में 500 ग्राम के 20 पैकेट कुल 10 किलो मादक पदार्थ (चरस) बरामद हुआ। तस्कर के साथ एक महिला भी पकड़ी गई है जिसने अपना नाम राजमती देवी निवासी बेतिया (बिहार) बताया।

पोषाहार वितरण में उदासीनता पर डीएम हुए नाराज

- **जिला कार्यक्रम अधिकारी का रोका वेतन, बीएमएम को हटाने का दिया निर्देश**

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा स्वास्तिक प्रेरणा लघु उद्योग ग्राम पंचायत खजुरिया नगवा विकास खण्ड नौगढ़ का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा स्टाक रजिस्टर, वितरण रजिस्टर का अवलोकन किया गया। वर्तमान में इकाई द्वारा 50 मी0 टन पोषाहार का उत्पादन किया गया। 198 आंगनबाड़ी केन्द्रों के सापेक्ष 26 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 07 मी0 टन का वितरण किया गया था जिसपर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा शासन की महत्वाकांक्षी योजना में रूचि न लेने के कारण अग्रिम आदेश तक वेतन अवरूद्ध करने का निर्देश दिया। साथ ही बीएमएम को हटाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने डीसी एनआरएलएम एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को समन्वय बनाकर पोषाहार को समय से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया। जनपद की समस्त इकाईयों द्वारा पूरी क्षमता के साथ पोषाहार उत्पादन करें जिसकी मानीटरिंग करने के लिए डीसी एनआरएलएम को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, डीसी एनआरएलएम देवनन्दन दूबे, डीएमएम, बीएमएम उपस्थित थे।

अधिकारियों से जानकारी लेते जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन।

राजभाषा में और प्रगति करनी है भाषा लेखन में उत्कृष्टता लानी है

गोरखपुर, अमृत विचार। मुख्य कारखाना प्रबन्धक/सिगनल कारखाना पवन कुमार की अध्यक्षता में बीते सोमवार को को सिगनल कारखाना में महाकवि एवं लेखक 'सुब्रहमण्यम भारती जी की जयंती' पर हिन्दी क्विज पुरस्कार योजना पर विशेष हिन्दी कार्यशाला एवं 'राजभाषा पुरस्कार वितरण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पवन कुमार ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि सिगनल कारखाने में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक लेखकों एवं कवियों की जयंती पर विशेष हिन्दी कार्यशाला आदि के आयोजन नियमित रूप से किये जा रहे है। हमे राजभाषा में और प्रगति करनी है तथा भाषा लेखन में उत्कृष्टता लानी है। सभी अपने कामकाज में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग करें। कार्यक्रम का संचालन बीरेश कुमार श्रीवास्तव, सहायक कारखाना प्रबन्धक/सिगनल कारखाना एवं राजभाषा संपर्क अधिकारी ने किया। कहा कि कम्प्यूटर पर यूनिकोड में (हिंदी के मंगल फॉन्ट) में कार्य किया जाये।

उपलब्धि | पूर्वोत्तर रेलवे की पहल, तकनीकी नवाचार व पारदर्शिता का पेश किया उदाहरण

टैबलेट से कराई गई कम्प्यूटर आधारित परीक्षा

संवाददाता, गोरखपुर

टैबलेट के माध्यम से कम्प्यूटर आधारित परीक्षा देते अभ्यर्थी। अमृत विचार

अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देश के अनुसार पहली बार विभागीय पदोन्नति परीक्षा को कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सी.बी.टी.) मोड में टैबलेट के माध्यम से प्रथम चरण बीते 13 दिसम्बर, 2025 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के जूनियर इंजीनियर के पदोन्नति कोटे के 10 कैटेगरी की परीक्षा कराई गई, जिसमें लगभग 500 उम्मीदवारों ने भाग लिया। दूसरा चरण 26 से 28 दिसम्बर, 2025 तक भी सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के पदोन्नति कोटे एवं एल.डी.सी.ई. कोटे के 15 कैटेगरी की परीक्षा कराई गई, जिसमें लगभग 2,100 उम्मीदवारों ने पूर्वोत्तर रेलवे के चार परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक चयन में भाग लिया। यह पहल न केवल तकनीकी नवाचार का उदाहरण है बल्कि पारदर्शिता, दक्षता एवं समयबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। अभी तक विभागीय परीक्षायें पारम्परिक लिखित माध्यम से आयोजित होती रही हैं, जिनमें प्रश्नपत्रों की छपाई, वितरण, मूल्यांकन एवं परिणाम घोषित करने में काफी समय लगता था। टैबलेट आधारित सी.बी.टी. प्रणाली ने इन सभी प्रक्रियाओं को सरल, तेज एवं अधिक भरोसेमंद बना दिया है। परीक्षा के आयोजन से लेकर मूल्यांकन तक पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने से मानवीय त्रुटियों की सम्भावना न्यूनतम हो गई है। इस नई व्यवस्था से कर्मचारियों को भी कई लाभ हुये हैं।

श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए एक्सप्रेस को दिया अस्थाई ठहराव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा तमिलनाडु के मेलमरूवतूर में मनाये जाने वाले इरूमुडी/थाइपुसम पर्व पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए 16367/16368 कन्याकुमारी-बनारस-कन्याकुमारी एक्सप्रेस एवं 22536/22535 बनारस-रामेश्वरम-बनारस एक्सप्रेस का अस्थाई ठहराव 31 दिसम्बर 2025 से 01 फरवरी 2026 तक दक्षिण रेलवे के मेलमरूवतूर स्टेशन पर प्रदान किया जायेगा। कन्याकुमारी से 01 से 29 जनवरी, 2026 तक चलने वाली 16367 कन्याकुमारी-बनारस एक्सप्रेस मेलमरूवतूर स्टेशन पर 09.14 बजे पहुंचकर 09.15 बजे छूटेगी। 04 जनवरी से 01 फरवरी तक 16368 बनारस-कन्याकुमारी एक्सप्रेस मेलमरूवतूर स्टेशन पर 07.19 बजे पहुंचकर 07.20 बजे छूटेगी। 22535 रामेश्वरम-बनारस एक्सप्रेस मेलमरूवतूर स्टेशन पर 11.09 बजे पहुंचकर 11.10 बजे छूटेगी। बनारस से 04 से 25 जनवरी,2026 तक चलने वाली 22536 बनारस-रामेश्वरम एक्सप्रेस मेलमरूवतूर स्टेशन पर 09.49 बजे पहुंचकर 09.50 बजे छूटेगी।

कुछ माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ियों का किया गया निरस्तीकरण

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक कारणों से माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ियों का निरस्तीकरण किया जायेगा। 01 जनवरी से 17 फरवरी तक चलने वाली 05115/05116 छपरा-झूसी-छपरा माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी, 05117/05118 छपरा-झूसी-छपरा माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी, 05121/05122 बढ़नी-झूसी-बढ़नी माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी और 05119/05120 आजमगढ़-झूसी-आजमगढ़ माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। गोरखपुर एवं प्रयागराज रामबाग से 01 जनवरी से 17 फरवरी तक चलने वाली 05123/05124 गोरखपुर-प्रयागराज रामबाग-गोरखपुर माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

विशेष गाड़ी का अवधि विस्तार

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिए पूर्व से चलाई जा रही 05062/05061 टनकपुर-अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी का अवधि विस्तार 01 जनवरी से 27 फरवरी तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार एवं रविवार को किया जायेगा।

इसके अलावा रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से आसनसोल से 30 दिसम्बर को चलने वाली 13509 आसनसोल-गोंडा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। गोंडा से 31 दिसम्बर को चलने वाली 13510 गोंडा-आसनसोल एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

गुजरात में बनेगा एआई अनुसंधान संगठन

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए भारतीय एआई अनुसंधान संगठन की स्थापना को मंगलवार को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। इस केंद्र की स्थापना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत राज्य और केंद्र सरकारों तथा भारतीय दवा गठबंधन (आईपीए) के बीच त्रिपक्षीय साझेदारी के माध्यम से की जाएगी। कहा गया है कि गुजरात सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय एआई पारिस्थितिकी तंत्र को गति देने और अनुसंधान को गति करने के लिए यह पहल की है। आईएआईआरओ गांधीनगर के पास गिफ्ट सिटी में एक जनवरी से विशेष उद्देश्य वाले कोष (एसपीवी) के रूप में कार्य करना शुरू कर देगा।

'बैटल ऑफ गलवान' से चिढ़ा चीन

नई दिल्ली। सलमान खान अभिनीत फिल्म बैटल ऑफ गलवान का टीजर जारी होने के बाद चीनी ने नाराजगी जताई है। वहां की मीडिया में हो रही आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंगलवार को सरकारी सूत्रों ने कहा कि सिनेमा कलात्मक अभिव्यक्ति का एक माध्यम है और भारत इसे प्रतिबंधित नहीं करता है। यह फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित है। चीन के मीडिया संस्थान ग्लोबल टाइम्स ने इस फिल्म को सिनेमाई अतिशयोक्ति बताया और दावा किया कि इसमें तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सलमान ने बी संतोष बाबू की भूमिका निभाई है। साल 2020 में भारतीय क्षेत्र की रक्षा करते हुए बाबू और 16 बिहार रेजिमेंट के 19 अन्य सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

यात्री से मारपीट करने का आरोपी पायलट गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर एक यात्री पर हमला करने के आरोप में एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक 'ऑफ-ड्यूटी' पायलट को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल जांच में शामिल हुए और अधिकारी ने उनसे पूछताछ की थी। मामला दर्ज होने के बाद जांच प्रक्रिया के दौरान, संबंधित सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए गए और बयान दर्ज किए गए। आरोपी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका

हिंसा रोकने में संवैधानिक विफलता का आरोप, न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वोत्तर राज्यों और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के खिलाफ देश में नस्ली भेदभाव एवं हिंसा को रोकने न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह करते हुए उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें इस तरह की हिंसा रोकने में लगातार संवैधानिक विफलता का भी जिक्र किया गया है।

जनहित याचिका त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मद्देनजर 28 दिसंबर को दायर की गई थी। चकमा की 27 दिसंबर को देहरादून के सेलाक्वी क्षेत्र में नस्ली हमले में लगी गंभीर चोटों के कारण मृत्यु हो गई थी। उनाकोटी जिले के मचमारा के रहने वाले चकमा अगरतला के होली क्रॉस स्कूल से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एमबीए करने के लिए देहरादून गए थे, जहां उसके छोटे भाई माइकल की मौजूदगी में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। चकमा के परिजन इस घटना में शामिल सभी आरोपियों के लिए मौत की सजा या कम से कम आजीवन कारावास की मांग कर रहे हैं।

हम भारतीय हैं, इसे साबित करने के लिए हमें आपको कौन सा प्रमाणपत्र दिखाना चाहिए। टकराव के क्रूर हिंसा में बदलने से पहले ये शब्द बेहद दुखद रूप से एंजेल चकमा के संवैधानिक नागरिकता के बारे में आखिरी दर्ज बयान बन गए। - याचिका

दिल्ली के वकील अनूप प्रकाश अवस्थी ने केंद्र सरकार और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को जनहित याचिका में पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा गया है, पूर्वोत्तर राज्यों और भारत के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के भारतीय नागरिकों के खिलाफ नस्ली भेदभाव और हिंसा के मुद्दे के समाधान के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की जाती है। याचिका में चकमा की मौत से संबंधित मीडिया की खबरों का भी हवाला दिया गया। इसमें कहा गया है, व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने, नस्ली अपमान को घृणा अपराधों की एक अलग श्रेणी के रूप में मान्यता देने और इसके लिए सजा निर्धारित करने के उद्देश्य से एक उपयुक्त रिट (कानून बनने तक अंतरिम) जारी की जाए।

याचिका में केंद्र और राज्यों को यह निर्देश देने का आग्रह किया गया कि वे केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर एक नोडल एजेंसी या स्थाई निकाय या आयोग या निदेशालय का गठन करें, जहां इस तरह के नस्ली अपराधों की रिपोर्ट की जा सके और उनका निवारण किया जा सके। याचिका में कहा गया है, केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर संबंधित पक्षों को निर्देश दिया जाए कि वे प्रत्येक जिले/महानगर में नस्ली अपराधों से निपटने के लिए एक समर्पित विशेष पुलिस इकाई का गठन करें। कहा गया है कि चकमा की हत्या कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों के खिलाफ नस्ली दुर्व्यवहार और हिंसा के लंबे समय से चले आ रहे सिलसिले का हिस्सा है।

कामकाज में सुगमता के लिए एसओपी जारी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें उसके समक्ष पेश होने वाले वकीलों की ओर से दलीलों और लिखित निवेदन प्रस्तुत करने के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है। यह कदम न्यायालय के कामकाज में सुगमता और न्याय मुहैया कराने की व्यवस्था में तेजी लाने के लिए उठाया गया है। सीजेआई सूर्यकांत और शीर्ष कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों ने सोमवार को एक परिपत्र जारी किया, जिसमें सभी मामलों में मौखिक दलीलें प्रस्तुत करने की समयसीमा का पालन करने के लिए एसओपी तय की गई है। तत्काल प्रभाव से लागू इस एसओपी में कहा गया है, वरिष्ठ अधिवक्ता, दलील रखने वाले वकील और रिकॉर्ड पर मौजूद अधिवक्ता, नोटिस के बाद और नियमित सुनवाई वाले सभी मामलों में मौखिक बहस करने की समयसीमा सुनवाई शुरू होने से कम से कम एक दिन पहले प्रस्तुत करेंगे। यह समय-सीमा न्यायालय को 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' (एओआर) को पहले से उपलब्ध कराए गए उपस्थिति पर्ची जमा करने के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। कहा गया है कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं सहित बहस करने वाले वकील, अपने एओआर या पीठ द्वारा नामित नोडल वकील के माध्यम से, सुनवाई की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले दूसरे पक्ष को एक प्रति देने के बाद संक्षिप्त नोट या लिखित प्रस्तुति दाखिल करेंगे, जो पांच पृष्ठ से अधिक का नहीं होगा।

चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं ममता बनर्जी : अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है जिससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है। कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और भाजपा 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी।

शाह ने कहा कि विधानसभा चुनाव अप्रैल में होंगे और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालना मुख्य एजेंडा होगा। शाह ने घोषणा की कि बंगाल में घुसपैठ को समाप्त करने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ग्रिड स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, इंसान छोड़ दीजिए, परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा, इस प्रकार की मजबूत ग्रिड की रचना हम करेंगे। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आवश्यक भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी घुसपैठ रोकने में नाकाम रहने के लिए बीएसएफ को दोषी ठहराती हैं। मैं उनसे इस सार्वजनिक मंच से कह रहा हूं कि बांग्लादेश से सटे राज्यों में केवल यही राज्य सरकार है, जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती।

● केंद्रीय गृहमंत्री ने तृणमूल प्रमुख पर बंगाल की जनसांख्यिकी बदलने का लगाया आरोप

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह जवाब देना होगा कि भाजपा शासित असम, त्रिपुरा या देश के पश्चिमी राज्यों जैसे राजस्थान और गुजरात के अलावा पंजाब और कश्मीर की तुलना में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की समस्या अधिक गंभीर क्यों है। उन्होंने कहा, ऐसा सिर्फ बंगाल में ही क्यों होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां आपकी सीधी निगरानी में घुसपैठ होती है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की जनसांख्यिकी में धीरे-धीरे लेकिन लगातार बदलाव होता है, जिससे आपका वोट बैंक मजबूत होता है।

तृणमूल का जवाब, चुनाव में 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी भाजपा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के दो-तिहाई बहुमत हासिल किए जाने का उनका दावा हवा-हवाई है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ब्रत्य बसु ने कहा कि चुनाव में भाजपा 50 सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकेगी और उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ेगा। तृणमूल की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशि पांजा ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शाह की टिप्पणियों के जवाब में कहा, बिलकिस बानो के बलात्कारियों को आपकी पार्टी के कार्यकर्ता माला पहनाते हैं। आपकी पार्टी कुलदीप सेंगर और बृज भूषण को संरक्षण देती है जिन पर अत्याचार करने के आरोप लगे हैं। शाह को महिलाओं की सुरक्षा पर उपदेश नहीं देना चाहिए। पांजा ने शाह और भाजपा पर उस अपराजिता विधेयक को पारित होने में बाधा डालने का आरोप लगाया जिससे बलात्कारियों को दोषी पाए जाने के बाद नजीर बनने वाली सजा सुनिश्चित हो पाती।

चलती कार में महिला से दुष्कर्म बीच सड़क पर फेंक कर हुए फरार

फरीदाबाद में हैवानियत

फरीदाबाद, एजेंसी

यहां सोमवार देर रात चलती कार में महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपित दुष्कर्म करने के बाद महिला को लहूलुहान हालत में सड़क पर फेंककर फरार हो गए। महिला को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के कल्याणपुरी इलाके में रहने वाली महिला ने बताया कि उसकी बहन का पति से झगड़ा चल रहा है। इसलिए वह पति से अलग मायके में रहती है। सोमवार शाम को उसकी बहन की घर में मां से कहासुनी हो गई। कहासुनी के बाद वह अपने दोस्त के यहां सेक्टर-23 चली गई। दोस्त के घर से निकलने में महिला को देर हो गई। महिला रात में ऑटो लेकर एनआईटी दो चौक तक पहुंची। फिर वहां से पैदल मेट्रो चौक तक आ गई। इसके बाद मेट्रो चौक पर खड़े होकर कल्याणपुरी जाने के लिए ऑटो का इंतजार करने लगी। रात करीब 12 बजे वैन में सवार दो युवक महिला के पास आए। उन्होंने महिला से कहा कि वह उसको कल्याणपुरी चौक तक छोड़ देंगे। युवकों के कहने पर महिला वैन में बैठ गई। युवक वैन को कल्याणपुरी चौक ले जाने के बजाय गुरुग्राम रोड पर ले गए। पीड़िता की बहन के अनुसार, एक व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपित उसको रातभर गाड़ी में घुमाते रहे। फिर सुबह तीन बजे एसजीएम नगर स्थित मुल्ला होटल के पास फेंककर चले गए। इसके बाद पीड़िता ने अपनी बहन को फोन किया और पूरा घटनाक्रम बताया। महिला के सिर में गंभीर चोट आई है। उसको इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार महिला के स्वजन के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।

● युवकों ने महिला को वैन में लिफ्ट देने के बहाने बैठाया था

एसआईआर पर बार-बार यू-टर्न ले रहा निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बार-बार यूटर्न लेने का आरोप लगाया और कहा कि उसे स्पष्ट करना चाहिए कि वह किस प्रक्रिया का पालन तथा किस एप का उपयोग कर रहा है। पार्टी के लोकसभा सदस्य शशिकांत सेंथिल ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान 'डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर' का उपयोग बंद किया, लेकिन 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में फिर से शुरू कर दिया है। सेंथिल ने कहा कि पहले डुप्लीकेट मतदाता प्रविष्टियों की पहचान करने और उन्हें चिह्नित करने के लिए एक 'डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर' का उपयोग किया जाता था।

विश्व शांति के लिए प्रार्थना

बिहार के बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर में आयोजित 40वें कग्यू मोनलाम प्रार्थना कार्यक्रम के चौथे दिन मंगलवार को तिब्बती लामाओं ने विश्व शांति के लिए प्रार्थना में भाग लिया।

बढ़े मानसिक रोगी, दो लाख लोगों ने लिया हेल्पलाइन का सहारा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : पश्चिमी उप्र में मानसिक तनाव के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बरेली, फिरोजाबाद के बाद मुरादाबाद से भी बड़ी संख्या में लोगों ने मानसिक समस्याओं से राहत पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टेलीमानस हेल्पलाइन पर संपर्क किया है। रिपोर्ट के अनुसार, एक अप्रैल से 10 दिसंबर तक प्रदेश के 75 जिलों से कुल 2,07,486 कॉल्स प्राप्त हुईं।

प्रदेश में सबसे अधिक 8,863 कॉल आगरा जिले से दर्ज की गईं, जबकि लखनऊ, वाराणसी, बरेली और फिरोजाबाद भी टॉप 10 जिलों में शामिल रहे। मुरादाबाद जिला अस्पताल में तैनात मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव शेखर ने बताया कि प्रदेश में गोरखपुर, बरेली, आगरा और वाराणसी में टेलीमानस सेंटर स्थापित किए गए हैं। ये सेंटर सप्ताह के सातों दिन 24 घंटे सक्रिय रहते हैं। टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14416 और 18008914416 पर कॉल करने वाले लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षित काउंसलरों द्वारा निशुल्क परामर्श दिया जाता है। प्रदेश के किसी भी जिले से की गई कॉल सीधे इन सेंटरों तक पहुंचती है।

परिजनों, दोस्तों के साथ समय बिताने की सलाह : काउंसलरों द्वारा उन्हें परिजनों और दोस्तों के साथ समय बिताने, अपनी बात साझा करने और सकारात्मक सोच अपनाने के सुझाव दिए गए। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि तनाव से बचाव के लिए सकारात्मक सोच और संवाद बेहद जरूरी है। मुरादाबाद में टेलीमानस की सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। लोग हेल्पलाइन पर कॉल कर सकते हैं या जिला अस्पताल के मनकक्ष में उपचार ले सकते हैं।

ये हैं टॉप-10 जिले (कॉल संख्या)

आगरा (8863), लखनऊ (5488), वाराणसी (4662), बरेली (4226), फिरोजाबाद (2901), मुरादाबाद (2817), झांसी (2783), प्रयागराज (2773), बुलंदशहर (2726), रामपुर (2406)।

चकमा की हत्या की धीमी जांच पर त्रिपुरा सरकार में नाराजगी

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने देहरादून में नस्लीय हिंसा के शिकार हुए एंजेल चकमा के परिवार को एकमुश्त पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा कि चकमा के परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस बीच त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथी ने मामले की जांच में धीमी प्रगति पर नाराजगी भी जताई है।

त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा के संस्थापक प्रद्योत किशोर देबबर्मन ने एंजेल की हत्या में शामिल भगोड़े को पकड़वाने में मदद करने वाले सूचना देने वालों को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। उत्तराखंड सरकार की ओर से भगोड़े की गिरफ्तारी के लिए 25,000 रुपये के इनाम की खबरों पर देबबर्मन ने जांच की गंभीरता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या एंजेल की जान की कीमत यही है। उन्होंने अधिकारियों से आदिवासी समुदायों के खिलाफ अपराधों को कमतर आंकने से बचने की अपील की। एमबीए के 24 वर्षीय छात्र एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल पर 9 दिसंबर को उत्तराखंड में देहरादून के सेलाकुई इलाके में कुछ लोगों ने चाकू से हमला किया था।

● भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथा ने लगाया अपराध को कमतर आंकने का आरोप

● चकमा के परिवार को त्रिपुरा सरकार की ओर से पांच लाख रुपये देने की घोषणा

बस्तर विधायक की पत्नी ने आत्महत्या की कोशिश की

बस्तर। छत्तीसगढ़ में बस्तर जिले से एक गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल की पत्नी द्वारा आत्महत्या की कोशिश किए जाने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद उन्हें गंभीर हालत में महारानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 8 बजे विधायक की पत्नी को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया। उनके दोनों हाथों की नसें कटी हुई पाई गईं, जबकि गले पर भी चोट के निशान मौजूद हैं। चिकित्सकों ने तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती किया।

मथुरा में विरोध के बाद सनी लियोनी का शो रद्द

मथुरा, एजेंसी

जिले में नए साल के मौके पर 31 दिसंबर को होने वाला बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी का शो रद्द कर दिया गया है। साधु-संतों और धार्मिक संगठनों ने इस कार्यक्रम पर कड़ा विरोध जताया था।श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास ने सनी लियोनी का कार्यक्रम रद्द करने की मांग की थी।

यह कार्यक्रम जैसे ही घोषित हुआ, वैसे ही विवादों में आ गया। कई धार्मिक नेताओं और संगठनों ने इसका विरोध किया और आपत्ति जताई। साधु-संतों का कहना था कि मथुरा की धार्मिक और सांस्कृतिक पवित्रता बनाए रखना ज़रूरी है, इसलिए ऐसे आयोजनों से बचना चाहिए।श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास ने इसके लिए मथुरा के जिलाधिकारी को चिट्ठी भी लिखी और आयोजकों पर सनी लियोनी का कार्यक्रम करवाकर धार्मिक भावनाएं भड़काने का आरोप लगाया था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले के मुख्य याचिकाकर्ता और धार्मिक नेता दिनेश फलहारी धर्माचार्य ने कहा कि यह विरोध मथुरा के आध्यात्मिक महत्व को देखते हुए किया गया था। उन्होंने ब्रज भूमि को भगवान कृष्ण और तपस्या की पवित्र धरती बताते हुए कहा कि वहां इस तरह के कार्यक्रम नहीं होने चाहिए। उनका कहना था कि यह वही भूमि है जहां भगवान कृष्ण से जुड़ी पवित्र परंपराएं हैं।

● धार्मिक नेताओं और संगठनों ने विरोध कर जताई थी आपत्ति

पांच महीने बाद भी धनखड़ को सरकारी आवास नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के पांच महीने बाद भी जगदीप धनखड़ को सरकारी आवास नहीं मिला है। अगस्त में धनखड़ ने केंद्र सरकार को सरकारी आवास के लिए एक पत्र भी लिखा था लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।

धनखड़ ने इस वर्ष संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके कुछ हफ्तों बाद सितंबर में उन्होंने अपने आधिकारिक आवास 'उपराष्ट्रपति एन्क्लेव' को खाली कर दिया था और दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक निजी फार्महाउस में चले गए थे। धनखड़ ने 22 अगस्त को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपतियों को प्राप्त होने वाले आधिकारिक आवास का अनुरोध किया था। धनखड़ के करीबी एक व्यक्ति ने कहा, इसके बाद भी अभी तक उन्हें वह आवास उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिसके वह हकदार हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते धनखड़ लगभग दो लाख रुपये प्रति माह की पेंशन, टाइप-8 बंगला, एक निजी सचिव, एक अतिरिक्त निजी सचिव, एक निजी सहायक, एक चिकित्सक, एक नर्सिंग अधिकारी और चार निजी परिचारकों के हकदार हैं।

● अगस्त में आवास मंत्रालय को लिखे पत्र भी कोई कार्रवाई नहीं

बिहार के शिक्षामंत्री को बेस्ट एजुकेशन मिनिस्टर अवार्ड

पटना। नई दिल्ली में आयोजित 46वें विश्व प्रबंधन कांग्रेस में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार को मंगलवार को 'बेस्ट एजुकेशन मिनिस्टर अवार्ड' से सम्मानित किया गया। वहीं, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रशासनिक कार्य के लिए उच्च शिक्षा निदेशक डॉ.एनके.अग्रवाल को 'नेशनल हायर एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेशन एक्सीलेंस अवार्ड' प्रदान किया गया। आयोजकों के अनुसार, यह सम्मान राज्य में शिक्षा सुधार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण तथा नीति-आधारित नवाचारों की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि भारत सरकार की एनईपी को बिहार सरकार द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी दिशा-निर्देशों में व्यावहारिक रूप से लागू किया जा रहा है।

विशेषज्ञ बोले | कृषि तथा जलवायु निगरानी से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा में बढ़ा उपयोग

अंतरिक्ष और उपग्रह आधारित सूचना अर्थव्यवस्था ने पकड़ी रफ्तार

चेन्नई, एजेंसी

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्ष 2025 में उपग्रह आधारित सूचना अर्थव्यवस्था (स्पेस डेटा इकोनॉमी) ने रफ़्तार पकड़ी है और कृषि तथा जलवायु निगरानी से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा तक इसका उपयोग बढ़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस वर्ष उपग्रह डेटा का व्यवसाय से लेकर प्रशासन तक व्यापक उपयोग हुआ है।

इंडियन स्पेस एसोसिएशन (आईएसपीए) के महानिदेशक सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल ए के भट्ट ने कहा, 2025 में उपग्रह आधारित सूचना अर्थव्यवस्था को गति मिली, जहाँ भू निगरानी उपग्रहों से प्राप्त सूचनाओं ने कृषि, आपदा प्रबंधन, बुनियादी ढांचा नियोजन, जलवायु निगरानी और रक्षा अनुप्रयोगों में सहायता की। महानिदेशक ने पूरे अंतरिक्ष क्षेत्र में सरकारी समर्थन का हवाला देते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन, स्टार्टअप के लिए फंड ऑफ फंड्स, बेहतर ऋण सुरक्षा तंत्र , अटल टिंकरिंग लैब्स का विस्तार और एक समर्पित ''डीपटेक फंड ऑफ फंड्स'' जैसी पहलों के माध्यम से नीतिगत समर्थन को और मजबूत किया गया।

सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल ए के भट्ट ने कहा कि फरवरी में शुरू किए गए इन-स्पेस के ''टेक्नोलॉजी एडॉप्शन फंड'' ने स्वदेशीकरण और विनिर्माण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। कई राज्यों ने भी अंतरिक्ष-केंद्रित नीतियों की घोषणा की, जो राष्ट्रीय और राज्य स्तर की प्राथमिकताओं के बीच बढ़ते तालमेल को दर्शाता है। महानिदेशक के अनुसार, 2025 में महत्वपूर्ण ''ऑपरेशन सिंदूर'' ने भी भारत की विकसित होती अंतरिक्ष क्षमताओं का प्रदर्शित किया। उन्होंने बताया, हमने हर मौसम में निगरानी के लिए रीसैट जैसी स्वदेशी उपग्रहों का उपयोग किया, जिसे प्रमुख भारतीय कंपनियों की व्यावसायिक ''सैटेलाइट इमेजरी'' द्वारा और मजबूत किया गया।'' सुहोरा टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक अमित कुमार ने कहा कि यह वर्ष भारत के ''डाउनस्ट्रीम स्पेस इकोसिस्टम'' के लिए एक निर्णायक वर्ष रहा है। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे लॉन्च क्षमता में सुधार हो रहा है और उपग्रहों का विस्तार हो रहा है, इन उपग्रहों से प्राप्त सूचनाओं का अनुप्रयोग भी बढ़ रहा है। इनका विश्लेषण किया जा रहा है और निर्णय लेने की प्रक्रिया में इनका इस्तेमाल हो रहा है। कृषि और जलवायु निगरानी से लेकर बुनियादी ढांचा योजना और राष्ट्रीय सुरक्षा तक, उपग्रह डेटा अब व्यवसाय और शासन में मुख्य उपकरण बनता जा रहा है।

अंतरिक्ष सेक्टर में 2025 में जबरदस्त तेजी

एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेंद्र कुमार ने कहा कि 2025 में भारत की भू-स्थानिक यात्रा में जबरदस्त तेजी देखी गई, जिसमें भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) एक मुख्य डिजिटल बुनियादी ढांचे के रूप में उभरा। भू-स्थानिक सूचना के विश्लेषण से संबंधित बाजार का तेजी से विस्तार यह संकेत देता है कि स्थानिक बुद्धिमत्ता (स्पेशियल इंटेलिजेंस) अब शासन, बुनियादी ढांचे के विकास, जलवायु कार्रवाई और उद्यमों के निर्णय लेने में गहराई से समा गई है। भट्ट ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, वर्तमान में लगभग 9 बिलियन डॉलर है और अब अगले दशक में 44 बिलियन डॉलर की ओर मजबूती से बढ़ रही है। 2025 के दौरान विकास मुख्य रूप से निजी उद्योगों द्वारा संचालित रहा।

अमृत विचार

बुधवार, 31 दिसंबर 2025

यदि आप किसी से प्रेम करते हैं, तो उसे जाने दें, क्योंकि यदि वह लौट आता है, तो वह हमेशा आपका था। यदि नहीं लौटता, तो वह कभी आपका था ही नहीं।

खलील जिब्रान, दार्शनिक

नए साल में नई परिभाषा

दुनिया की सबसे पुरानी भूगर्भीय संरचनाओं में शामिल अरावली को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने ही आदेश को वापस लेना यह संकेत है कि न्यायालय को प्रस्तुत परिभाषा और उसके दूरगामी पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर शंकाएं उत्पन्न हुई हैं। यह घटनाक्रम बताता है कि अरावली जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को परिभाषित करने में जल्दबाजी और अधूरी वैज्ञानिक कसौटियां खतरनाक साबित हो सकती हैं। नया आदेश यह साबित करता है कि पिछला फैसला किंचित जल्दबाजी में लिया गया था।

अदालत ने स्वयं यह स्वीकारा कि नई परिभाषा से 'संरचनात्मक विरोधाभास' तो पैदा नहीं हो रहा, यह जांचना आत्यावश्यक है। अदालत की स्वीकारोक्ति बताती है कि सरकार का जवाब अंतिम सत्य मान लेने लायक भरोसेमंद नहीं थे। जिस नई परिभाषा को अदालत ने पहले स्वीकार किया था, वह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने प्रस्तुत की थी। उद्देश्य अरावली की रक्षा बताई गई थी, पर आरोप यह हैं कि उक्त परिभाषा के मानदंड, जैसे 100 मीटर की ऊंचाई- व्यावहारिक रूप से अरावली के बड़े हिस्से को संरक्षण से बाहर कर देते हैं। यदि समिति का उद्देश्य संरक्षण था, तो यह परिभाषा अपने परिणामों में विपरीत कैसे हो सकती है? लाजिमी है कि यह पुनर्विचार आवश्यक था। राजस्थान में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 के 100 मीटर से अधिक ऊंचे होने के दावे को मानने से 92 फीसद से अधिक पहाड़ियां संरक्षण से बाहर हो जाएंगी। यह तथ्यात्मक स्थिति बताती है कि ऊंचाई-आधारित परिभाषा अरावली की वास्तविक भूगर्भीय और पारिस्थितिक निरंतरता को नज़रअंदाज़ करती हैं। नतीजा- अंधाधुंध खनन और रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए दरवाज़ा खुल सकता है। अरावली की प्रकृति 'टुकड़ों में बंटी पहाड़ियों' की नहीं, बल्कि एक जुड़े हुए पारिस्थितिक, प्राकृतिक तंत्र की है। यदि पहाड़ियां 100 मीटर से ऊंची हों, पर 500 मीटर से अधिक दूरी पर हों, तब भी वे भूजल रिचार्ज, जैव-विविधता और जलवायु नियमन के साझा कार्य करती हैं। ऐसे में उन्हें अलग-अलग इकाइयों के रूप में नहीं, बल्कि एक सतत पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना ही वैज्ञानिक दृष्टि से उचित है। 'विनियमित' या 'सतत' खनन की अवधारणा कागज़ पर आकर्षक लग सकती हैं, पर अरावली जैसे नाजुक क्षेत्र में कड़ी निगरानी के बावजूद इसके प्रतिकूल प्रभावों को नकारा नहीं जा सकता। ढलानों का कटाव, भूजल स्तर में गिरावट और जैव-विविधता का नुकसान दीर्घकाल में अपरिवर्तनीय हो सकता है।

एफएसआई द्वारा लंबे समय से अपनाया गया 3-डिग्री ढलान का मानदंड अधिक समावेशी और भू-आकृतिक वास्तविकताओं के करीब रहा है। इसके विपरीत, सरकार द्वारा सौंपी गई नई सूची में कई जिलों को संरक्षण क्षेत्र से बाहर कर दिया गया है, जिससे उन क्षेत्रों में पर्यावरणीय दबाव तेज़ी से बढ़ सकता है। अरावली उत्तर-पश्चिम भारत में रेगिस्तान बनने से रोकने, भूजल रिचार्ज करने और आजीविका बचाने की रीढ़ है, इसलिए इसे केवल ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसके पर्यावरणीय, भूगर्भीय और जलवायु महत्व से परिभाषित किया जाना चाहिए।

राष्ट्र निर्माण की कुंजी है व्यक्ति निर्माण

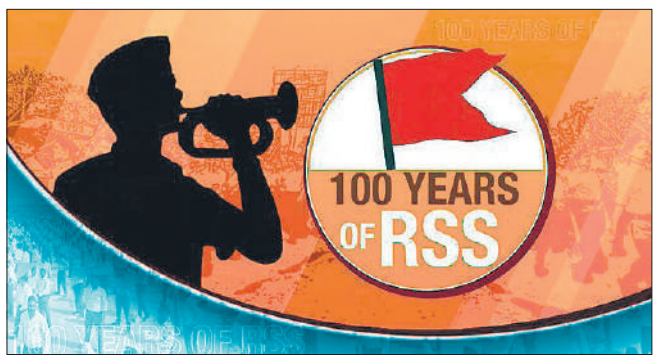

नुसरत जहां

एजीए हाईकोर्ट लखनऊ बेंच

जब भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई।

एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक का चिन्ह और दूसरी ओर भारत माता का चित्र अंकित किए हुए सिक्के और डाक टिकट भारत के प्रधानमंत्री की ओर से स्मारक के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक स्थापना के सौ वर्ष पूरे हो जाने के उपलक्ष्य में जारी किया गया। इसका अर्थ है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारत मां के प्रति समर्पित है। भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का संरक्षण व संवर्धन करने, राष्ट्र निर्माण के लिए अनुशासन, देशभक्ति तथा सेवाभाव से निरंतर कार्य करते हुए यह देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी तेजी से अपनी समृद्धता को विस्तार दे रहा है।

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशवराम बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आगामी वर्षों में यह संगठन इतना प्रभावशाली बन जाएगा। भारत माता के प्रति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस अतुलनीय और अनुकरणीय योगदान को देखते हुए दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इसे विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया। राष्ट्र प्रथम विचारधारा को लेकर चलते हुए आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई आनुषंगिक संगठनों को साथ लेकर कार्य करते हुए अपने उद्देश्यों की पूर्ति में निरंतर अग्रसर है।

संघ अपनी स्थापना का सफल शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो लाजमी है कि उसके 100 वर्षों के कार्यों की एक छोटी सी झलक तो जानने की उत्सुकता तो होगी ही न। 1925 में जब संघ की स्थापना हुई, तो भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन चरम पर था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई और उसने अपना कार्य- राष्ट्र प्रथम का ध्येय लेकर भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान और भारत के विकास के लिए कार्य करना प्रारंभ किया।

गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस शिविर का दौरा किया, वहां स्वयंसेवकों के कठोर अनुशासन, सादगी से कार्यों को करते हुए देखा, छुआ-छूत की अनुपस्थिति से वे बहुत प्रभावित हुए। यह तथ्य उनके साप्ताहिक पत्र 'हरिजन' में प्रकाशित हुआ था। आजादी के समय जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ, तो लोग विस्थापित हुए। हिंसा के दौरान कई लोगों की हत्या हुई और कई लोग घायल हुए। उन घायलों की सेवा, बिना भेदभाव शवों के अंतिम संस्कार, पीड़ितों को भोजन, चिकित्सा जैसे कार्यों को संघ के स्वयंसेवक पूरे मनोबल से कर रहे थे।

1947-48 में कबायली आक्रमण के दौरान शरणार्थियों को राहत कार्यों द्वारा मदद की गई। 1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नागर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। पुर्तगाली सैनिकों की गोलाबारी में कई स्वयंसेवकों ने प्राण न्यौछावर किए। राष्ट्र के प्रति संघ के समर्पण को देखने के लिए केआर मलकानी द्वारा लिखित पुस्तक 'द आरएसएस स्टोरी' का अध्ययन किया जा सकता है।

आपातकाल के दौरान आरएसएस के हजारों स्वयंसेवकों ने सरकारी तानाशाही का विरोध खुलकर किया। कुछ कार्यकर्ता भूमिगत रहते हुए जनता के बीच प्रेस के माध्यम से अखबारों, पत्रिकाओं और पर्चों के जरिए सूचना का प्रचार-प्रसार करते थे। 'द इकॉनॉमिक' ने लिखा था कि इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़े संगठन आरएसएस है, जो कि सदैव लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रति संकल्पित है।

अगस्त 1967 में हिंदी दैनिक हिन्दुस्तान में प्रकाशित एक साक्षात्कार में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली ने बताया कि मैंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों से छिपने के लिए आरएसएस के दिल्ली संघचालक लाल हंसराज गुप्ता के घर शरण ली थी, जहां उन्होंने लगभग 15 दिनों तक उन्हें गोपनीय तरीके से रखा। वहां पर लालजी ने मेरी सुरक्षा का पूरा प्रबंध कर रखा था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि किसी को भी मेरे उनके घर पर रहने की जानकारी न मिले। स्वाधीनता संग्राम में आरएसएस के स्वयंसेवकों की भूमिका और समर्पण को लेकर माणिक चंद्र वाजपेयी और श्रीधर पराडकर ने अपनी पुस्तक 'ज्योति जला निज प्राण की' में विस्तार से चित्रण किया है।

वर्तमान में आयोजित यह शताब्दी वर्ष कार्यक्रम छह सरसंघचालकों की साधना का प्रतिफल है। इसमें प्रथम सरसंघचालक एवं संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार हैं। माधव सदाशिव गोलवलकर द्वितीय सरसंघचालक हैं, जो गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। उन्हें संघ के प्रबल विस्तारण के रूप में जाना जाता है। वही अखंड भारत के स्वप्नदृष्टा थे। तृतीय सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रय देवरस, जिन्हें आदरपूर्वक बालासाहेब देवरस भी कहा जाता है, सेवा कार्यों का एक नवीन आयाम स्थापित किया। चतुर्थ सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया पहले ऐसे सरसंघचालक थे, जिन्होंने विदेश जाकर आरएसएस का व्यापक विस्तार किया। पंचम सरसंघचालक सीतारमैया सुदर्शन स्वदेशी के कट्टर समर्थक तथा भारत की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति बड़े सजग व प्रबल पक्षधर थे।

छठे एवं वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत के कार्यकाल में आरएसएस शताब्दी वर्ष मना रहा है। मोहन भागवत जी समरसता और समावेशी समाज के पक्षधर हैं, जो व्यक्ति को धार्मिक पहचान से कहीं ज्यादा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रूप में देखते हैं। दिल्ली और बंगलौर के सम्मेलन में दिया गया, उनका यह कथन बहुत प्रभावशाली है कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है। इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। उनका आग्रह देश-समाज के सभी वर्गों और पंथों को साथ लेकर चलने का है।

email: nusratfahad8@gmail.com

आमने सामने

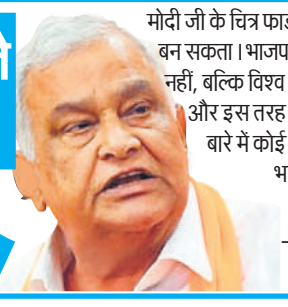

मोदी जी के चित्र फाड़ने से कोई भागीरथ नहीं बन सकता। भाजपा सिर्फ एक नेशनल पार्टी नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा संगठन है और इस तरह के कृत्य निंदनीय हैं। मेरे बारे में कोई कुछ भी कहे, लेकिन मेरे भाई का इन गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है।

-डॉ. किरोड़ी लाल मीणा
कृषि मंत्री, राजस्थान

डाक बंगला किसी की बपौती नहीं है। न ही हमने वहां कोई पोस्टर हटाए। डाक बंगले की चाबी कहां रखी है? इसकी सूचना पहले ही दी जा चुकी थी। मैं खुद और दौसा सांसद डाक बंगला पहुंचे थे, लेकिन वहां ताला लगा मिला।

-डीसी बैरवा
कांग्रेस विधायक, राजस्थान

ब्रिक्सः कई बाधाएं हैं पाकिस्तान-तुर्किए की राह में

दिग्विजय सिंह

कानपुर

आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा।

भारत का दुश्मन पाकिस्तान और तुर्किए 11 देशों के समूह ब्रिक्स में शामिल होने को बेकरार है, लेकिन उनका यह सपना पूरा होता नहीं दिखा रहा है। ब्रिक्स में फिलहाल ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं। चीन चाहता है कि भारत इन देशों के समूह में शामिल होने की सहमति दे, लेकिन उसकी यह चाहत पूरी नहीं होगी, क्योंकि आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा। ब्रिक्स में किसी देश को तभी सदस्यता मिलती है, जब सभी देशों की सहमति हो। तुर्किए आमंत्रित सदस्य तो है, लेकिन पाकिस्तान को यह दर्जा भी नहीं मिला है। भारत शुरू से ही इन देशों की सदस्यता का विरोध करता आया है। भारत पहली जनवरी से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा।

तुर्किए नाटो व यूरोपीय संघ पर अपनी निर्भरता को घटाना चाहता है। उसने यूरोपीय संघ में शामिल होने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसे इसमें भी सफलता नहीं मिली। नाटो देशों के साथ भी उसके संबंध अच्छे नहीं हैं। नाटो के साथ तनावपूर्ण संबंधों और यूरोपीय संघ में शामिल होने की इच्छा की पूर्ति न होने की वजह से ही वह ब्रिक्स का सदस्य बनना चाहता है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका भी नहीं चाहते कि तुर्किए को इस ग्रुप की सदस्यता मिले। इन देशों के भारत में समर्थन की वजह से भी चीन परेशान है।

भारत, तुर्किए की हर कदम पर मदद करता रहा है। प्राकृतिक आपदाओं के समय सर्वाधिक मदद भारत की तरफ से ही की जाती रही है, लेकिन जब भी मौका आया तुर्किए भारत के विरोध में खड़ा हुआ। कश्मीर के मुद्दे पर तो संयुक्त राष्ट्र संघ हो या अन्य कोई मंच हर जगह उसने पाकिस्तान का पक्ष लिया। उसने न सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का साथ दिया, बल्कि उसे हथियार भी मुहैया कराया। ऑपरेशन सिंदूर की निंदा करने वाले देशों में तुर्किए आगे था। अब तो वह बांग्लादेश में भी भारत विरोधी गतिविधियों को हवा देने में लगा है। वहां पर आईएसआई की उपस्थिति कराने में अहम भूमिका निभाई है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की बीच सुलह का सूत्रधार भी तुर्किए के राष्ट्रपति को ही माना जाता है। यही वजह है कि भारत तुर्किए की राह में दीवार बनकर खड़ा है। इससे पहले भी भारत के विरोध के कारण तुर्किए को सदस्यता नहीं मिली थी। रही बात पाकिस्तान की तो भारत के रहते पाकिस्तान इस समूह का सदस्य कभी नहीं बन पाएगा। पाकिस्तान ने इसके लिए चीन की शरण ली है, पर चीन कुछ नहीं कर सकता। भारत के हाथ ब्रिक्स की अध्यक्षता आने से पाकिस्तान और तुर्किए तो परेशान हैं हीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के माथे पर भी बल आ गया है, क्योंकि भारत को अध्यक्षता उस समय मिल रही है, जब ट्रंप की अपरिपक्व व कठोर नीतियों के कारण भारत, चीन और रूस एक साथ आ गए हैं।

ब्राजील भी इन देशों के साथ मजबूती से खड़ा है। ट्रंप के टैरिफ हथियार की धार कमजोर करने में ब्राजील ने अहम भूमिका निभाई है। ट्रंप को डर है कि कहीं ब्रिक्स देश डॉलर के मुकाबले अपनी मुद्रा न लांच कर दें। अगर मुद्रा लांच होगी, तो इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बड़ी और करारी चोट होगी, हालांकि ब्रिक्स देशों ने नई मुद्रा लांच करने का कोई संकेत तो नहीं दिया है, लेकिन यह तय है कि समूह के सदस्य देश सौ प्रतिशत कारोबार डालर के बजाय खुद की मुद्रा में करने को राजी हैं। यह भी अमेरिका के लिए किसी झटके से कम नहीं होगा।

ब्रिक्स में शामिल देश कृषि क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने में जुटे हैं। खाद्य सुरक्षा को वैश्विक दक्षिण के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में मान्यता दे रहे हैं। कृषि व्यापार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जलवायु-अनुकूल खेती और मूल्य श्रृंखला विकास में साझेदारी का विस्तार कर रहे हैं। ये कवायद अमेरिका को चुभ रही है। यही वजह है कि ट्रंप लगातार इन देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, हालांकि उनकी धमकी से 11 देशों वाले ब्रिक्स समूह को कोई फर्क पड़ता नजर नहीं आ रहा है।

अगस्त में ही भारत ने अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था। भारत द्वारा जारी आधिकारिक परिपत्र के तहत ब्रिक्स देशों को वह अपना 100% व्यापार भारतीय रुपये में करेगा। यह फैसला अमेरिका के लिए झटका था। बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और बांग्लादेश भी चाहते हैं कि उन्हें ब्रिक्स की सदस्यता मिले। भारत ने बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब की सदस्यता का विरोध नहीं किया है। अन्य देश भी इन देशों की सदस्यता को लेकर कोई विरोध नहीं कर रहे हैं। ऐसे में यह उम्मीद है कि पाकिस्तान और तुर्किए को छोड़ अन्य देशों को सदस्यता मिल सकती है।

प्रसंगवश

दुनियाभर में नव वर्ष के हैं अनोखे रंग

दुनिया भर के देशों में नया वर्ष मनाने की प्रथाएं एवं परंपराएं हैं। कई काफी अनोखी हैं। प्राचीन रोम में नये वर्ष के अवसर पर भेंट देने की परंपरा थी। रोम के एक बादशाह ने तो भेंट देने के लिए मात्र नववर्ष का अवसर ही नियत किया था। इसके अतिरिक्त अन्य अवसरों पर भेंट दिया जाना निषिद्ध था। स्काटलैंड में नये वर्ष के स्वागत के लिए 31 दिसंबर की रात में 12 बजे से पूर्व ही युवक अपने-अपने घरों से निकलकर अपने-अपने मित्रों के घर जाते हैं। सभी लोग अपने साथ मक्खन, डबल रोटी, टाफियां, केक एवं चाय आदि का सामान भी लाते हैं। 12 बजे रात्रि के बाद जो अतिथि सबसे पहले घर में प्रवेश करता है, उसका स्वागत अत्यंत धूम-धाम तथा हर्ष के साथ किया जाता है। समाज में ऐसी मान्यता है कि नये वर्ष में प्रवेश करने वाला प्रत्येक अतिथि अपने साथ सुख-सम्द्धि एवं सौभाग्य लेकर आता है। अतिथि अपने साथ लाये हुए नाश्ते के सामान को परिवार के प्रत्येक सदस्यों में बांटता है।

अंजु अग्निहोत्री

लेखिका

दक्षिणी अफ्रीका में नया वर्ष राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे क्यू क्वेचवाना कहा जाता है। क्यू क्वेचबाना से तात्पर्य है, ज्वार की फसल तैयार होने के उपलक्ष्य में भगवान को धन्यवाद देने का उत्सव। इसी दिन यहां का राजा अपनी सेनाओं का निरीक्षण भी करता है एवं वीरता प्राप्त सैनिकों को विवाह करने की अनुमति भी प्रदान की जाती है। इस दिन सामूहिक रूप से विवाह का भी आयोजन होता है। बर्मा में नये वर्ष की दिन तिजांन नामक पर्व मनाया जाता है जो नये वर्ष का स्वागत पर्व है। इस दिन जलक्रीड़ा का विशेष आयोजन होता है, जिसमें एक-दूसरे पर पानी फेंका जाता है। तिजांन के दिन प्रातः काल ही भगवान बुद्ध की मूर्तियों को स्वच्छ सुगंधित जल में नहला कर उसकी पूजा की जाती है।

ईरान में नया वर्ष अत्यंत ही हर्षपूर्ण वातावरण में धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार मनाया जाता है। ईरान में नये वर्ष के उत्सव को नौरोज कहा जाता है। नौरोज से 15 दिन पहले ही घर में किसी स्थान पर गेहूं अथवा जौ बो दिया जाता है। नौरोज का दिन आते-आते यह अंकुरित हो जाता है। नौरोज के दिन परिवार के सभी लोग किसी मेज के चारों तरफ बैठ जाते हैं तथा मेज के ऊपर शीशा, अंडा एवं मोमबत्ती रख दिया जाता है। इसके साथ ही एक प्याले में स्वच्छ एवं पवित्र जल के साथ रोटी एवं पवित्र ग्रंथ भी रख दिया जाता है। पानी से युक्त प्याले में गेहूं या जौ के अंकुर को डाल दिया जाता है। बाली द्वीप में नये वर्ष के प्रथम दिन का गालुंगन के दिन सभी लोग मित्रों एवं रिश्तेदारों को उपहार देते हैं तथा उनसे मिलने के लिए दूर दराज गांवों तक भी चले जाते हैं। गालुगंन दिवस के एक सप्ताह बाद तक यह उल्लासमय वातावरण चलता रहता है। एवं सभी काम-धंधे बंद रहते हैं।

जापान में वर्ष के प्रथम दिन नव वर्षोत्सव मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक घरों की विशेष सजावट की जाती है तथा घर के दरवाजे पर हरे बांस के टुकड़े एवं चीड़ वृक्ष की शाखाएं रखी जाती हैं। इनके समाज में बांस सच्चरित्रता तथा दृढ़ता और चीड़ के साथ-साथ गोहेई अर्थात् कागज के तिकोने टुकड़े भी लटकाये जाते हैं। नव वर्ष के दिन प्रातः नदी तालाब या कुंआ से जल लाया जाता है, जिसे नवजात जल कहा जाता है। जापानियों में ऐसी मान्यता है कि इस जल को पीने से आयु में वृद्धि होती है। इस दिन चावल से बने विशेष भोज्य पदार्थ मोर्चा एवं कमल की जड़ खाने की भी प्रथा है। अगर किसी जापानी के ऊपर कर्ज रहता है, तो वह इस दिन निश्चित ही चुकाने का प्रयास करता है।

सोशल फोरम

फिनलैंड की पूर्व राष्ट्रपति क्यों बनीं 'बेघर'

कलम रंगदार

ब्लॉगर

वह न तो कोई भिखारिन हैं और न ही कोई ऐसी शरणार्थी, जिसकी ज़िंदगी पूरी तरह बिखर चुकी हो। वह तार्या हालोनेन हैं- फिनलैंड की राष्ट्रपति, जिन्होंने 2000 से 2012 तक देश का नेतृत्व किया।

उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान फिनलैंड दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में शामिल हो गया। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के मामले में। फ़िनिश कंपनियां भी खूब फली-फूलीं। नोकिया, वार्त्सिला और सून्टो जैसे बड़े नाम लगातार सफल होते रहे। सिर्फ़ 55 लाख की आबादी और कड़ाके की ठंड के बावजूद, फिनलैंड मज़बूती से आगे बढ़ता रहा।

इस तस्वीर में पूर्व राष्ट्रपति सेकेंड-हैंड कपड़े पहने हुए हैं और सड़क पर घंटों बैठी दिखाई देती हैं। बिलकुल किसी बेघर इंसान की तरह। उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि वे खुद उस पीड़ा को महसूस कर सकें और दूसरों को भी गरीबों और शरणार्थियों की ज़िंदगी की कठिनाइयों को समझा सकें।

उन्होंने कहा, "मैं भी एक भिखारिन या शरणार्थी हो सकती थी, लेकिन किस्मत ने मुझे राष्ट्रपति बना दिया। यही वजह है कि जो लोग उतने खुशकिस्मत नहीं हो पाए, उनके लिए मेरे दिल में गहरी संवेदना है।"

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

चार साल में सड़क ने लील लीं 7.77 लाख जिंदगी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में सड़क हादसों को लेकर जो कहा, वह केवल एक मंत्री का बयान नहीं था, बल्कि भावुक, विचलित और एक बेचैन इंसान की स्वीकारोक्ति भी थी कि सड़क हादसे ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसे हम ठीक से रोक नहीं पा रहे हैं। गडकरी का यह कहना कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। इस मामले में केवल सरकार की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक विफलता को प्रकट करती है।

सड़क हादसों के आंकड़े डराते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपी मानवीय कहानियां उनसे भी ज्यादा डराती हैं। गडकरी ने जो जानकारी संसद में दी है, उसके अनुसार देश में हर साल लगभग 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं होती हैं और इनमें 1.8 लाख से ज्यादा लोग मारे जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन लगभग 485 लोग घर से निकलते हैं और फिर कभी लौटकर नहीं आते। कोई पिता ऑफिस जाते हुए मर जाता है। कोई बेटा कॉलेज जाते वक्त दम तोड़ देता है, तो कोई मां सब्जी लेने सड़क पार करते हुए दुनिया को अलविदा कह जाती है। सड़क पर होने वाली हर मौत के साथ एक परिवार टूट जाता है।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 2018 से 2022 के बीच सड़क हादसों में 7.77 लाख से अधिक लोगों की जान जाना केवल एक आंकड़ा नहीं है। यह 7.77 लाख अधूरे सपने और ऐसा दुःख है जो अक्सर चुपचाप सह लिया जाता है। वर्ष 2024 में हादसों की संख्या बढ़कर लगभग 1.80 लाख तक पहुंच जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या इस दर्द का कोई अंत नहीं है। सबसे पीड़ादायक सच यह है कि मरने वालों में सबसे बड़ी संख्या युवाओं की है। 18 से 34 वर्ष की उम्र में जब कोई अपने जीवन की दिशा तय कर रहा होता है और जब परिवार उससे उम्मीदें लगाए बैठा होता है, तब उसकी मौत का मतलब केवल एक व्यक्ति का मर जाना नहीं होता। सड़क हादसा सिर्फ उस एक व्यक्ति को नहीं मारता, वह पूरे परिवार का भविष्य छीन लेता है।

हम अक्सर हादसों के लिए तेज रफ्तार, लापरवाही, नशा आदि कारणों से ड्राइवर को दोष देते हैं। सही है हादसों के ये कारण भी हैं, लेकिन खराब सड़क डिजाइन, बिना संकेतक के बने कट, अंधे मोड़, अधूरी सर्विस लेन, कमजोर ट्रैफिक व्यवस्था भी हादसों के जिम्मेदार हैं। सिर्फ ड्राइवरों को दोष देने से सड़क हादसे नहीं रुकेंगे। जैसा कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा है, सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण अब भी लोगों की लापरवाही है। कई लोग आज भी हेलमेट पहनने से बचते हैं या फिर ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हैं, जबकि भारी जुर्माने का प्रावधान है। जब तक लोगों को सही ट्रेनिंग और जागरूकता नहीं मिलेगी, तब तक ये समस्या बनी रहेगी। हादसे रोकने के लिए हर कारण को दूर करने पर विचार करना होगा। हादसे के बाद मदद का समय पर नहीं पहुंचना भी हताहतों की तादाद बढ़ने का कारण है।। अगर सही समय पर इलाज मिल जाए तो कई जानें बच सकती हैं।

कई बार एंबुलेंस देर से पहुंचती है। लोग मदद करने से डरते हैं। अस्पतालों में व्यवस्था नहीं होती। कई लोग सड़क पर नहीं, बल्कि इलाज न मिलने से मर जाते हैं। हादसे रोकना केवल सरकार की नहीं, समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोग सीट बेल्ट नहीं लगाते। हेलमेट को बोझ समझते हैं। रेड लाइट तोड़ना सामान्य बात मानते हैं। जब तक सड़क सुरक्षा को हम अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक कोई भी नीति पूरी तरह काम नहीं कर सकती। सड़क हादसे रोकने के लिए सामूहिक रूप से काम करना होगा। हर किसी को इसमें योगदान देने के लिए आगे आना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

जौनपुर का शाही किला

ऐतिहासिक धरोहर, वास्तुकला की झलक

जौनपुर का शाही किला शहर से करीब दो किलोमीटर दूर गोमती नदी के किनारे शाही पुल के पास स्थित है। इस ऐतिहासिक किले का निर्माण फिरोज शाह तुगलक ने वर्ष 1362 में कराया था। यह वह समय था जब तुगलक वंश ने जौनपुर को एक मजबूत सैन्य व प्रशासनिक केंद्र का दर्जा दिया था। यह किला अपनी भव्यता और स्थापत्य कला के लिए मशहूर है। मुख्य द्वार के पास शौर्य का प्रतीक विजय स्तंभ, विशाल द्वार और मेहराब देखने लायक हैं। किले से गोमती नदी का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। जौनपुर की विरासत को दर्शाने के साथ शाही किला इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

शाही किला अपनी मजबूत दीवारों, ऊंचे दरवाजों और सुरक्षा की दृष्टि से तैयार की गई गहरी खाई के लिए जाना जाता है। किले का मुख्य द्वार काफी बड़ा और नक्काशीदार है। प्रवेश द्वार की ऊंचाई 36 फुट है, इसके उपर एक विशाल गुंबद बना है। किले के भीतर का गेट 26.5 फुट ऊंचा और 16 फुट चौड़ा है। कभी किले के भीतर कई महल, बावड़ियां और खूबसूरत इमारतें थीं, लेकिन वर्तमान में कुछ ज्यादा नहीं बचा है। किले के भीतर एक मस्जिद और एक तुर्की हम्माम ही केवल दो प्रमुख संरचनाएं बची हैं। परिसर में एक दरगाह के साथ एक गेट जैसी संरचना भी है। हम्माम पर बने ऊंचे,नीचे गुंबद बहुत सुंदर ढंग से बनाए गए हैं। वर्तमान में किला एक संरक्षित इमारत है।

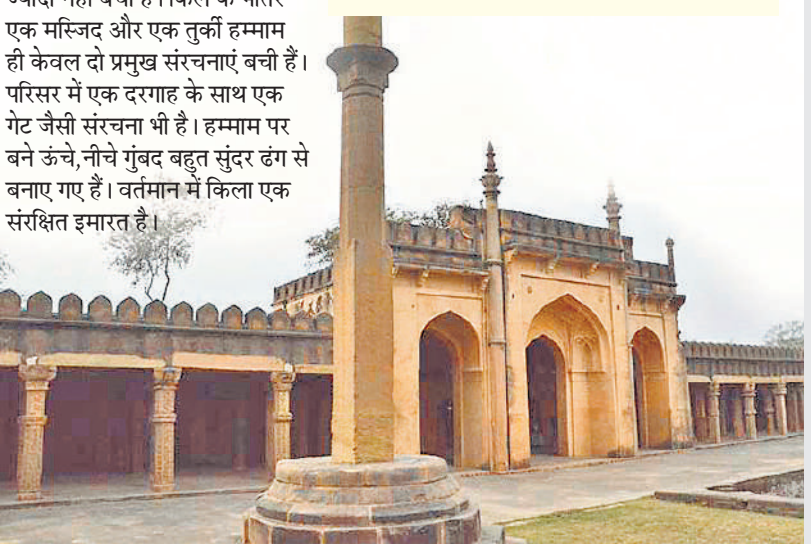

राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का प्रयोग

शाही किला को कन्नौज के राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का उपयोग करके बनाया गया था। इस किले को अनेक शासकों द्वारा कई बार नष्ट किया गया। मुगल साम्राज्य के शासन के दौरान किले का व्यापक जीर्णोद्धार और मरम्मत की गई। इसकी वजह किले का सामरिक रूप में महत्वपूर्ण होना था। बाद में यह किला अवध के नवाबों के अधीन रहा, लेकिन ब्रिटिश शासन के समय इसकी स्थिति कमजोर होती गई।

पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज

पूर्व में इसे केरार कोट किला कहते थे। किले का लेआउट पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज है। दीवारें उभरी हुई मिट्टी की दीवारों से घिरी हुई है। हालांकि मूल संरचनाओं के अधिकांश अवशेष खंडहर हालत में हैं या दफन हो चुके हैं। मुख्य द्वार पूर्व की ओर है। सबसे बड़ा आंतरिक द्वार 14 मीटर ऊंचा है। इसकी बाहरी सतह अशलर पत्थर से बनी है।

बाहरी दीवारों पर सजावटी आले, मेहराबों के बीच नीले-पीले पत्थर

16 वीं शताब्दी में जौनपुर के गवर्नर मिनम खान के संरक्षण में मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान एक और बाहरी द्वार स्थापित किया गया था। इसे एक बगल की बुर्ज के आकार में डिजाइन किया गया है। बाहरी द्वार के मेहराबों के बीच के स्पैन्ड्रेल या रिक्त स्थान को नीले और पीले रंग के पत्थरों से सजाया गया था। बाहरी द्वार की दीवारों में सजावटी आले बनाए गए हैं। किले की संरचना में स्थापित गुंबदों के शीर्ष पर खुलने के कारण प्रकाश अंदर आता है।

तुर्की शैली का हम्माम, मस्जिद निर्माण में हिंदू और बौद्ध शिल्प

किले के भीतर आदर्श तुर्की शैली का एक स्नानघर है, जिसे आमतौर पर हम्माम या भूलभुलैया के नाम से जाना जाता है। हम्माम आंशिक रूप से भूमिगत बना हुआ है, जिसमें इनलेट और आउटलेट चैनल, गर्म और ठंडा पानी और इसी तरह की अन्य सुविधाएं हैं। भीतर एक मस्जिद भी है। इब्राहिम बरबक द्वारा बनवाई गई इस मस्जिद के निर्माण में हिंदू एवं बौद्ध शिल्प कला की छाप साफ दिखाई पड़ती है। इसे जौनपुर शहर की सबसे पुरानी इमारत गिना जाता है। इसके बगल में 12 मीटर ऊंचा पत्थर का स्तंभ है, जिस पर एक फारसी शिलालेख खुदा हुआ है, जो मस्जिद के निर्माण की कहानी बताता है। मस्जिद में तिहरे मेहराब हैं और इसके ऊपर तीन निचले केंद्रीय गुंबद हैं।

रंग-तरंग

खामोश पत्थरों में उतरता संगीत

इतिहास की किताबों में दर्ज कई इमारतें समय के साथ खामोश हो जाती हैं, लेकिन हैदराबाद के सिकंदराबाद स्थित 300 साल पुरानी बंसीलालपेट बावड़ी आज फिर से सांस ले रही है। कभी उपेक्षित और गुमनामी में डूबी यह ऐतिहासिक जल संरचना अब संगीत और कला के जरिए शहर की एक जीवंत सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। 'टैंगी सेशंस' नामक समूह की पहल ने इस बावड़ी को हर वीकेंड एक अनोखे सांस्कृतिक मंच में बदल दिया है। आम दिनों में शांत रहने वाली नक्काशीदार पत्थर की सीढ़ियां शनिवार और रविवार की शाम रोशनी से जगमगा उठती है। शाम 5:45 से रात 8 बजे तक ढलते सूरज की सुनहरी किरणें, बावड़ी की गहराई से आती ठंडी हवा और पानी में पड़ती रोशनी का

प्रतिबिंब मिलकर एक जादुई माहौल रचते हैं। दीवारों से टकराती संगीत की लहरें दर्शकों को इतिहास और वर्तमान के बीच एक रूहानी यात्रा पर ले जाती हैं। टैंगी सेशंस के संस्थापक अर्जुन का मानना है कि विरासत को सहेजने के लिए केवल ढांचे का संरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे जीवंत बनाए रखना जरूरी है। उनके अनुसार, जब लोग बार-बार ऐसे स्थलों पर सांस्कृतिक अनुभव के लिए आते हैं, तो वे केवल दर्शक नहीं रहते, बल्कि उस विरासत के संरक्षक बन जाते हैं। यह पहल दर्शाती है कि कला और संगीत पुराने स्मारकों को नई पीढ़ी से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। बंसीलालपेट बावड़ी आज सिर्फ एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि हैदराबाद की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन चुकी है।

यहां होने वाले कार्यक्रमों की सूची काफी विविधतापूर्ण है। इसमें लोक संगीत, सूफी गायन, कविता पाठ, मुशायरे, थिएटर और आधुनिक रैप सेशंस भी शामिल होते हैं। आयोजक ध्वनि के स्तर (Acoustics) का विशेष ध्यान रखते हैं ताकि संगीत बावड़ी की गरिमा और शांति के साथ मेल खाए। अब तक यहां सूफी गायकों से लेकर वायलिन वादक अभिजीत गुरजले जैसे कलाकार अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ राहत इंदोरी और संजीता भट्टाचार्य जैसे नामचीन सितारे भी यहां शिरकत कर चुके हैं।

आर्ट गैलरी

क्लाउड मोनेट की 'Bridge over a Pond of Water Lilies'

'वॉटर लिली के तालाब पर पुल' क्लाउड मोनेट की 1899 की मशहूर इंप्रेशनिस्ट ऑयल पेंटिंग है। इसमें फ्रांस के गिवर्नी में उनके वॉटर लिली गार्डन के ऊपर बनाया गया जापानी-स्टाइल का लकड़ी का पैदल पुल दिखाया गया है। इसमें चमकीले हरे, नीले और गुलाबी रंगों को एक्सप्रेसिव ब्रशस्ट्रोक के साथ इस्तेमाल किया गया है। यह पेंटिंग न्यूयार्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कलेक्शन का हिस्सा है।

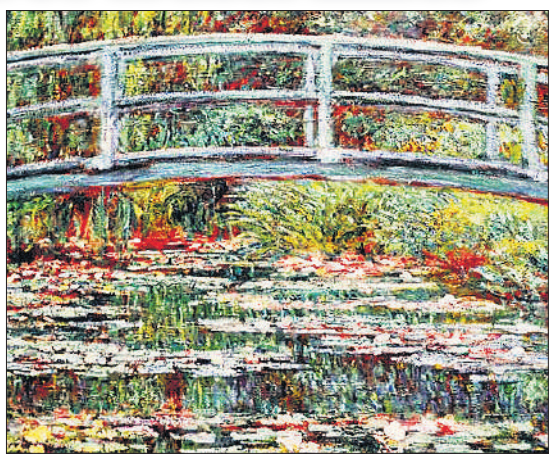

क्लाउड मोनेट के बारे में

ऑस्कर-क्लाउड मोनेट फ्रांसीसी चित्रकार थे। वह फ्रेंच इंप्रेशनिस्ट पेंटिंग के संस्थापक भी रहे। उनके पिता एडोल्फ मोनेट किराना व्यापारी थे। सबसे बड़े बेटे क्लाउड जब पांच बरस के थे, तो परिवार नॉर्मंडी तट पर ले हावरे के पास चला गया। उनका ज्यादातर समय समुद्र तटों पर बीता। यहीं से प्रकृति के प्रति उनकी नई सोच का जन्म हुआ। 15 साल की उम्र तक, मोनेट ने ले हावरे के कई स्थानीय लोगों के चारकोल कैरिकेचर बनाकर अपना नाम कमा लिया था। ये चित्र, जिन्हें वह 10-20 फ्रैंक में बेचते थे, उन पर 'ओ. मोनेट' के सिग्नेचर थे। वह इंप्रेशनिस्ट दर्शन के सबसे सुसंगत कलाकार थे। खासकर खुले आसमान के नीचे लैंडस्केप पेंटिंग के मामले में। 'इंप्रेशनिज्म' शब्द उनकी पेंटिंग इंप्रेशन, (इंप्रेशन, सनराइज) के शीर्षक से लिया गया है, जिसे 1874 में मोनेट और उनके सहयोगियों द्वारा सैलून डी पेरिस के विकल्प के रूप में आयोजित पहली स्वतंत्र प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया था। 1883 से, मोनेट गिवर्नी में रहते थे, जहां उन्होंने एक घर और प्रॉपर्टी खरीदी और एक बड़ा लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट शुरू किया, जिसमें लिली के तालाब शामिल थे, जो उनके सबसे मशहूर कामों का विषय बने। उन्होंने 1899 में वॉटर लिलीज की पेंटिंग बनाना शुरू किया, पहले जापानी पुल को मेन सब्जेक्ट बनाकर वर्टिकल व्यू में और बाद में बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स की सीरीज में, जिसमें वह अपनी जिंदगी के अगले 20 साल लगातार व्यस्त रहे। मोनेट का निधन 5 दिसंबर, 1926 को 86 साल की उम्र में फेफड़ों की बीमारी से हुआ। उनकी इच्छा के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार छोटा और सादा रहा।

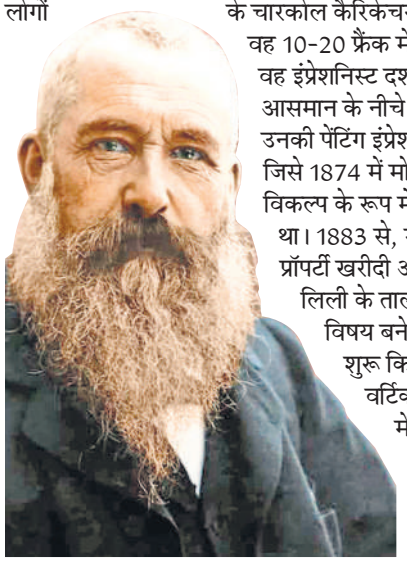

परंपराएं दुनिया की

रोमानिया की अनोखी परंपरा

नए साल का जश्न दुनियाभर में अलग-अलग अंदाज में मनाया जाता है। कहीं केक काटे जाते हैं, कहीं आतिशबाजी होती है, तो कहीं संगीत और नृत्य के साथ नए साल का स्वागत किया जाता है, लेकिन रोमानिया में नए साल का जश्न एक बिल्कुल अलग और अनोखी परंपरा के साथ मनाया जाता है, जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाए।

यहां लोग नए साल के अवसर पर भालुओं जैसी भारी-भरकम पोशाकें पहनकर सड़कों पर उतरते हैं और पारंपरिक नृत्य करते हैं। इस परंपरा को 'डांस ऑफ द बेयर' कहा जाता है, जो सदियों पुरानी लोक मान्यताओं से जुड़ी हुई है। माना जाता है कि भालू शक्ति, साहस और संरक्षण का प्रतीक होता है। भालू का यह नृत्य बुरी आत्माओं को दूर भगाने और आने वाले साल के लिए धरती को उपजाऊ व समृद्ध बनाने में सहायक माना जाता है। नृत्य के दौरान ढोल-नगाड़ों की तेज धुनें, रंग-बिरंगी वेशभूषा और सामूहिक उत्साह पूरे माहौल को जीवंत बना देते हैं। यह परंपरा न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि रोमानिया की सांस्कृतिक विरासत और लोक जीवन की गहराई को भी दर्शाती है।

फड़ चित्रकला: लोकआस्था की जीवंत परंपरा

फड़ चित्रकला राजस्थान की एक दुर्लभ और ऐतिहासिक लोककला है, जिसकी परंपरा लगभग 700 वर्षों से एक ही वंश में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। इसकी उत्पत्ति राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के पास स्थित शाहपुरा क्षेत्र में मानी जाती है। फड़ वस्तुत: एक विशाल स्क्रॉल पेंटिंग होती है, जिसमें स्थानीय देवी-देवताओं और लोकनायकों की विस्तृत धार्मिक कथाएं चित्रित की जाती हैं। इन चित्रों को चलती-फिरती या 'मोबाइल मंदिर' के रूप में देखा जाता था। रबारी जनजाति के पुजारी-गायक, जिन्हें भोपा और भोपी कहा जाता है, इन्हें अपने साथ गांव-गांव ले जाते थे।

लोकायन

रबारी जनजाति देवनारायणजी (विष्णु के अवतार) और लोकनायक पाबूजी की वीर गाथाओं को गायन और कथा-प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत करते थे। सूर्यास्त के बाद फड़ को खोला जाता था और यह प्रस्तुति पूरी रात चलती रहती थी। स्थानीय बोली में 'फड़' का अर्थ 'मोड़ना' होता है, जो इस कला के स्वरूप को भी दर्शाता है। फड़ चित्रकला अत्यंत श्रमसाध्य और अनुशासनबद्ध प्रक्रिया से बनती है। इसे हाथ से बुने मोटे सूती कपड़े पर बनाया जाता है, जिसे पहले रातभर भिगोया जाता है ताकि धागे मजबूत हो सकें। इसके बाद चावल या गेहूं के आटे से बने स्टार्च से कपड़े को कड़ा किया जाता है, धूप में सुखाया जाता है और मूनस्टोन से रगड़कर सतह को चिकना व चमकदार बनाया जाता है।

इस कला की एक विशेषता इसका पूर्णतः प्राकृतिक होना है। रंग पत्थरों, फूलों, पौधों और जड़ी-बूटियों से तैयार किए जाते हैं। कलाकार इन्हें स्वयं बनाते हैं और गोंद व पानी के साथ मिलाकर कपड़े पर प्रयोग करते हैं। फड़ चित्रकला में पीला, नारंगी, हरा, भूरा, लाल, नीला और काला रंग प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं। प्रत्येक रंग का प्रतीकात्मक उपयोग होता है- पीला प्रारंभिक रेखांकन और आभूषणों के लिए, नारंगी शरीर के अंगों के लिए, हरा वनस्पति के लिए, भूरा वास्तु संरचनाओं के लिए, लाल शाही वस्त्रों और सीमाओं के लिए, नीला जल व पर्दों के लिए, जबकि काला रंग अंत में रूपरेखा उभारने के लिए प्रयोग किया जाता है। इतनी सख्त पारंपरिक सीमाओं के कारण यह कला एक समय लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। ऐसे में प्रसिद्ध फड़ चित्रकार और पद्मश्री से सम्मानित श्री लाल जी जोशी ने 1960 में भीलवाड़ा में जोशी कला कुंज की स्थापना कर इस परंपरा को नया जीवन दिया। उन्होंने पहली बार परिवार के बाहर के कलाकारों को भी फड़ कला सिखाने का साहसिक कदम उठाया। उनके पुत्र गोपाल और कल्याण जोशी के नेतृत्व में यह प्रयास और विस्तृत हुआ और 1990 में इस संस्थान का नाम चित्रशाला रखा गया। आज तक चित्रशाला में 3,000 से अधिक कलाकार प्रशिक्षित हो चुके हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल कला को जीवित रखना नहीं, बल्कि उसकी पारंपरिक तकनीकों और प्राकृतिक रंगों की जटिल प्रक्रियाओं को भी संरक्षित करना रहा है। फड़ चित्रकला केवल दृश्य सौंदर्य की कला नहीं, बल्कि सदियों पुरानी लोककथाओं, आस्था और सांस्कृतिक स्मृति का जीवंत दस्तावेज है। आधुनिक समय में ऐसी कलात्मक विरासतों को बढ़ावा देना आवश्यक है, क्योंकि यही भारत की लोकसंस्कृति और ऐतिहासिक चेतना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,675.08	25,938.85
गिरावट	20.46	3.25
प्रतिशत में	0.02	0.01

सोना 1,39,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

ब्लिंकिट के सीएफओ विपिन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। इटर्नल के स्वामित्व वाली त्वरित वाणिज्य कंपनी ब्लिंकट के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) विपिन कपूरिया ने इस्तीफा दे दिया है। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने बताया कि कपूरिया ब्लिंकट से अलग हो गए हैं। हालांकि, इस संबंध में ब्लिंकट या उसकी मूल कंपनी इटर्नल की ओर से कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया। कपूरिया फ्लिपकार्ट के पूर्व कार्यकारी रह चुके हैं और एक साल पहले की ब्लिंकट के साथ जुड़े थे। कपूरिया ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है जब भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है और कंपनी की प्रतिद्वंद्वी जेप्टो ने आईपीओ के माध्यम से 11,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं।

एअर इंडिया : प्लेटिनम व गोल्ड किट में बदलाव

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया ने नए साल के मौके पर अपने गोल्ड और प्लेटिनम किटों में बदलाव की घोषणा की है। जो यात्री गोल्ड और प्लेटिनम स्टेटस के लिए योग्यता हासिल करते हैं, उन्हें यात्रा के दौरान ये किट प्रदान किए जाते हैं। महाराजा क्लब प्लेटिनम वेलकम किट में एक लेदर फोलियो, सदस्यता कार्ड, फ्रिज मैगनेट, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग, पासपोर्ट होल्डर, विशेष ताश के पत्ते और स्मारक पीतल का मेडल प्रदान किया जाएगा। महाराजा क्लब गोल्ड वेल्कम किट में सदस्यता कार्ड, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग और एक्रिलिक टी कोस्टर होगा।

डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 23.25 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.75 रुपये का बोला गया। इससे पहले लगातार तीन दिन भारतीय मुद्रा कमजोर हुई थी। सोमवार को यह आठ पैसे टूटकर 89.9825 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया मंगलवार को 89.98 रुपये प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर खुला और इसके बाद लगातार मजबूत हुआ। यह ऊपर 89.73 रुपये प्रति डॉलर तक गया और अंत में 89.75 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बैंकों की डॉलर बिकवाली से रुपया मजबूत हुआ है।

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों और सोशल मीडिया कंपनियों को जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों विशेषकर सोशल मीडिया कंपनियों को आगाह किया कि यदि वे अश्लील, अभद्र, बाल यौन शोषण से जुड़ी और अन्य प्रकार की गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 29 दिसंबर 2025 को जारी चेतावनी में सोशल मीडिया कंपनियों से अपने अनुपालन ढांचे की तत्काल समीक्षा करने और अपने मंच पर अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही कहा कि ऐसा करने में विफल रहने पर उन्हें देश के कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है।

केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि सोशल मीडिया मध्यस्थों सहित मध्यस्थों को याद दिलाया जाता है कि वे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत वैधानिक रूप से बाध्य हैं कि वे अपने मंचों पर या उनके माध्यम से अपलोड, प्रकाशित, होस्ट, साझा या प्रसारित की गई तृतीय-पक्ष की जानकारी के संबंध में दायित्व से छूट प्राप्त करने की शर्त के रूप में उचित सावधानी बरतें। यह चेतावनी ऐसे समय जारी की गई है कि जब इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह पाया कि सोशल मीडिया मंच अश्लील, भद्दी, अनुचित और गैरकानूनी सामग्री पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। केंद्र ने दोहराया है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और/या सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर मध्यस्थों, मंचों तथा उनके उपयोगकर्ताओं के खिलाफ आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य लागू आपराधिक कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के उन प्रावधानों की भी याद दिलाई है जिनके तहत ऑनलाइन मंचों को यह सुनिश्चित करने के लिए यथोचित प्रयास करने होते हैं कि उनके कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग करने वाले लोग ऐसी कोई जानकारी होस्ट, प्रदर्शित, अपलोड, संशोधित, प्रकाशित, प्रसारित, संग्रहित, अद्यतन या साझा न करें जो अश्लील (पोर्नोग्राफिक), बाल यौन शोषण से जुड़ी (पीडोफिलिक), बच्चों के लिए हानिकारक या अन्यथा गैरकानूनी हो। मंत्रालय ने कहा कि उसके संज्ञान में यह आया है कि मध्यस्थों द्वारा उचित परिश्रम संबंधी दायित्वों के पालन में अधिक निरंतरता एवं सख्ती की आवश्यकता है।

तय समय के भीतर हटाएं गैरकानूनी सामग्री

आईटी मंत्रालय ने मध्यस्थों से कहा कि वे अदालत के आदेश या उपयुक्त सरकार या उसकी अधिकृत एजेंसी से प्राप्त सूचना पर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। यह कार्रवाई आईटी नियम, 2021 में निर्धारित समयसीमा के भीतर सख्ती से की जाए। आईटी नियम, 2021 के तहत अनिवार्य है कि यदि किसी व्यक्ति की ओर से शिकायत की जाती है और सामग्री प्रथमदृष्टया किसी को यौन कृत्य या आचरण में दर्शाती है या उसका प्रतिरूपण है तो मध्यस्थ 24 घंटे के भीतर ऐसी सामग्री को हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। ऑनलाइन मंचों से अपने आंतरिक अनुपालन ढांचे, सामग्री नियंत्रण प्रक्रियाओं और उपयोगकर्ता प्रवर्तन तंत्र की तत्काल समीक्षा करने तथा आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के प्रावधानों का सख्त पालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को प्रमुख सूचकांक दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 20.46 अंक (0.02%) गिरकर 84,675.08 अंक पर बंद हुआ। यह ऊपर 84,806.99 अंक और नीचे 84,470.94 अंक तक गया। एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक भी 3.25 अंक यानी 0.01 प्रतिशत टूटकर 25,938.85 अंक पर आ गया। मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली ज्यादा देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.28 फीसदी नीचे बंद हुआ। धातु, बैंकिंग और ऑटो सेक्टरों में लिवाली की जोर रहा। वहीं, रियलिटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलिटी, आईटी, रसायन और स्वास्थ्य समूहों में बिकवाली हावी रही।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटा, 2022 के बाद सबसे निचला स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था, दिसंबर में रह गया 12 लाख**

दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात तेजी से घट सकता है लेकिन यह गिरावट आपूर्ति स्रोतों में किसी संरचनात्मक बदलाव के बजाय अल्पकालिक बाधाओं की ओर इशारा करती है।

ताजा आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रहने का अनुमान है, जो नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। भारतीय रिफाइनरी गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। विश्लेषकों ने अक्टूबर में ही इस गिरावट की ओर इशारा किया था। ऐसा रूस के शीर्ष निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई तथा रूस से जुड़े उत्पाद प्रवाह पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के चलते हुआ।

केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, दिसंबर में भारत में रूसी कच्चे तेल की मांग तेजी से सुस्त हुई और आयात 2022 के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गया है। प्रमुख रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगे प्रतिबंधों के बाद खरीद घटा दी है। यह एक अल्पावधि का समायोजन है और जनवरी से नए बिचौलियों के आने तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के दोबारा स्थापित होने के साथ धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और वह यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था।

वित्तीय विवरण, वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के लिए एक महीना और मिला

नई दिल्ली। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने मंगलवार को कंपनियों के लिए वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी। यह विस्तार कंपनी कानून के तहत वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित फाइलिंग के लिए दिया गया है। पहले यह समयसीमा 31 दिसंबर को समाप्त होने वाली थी।

मंत्रालय ने यह फैसला विभिन्न हितधारकों से मिले आवेदनों को ध्यान में रखते हुए लिया है। कई कंपनियों और पेशेवरों ने फाइलिंग प्रणाली से जुड़ी तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं की ओर मंत्रालय का ध्यान दिलाया था। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा, हितधारकों से मिले

- **कंपनियां अब 31 जनवरी तक दाखिल कर सकेंगी अपना वार्षिक रिटर्न**

आवेदनों को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित अपनी वार्षिक फाइलिंग 31 जनवरी 2026 तक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पूरी करने की अनुमति दी जाए। परिपत्र के अनुसार, अतिरिक्त शुल्क के बगैर दाखिल किए जा सकने वाले ई-फॉर्म में एमजीटी-7, एमजीटी-7ए, एओसी-4, एओसी-4 सीएफएस, एओसी-4 एनबीएफसी (इंड एएस), एओसी-4 सीएफएस एनबीएफसी (इंड एएस) और एओसी-4 (एक्सबीआरएल) शामिल हैं।

रिलायंस के लिए कार्यबल में दस गुना उत्पादकता बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रिलायंस एआई घोषणा पत्र का मसौदा पेश किया। इसमें समूह को एआई आधारित उन्नत प्रौद्योगिकी उद्यम बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है। साथ ही छह लाख से अधिक कर्मचारियों की उत्पादकता में दस गुना सुधार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था पर 10 गुना प्रभाव डालने का लक्ष्य रखा गया है।

एआई को मानव इतिहास का सबसे प्रभावशाली तकनीकी विकास बताते हुए अंबानी ने कहा कि उनका समूह भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व करना चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने डिजिटल रूपांतरण का किया था। समूह का संकल्प हर भारतीय के लिए आसानी से एआई उपलब्ध कराना है, जिसमें सुरक्षा, भरोसा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए सभी व्यवसायों में एआई को गहराई से समाहित किया जाएगा।

पाइपलाइन शुल्क ढांचे में सुधार के बाद सीएनजी-पीएनजी कीमतें घटनी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आने वाले दिनों में कई शहरी गैस कंपनियां घटा सकती हैं कीमतें**

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) की तरफ से पाइपलाइन शुल्क ढांचे में किए गए सुधार का सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने लगा है। शहरी गैस वितरक कंपनियों ने सीएनजी और घरों तक पाइप से पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस की कीमतों में कटौती शुरू कर दी है।

पीएनजीआरबी ने 16 दिसंबर को प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए एक युक्तिसंगत और एकीकृत शुल्क ढांचे की घोषणा की थी। यह नया ढांचा एक जनवरी, 2026 से लागू होने वाला है। इस फैसले के बाद थिंक गैस कंपनी ने कई राज्यों में गैस कीमतें घटाने की घोषणा कर दी है और आने वाले दिनों में कई अन्य शहरी गैस वितरक कंपनियों के ऐसा करने की संभावना है। नियामक का कहना है कि नए ढांचे से गैस परिवहन प्रणाली अधिक सरल, न्यायसंगत और किफायती बनेगी। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण, सीएनजी और घरेलू रसोई ईंधन के रूप में किया जाता है।

संशोधित शुल्क व्यवस्था के तहत दूरी आधारित शुल्क क्षेत्रों की संख्या तीन से घटाकर दो कर दी गई है। ये दो शुल्क क्षेत्र 300 किलोमीटर तक और उससे अधिक दूरी के हैं। सीएनजी और घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए अब पूरे देश में एकसमान, कम दर वाला जोन-1 शुल्क ही लागू होगा। यह दर लगभग 54 रुपये प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट है, चाहे गैस स्रोत की दूरी कुछ भी हो। इससे पहले लंबी दूरी वाली गैस पर अधिक शुल्क वसूला जाता था। शुल्क कटौती के बाद शहरी गैस वितरण से जुड़ी कंपनी थिंक गैस ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में सीएनजी की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक और घरेलू पीएनजी में लगभग तीन रुपये प्रति मानक घन मीटर की कटौती की घोषणा की है।

नया साल... नए नियम

कल से होगा बदलाव, जेब पर पड़ेगा असर

एक जनवरी 2026 से बैंकिंग, सैलरी, टैक्स और घर के खर्च से जुड़े कई बदलाव लागू होंगे जो जो आम लोगों की जेब और रोजमर्रा की जिंदगी पर सीधा असर डालेंगे। बैंकिंग से लेकर किसानों की योजनाओं और घरेलू बजट तक काफी कुछ नया आने वाला है। कहा जा रहा है कि ये बदलाव दिशा-निर्देशों को मजबूत बनाने और लोगों को राहत देने के लिए हैं।

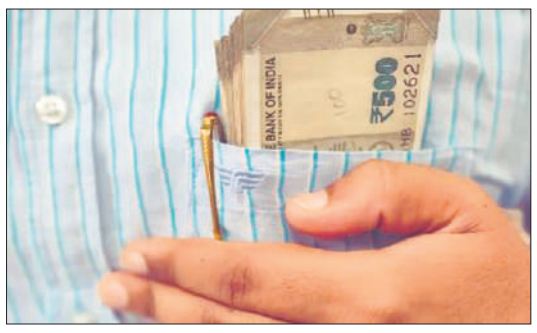

बैंकिंग में होंगे कई नए बदलाव, सीधा जेब पर पड़ेगा असर

- प्रमुख बदलाव क्रेडिट स्कोर में होगा। अब क्रेडिट ब्यूरो ग्राहकों का डेटा हर हफ्ते अपडेट करेंगे जो पहले हर 15 दिन में होता था। यानी लोन की ईएमआई समय पर चुकाने क्रेडिट स्कोर जल्दी बेहतर दिखेगा। इससे लोन मिलना आसान होगा और ब्याज दरें भी प्रभावित होंगी।
- कर्ज लेने वालों को भी नए साल में थोड़ी राहत मिल सकती है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े बैंक पहले ही लोन की ब्याज दरें कम कर चुके हैं। जनवरी से फिक्स्ड डिपॉजिट की नई दरें भी लागू होंगी। इससे आपकी बचत बढ़ेगी।
- बदलने जा रहे नियमों में एक और महत्वपूर्ण नियम पैन और आधार को लिंक करने का है। ज्यादातर बैंकिंग और सरकारी सेवाओं के लिए दोनों को लिंक करना अनिवार्य हो जाएगा। अगर ऐसा नहीं किया तो खाते बंद किए जा सकते हैं या सेवाएं भी रोकी जा सकती हैं।
- डिजिटल पेमेंट पर भी नजर रखी जाएगी। यूपीआई ट्रांजेक्शन पर बैंक जांच बढ़ाएंगे। साथ ही व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे एप्स के लिए सिम वेरिफिकेशन के नियम सख्त होंगे। यह कदम उठाने के पीछे धोखाधड़ी रोकने का मकसद बताया जा रहा है।

वेतन और मजदूरी में बदलाव

- सातवें वेतन आयोग की अवधि 31 दिसंबर 2025 को खत्म हो रही है, इसलिए आठवां वेतन आयोग 1 जनवरी 2026 से लागू होने की उम्मीद है।
- महंगाई भत्ते में भी जनवरी से बढ़ोतरी होने की संभावना है, जो कुछ राहत देगी। कुछ राज्यों में मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी की समीक्षा हो सकती है।

यूनिक फार्मर आईडी होगी जरूरी

- उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पीएम-किसान की किस्त पाने के लिए यूनिक फार्मर आईडी जरूरी हो जाएगी। बिना इसके पेमेंट रुक सकता है या देरी हो सकती है।
- पीएम किसान फसल बीमा योजना में अब जंगली जानवरों से हुए नुकसान को भी कवर किया जाएगा। लेकिन इसके लिए रिपोर्ट 72 घंटे के अंदर देनी होगी।

ईंधन की कीमतों में बदलाव

- घर का बजट प्रभावित हो सकता है। 1 जनवरी से एलपीजी, कमर्शियल गैस और एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतें बदलेंगी। इससे रसोई का खर्च और हवाई यात्रा की टिकट महंगी या सस्ती हो सकती हैं।

सरकार ट्रेजरी बिलों के जरिए 3,84,000 करोड़ रुपये जुटाएगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) के लिए 3,84,000 करोड़ रुपये के ट्रेजरी बिलों की नीलामी का कैलेंडर जारी किया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये ट्रेजरी बिल 91 दिन, 182 दिन और 364 दिन की मियादों के साथ अलग-अलग मूल्य के लिए जारी किए जाएंगे। पहली नीलामी 7 जनवरी 2026 और उसके बाद 25 मार्च तक हर सातवें दिन होगी। कैलेंडर के मुताबिक, पहले पांच सप्ताह तीनों मियादों को मिलाकर कुल 29-29 हजार करोड़ रुपये के टी-बिल की नीलामी होगी।

गूगल यूजर डेटा खोए बिना बदल सकेंगे जीमेल आईडी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कंपनी चरणबद्ध ढंग से लागू कर रही है ये नया फीचर**

गूगल खाताधारक अब अपनी प्राथमिक 'एट जीमेल डॉट कॉम' ईमेल आईडी को नई आईडी में बदल सकेंगे, इसके साथ उनके मौजूदा खाते का सारा डेटा सुरक्षित रहेगा। प्रौद्योगिकी दिग्गज गूगल ने इस फीचर को चरणबद्ध तरीके से जारी करना शुरू कर दिया है।

यह अपडेट फिलहाल गूगल के आधिकारिक सपोर्ट पेज के कुछ भाषा संस्करणों पर दिखाई दे रहा है। इसके अनुसार, खाते में सेव किया गया फोटो, संदेश और ईमेल जैसा डेटा नई जीमेल आईडी पर जाने के बाद भी पूरी तरह अप्रभावित रहेगा। गूगल की वेबसाइट के मुताबिक, गूगल खाते से जुड़े ईमेल पता का उपयोग आप गूगल की सेवाओं में साइन इन करने के लिए करते हैं। यह ईमेल पता आपको और दूसरों को आपके खाते की पहचान करने में मदद करता है। यदि आप चाहें, तो आप अपने गूगल खाते का वह ईमेल पता जो ''जीमेल डॉट कॉम'' पर खत्म होता है, उसे नए जीमेल डॉट कॉम ईमेल पते में बदल सकते हैं।

कहा गया है, गूगल खाते में पुराना 'जीमेल डॉट कॉम' वाला ईमेल पता एक एलियस के रूप में सेट कर दिया जाएगा। आपके खाते में सेव किया गया डेटा, जिसमें फोटो, संदेश और पुराने ईमेल पते पर भेजे गए ईमेल शामिल हैं, प्रभावित नहीं होंगे।

नई-पुरानी दोनों आईडी का कर सकेंगे उपयोग

यूजर पुराने या नए, दोनों ईमेल पतों का उपयोग करके जीमेल, मैप्स, यूट्यूब और ड्राइव जैसी गूगल सेवाओं में साइन इन कर सकेंगे। इसे चरणों में लागू किया जा रहा है। नया जीमेल पता बनाने के बाद अगले 12 महीनों तक कोई और नया पता नहीं बनाया जा सकेगा, हालांकि पुराने पते का उपयोग किया जा सकता है। यह जानने के लिए कि फीचर खाते में सक्रिय है या नहीं, इसके लिए यूजर गूगल अकाउंट की 'पर्सनल इन्फॉर्मेशन' श्रेणी में 'ईमेल' खंड देख सकते हैं।

सीओएआई का नवी मुंबई हवाई अड्डे पर नेटवर्क की मंजूरी न देने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

- **एकाधिकार का मुद्दा उठाया, शुल्क भी अत्यधिक लगाने का आरोप**

दूरसंचार कंपनियों के संगठन सीओएआई ने हाल ही में शुरू हुए नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'राइट ऑफ वे' (आरओडब्ल्यू) की अनुमति न दिए जाने और अत्यधिक शुल्क लगाए जाने के मुद्दे पर मंगलवार को दूरसंचार विभाग से दखल देने की मांग की। अदाणी समूह के स्वामित्व वाले हवाई अड्डे ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह दरों के मामले में किसी भी तरह के 'कार्टेल' के दबाव में नहीं आएगा।

आरओडब्ल्यू का मतलब सार्वजनिक एवं निजी परिसरों में दूरसंचार अवसंरचना की तैनाती और संचालन से जुड़े अधिकारों और नियमों से है। इसके बगैर किसी भी संपत्ति पर दूरसंचार नेटवर्क का विस्तार कर पाना संभव नहीं है। दूरसंचार सचिव को लिखे पत्र में सीओएआई ने कहा कि वैधानिक आरओडब्ल्यू ढांचे का पालन सुनिश्चित करने, प्रतिस्पर्धी तटस्थता बनाए रखने और यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए दूरसंचार विभाग का हस्तक्षेप जरूरी है। सीओएआई के मुताबिक, भारती एयरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया ने हवाई अड्डा परिसर में निर्बाध 4जी और 5जी सेवाएं देने के लिए आईबीएस नेटवर्क स्थापित करने की अनुमति मांगी थी लेकिन दूरसंचार अधिनियम, 2023 और आरओडब्ल्यू नियम, 2024 के विपरीत मंजूरी नहीं दी गई।

संगठन ने डीओटी से आरओडब्ल्यू की अनुमति देने और कथित एकाधिकार व्यवस्था की जांच की मांग की है। इन आरोपों पर नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) ने कहा कि मोबाइल नेटवर्क के लिए आईबीएस अवसंरचना व्यक्तिगत दूरसंचार कंपनियों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद स्थापित की गई है और सरकारी कंपनी बीएसएनएल पहले से ही परीक्षण के उन्नत चरण में है।

इंडिगो को मिला 458.26 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो को जीएसटी विभाग से 458.26 करोड़ रुपये के जुर्माने का नोटिस मिला है। दिसंबर के पहले सप्ताह में बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करने के बाद कंपनी को केंद्रीय जीएसटी से जुड़ा यह दूसरा नोटिस है।

एयरलाइंस ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे दक्षिणी दिल्ली कमिश्नरेट में केंद्रीय जीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त से 29 दिसंबर को यह नोटिस प्राप्त हुआ है। इसमें 4,58,26,16,980 रुपये का जीएसटी, ब्याज और जुर्माना भरने के लिए कहा गया है। यह मांग वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 की अवधि के लिए है। जीएसटी विभाग ने इस नोटिस में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त मुआवजे पर जीएसटी के साथ ब्याज और जुर्माने की मांग की है। साथ ही कंपनी द्वारा लिए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट को भी अवैध बताया है।

एयरलाइंस ने कहा है कि जीएसटी विभाग की ओर से जारी आदेश त्रुटिपूर्ण और कानून के खिलाफ है। उसने कहा है कि वह इसे चुनौती देगी और समुचित वैधानिक उपाय करेगी। कंपनी ने बताया है कि वित्त वर्ष 2017-18 के लिए इसी तरह के एक नोटिस के खिलाफ उसने अपील की है। इससे पहले, दक्षिणी दिल्ली कमिश्नरेट की तरफ से ही कंपनी को 11 दिसंबर को 58.75 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने का नोटिस दिया गया था।

पर्यटन में पिछड़ापन

क्रिसिल की रिपोर्ट में यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक 2024 के हवाले से जारी किए गए आंकड़े

सुरक्षा, सफाई और नीतियों की कमी के कारण भारत नहीं आते विदेशी पर्यटक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में पर्यटन के लिए प्रचुर प्राकृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक संसाधन मौजूद होने के बावजूद बुनियादी ढांचों की कमी के कारण भारत विदेशी सैलानियों को लुभाने के मामले में पिछड़ रहा है। बाजार अध्ययन एजेंसी क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक 2024 के हवाले से बताया गया है कि पर्यटन के लिए सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों के मामले में भारत दुनिया में सातवें स्थान पर है लेकिन अनुकूल परिवेश के मामले में उसका नंबर 102 है जिसकी वजह यहां सुरक्षा, सफाई और नियामक नीतियों में निरंतरता की कमी है।

रिपोर्ट के मुताबिक पर्यटकों के लिए सुविधाओं के मामले में खामियों के कारण ही यहां उस अनुपात में पर्यटक नहीं आते जितने आने चाहिए। बुनियादी ढांचा और सेवाओं के मामले में भारत 52वें स्थान पर है। इसमें सीमित होटल क्षमता, अंतिम बिंदु तक संपर्क साधनों की कमी और अल्पविकसित सर्किटों को रेखांकित किया गया है। यात्रा एवं पर्यटन में पर्यावरण का ख्याल रखने के मामले में भारत को 78वां स्थान प्राप्त है और कई लोकप्रिय स्थलों पर भीड़भाड़ की समस्या भी है। क्रिसिल इंटेलिजेंस का कहना है कि देश के पर्यटन क्षेत्र में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का है जिनमें होटल, होमस्टे, हस्तशिल्प, खाने-पीने के आउटलेट, स्थानीय गाइड, टूर ऑपरेटर और परिवहन सेवा देने वाले शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि पर्यटन बढ़ने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के साधन बढ़ते हैं।

पिछले साल 294 करोड़ पर्यटकों में एक प्रतिशत से भी कम आए विदेशी

साल 2024 में देश में पर्यटकों की संख्या करीब 294 करोड़ रही जिसमें 99.3 प्रतिशत घरेलू और मात्र 0.7 प्रतिशत विदेशी थे। भारत की जीडीपी में पर्यटन की हिस्सेदारी महज 5.2 प्रतिशत है जबकि वैश्विक और दक्षिण-पूर्व एशिया में यह औसत 10-10 प्रतिशत है। यूरोप का औसत 9.6 प्रतिशत और उत्तरी अमेरिका का 8.9 प्रतिशत है। साल 2024 में 2.06 करोड़ विदेशी सैलानी भारत आए और इस मामले में हमारी हिस्सेदारी 1.4 प्रतिशत रही। फ्रांस में 2024 में विदेशी पर्यटकों की संख्या 10.2 करोड़ (6.96 प्रतिशत), स्पेन में 8.9 करोड़ (6.08 प्रतिशत), अमेरिका में 6.65 करोड़ (4.54 प्रतिशत), तुर्की में 5.99 करोड़ (4.09 प्रतिशत) और इटली में 5.7 करोड़ (3.89 प्रतिशत) रही। हालांकि पिछले सालों में भारत में पर्यटन से आय बढ़ी है।

विदेश में भारतीय पर्यटक दुनिया में सबसे ज्यादा खर्च करने वालों में

रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेश जाने वाले भारतीय पर्यटक दुनिया के सबसे ज्यादा खर्च करने वालों में गिने जाते हैं। वे सर्वाधिक खर्च लग्जरी, लीजर और दिल को छू लेने वाले अनुभवों पर खर्च करते हैं। इन पर्यटकों को देश में ही उसी तरह के अनुभव प्रदान करके पर्यटन क्षेत्र की कमाई में काफी इजाफा किया जा सकता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, साल 2023-24 में भारतीयों ने विदेश यात्राओं पर 17 अरब डॉलर खर्च किए। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने बुनियादी ढांचा और संपर्क साधनों को खामियों को दूर करने, विश्व स्तरीय गंतव्यों के लिए कार्यक्रम तैयार करने, यात्रा और देश में प्रवेश को आसान बनाने, पर्यटक स्थलों पर प्रबंधन और सुरक्षा बेहतर करने और स्वच्छता तथा पर्यावरण का ख्याल रखने का सुझाव दिया है।

जिया के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश के बीच संबंध रहे जटिल और तनावपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दो पूर्व राजनयिकों ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का राजनीतिक उत्थान, उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनः स्थापना के प्रति देश की दृढ़ता का प्रतीक था और साथ ही उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को भी मजबूती दी, जो उनके पति की मृत्यु के बाद पूरी तरह बिखरने के गंभीर खतरे का सामना कर रही थी।

उन्होंने यह भी कहा कि खालिदा जिया के कार्यकाल के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे, जिसका कारण पूर्वोत्तर भारत में उग्रवादियों

● बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

को कथित समर्थन और उन्हें बांग्लादेश में पनाह मिलना बताया गया। हालांकि सैन्य शासन के पश्चात उनकी देश में लोकतंत्र बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी ने कहा कि जिया के दूसरे कार्यकाल (2001-2006) के दौरान पाकिस्तान का प्रभाव काफी अधिक था और यह भारत के लिए बेहद कठिन समय था। पूर्व राजनयिक वेणु राजामोनी ने कहा कि जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे।

पति की कब्र के बगल में होंगी सुपुर्द-ए-ख़ाक

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा और उन्हें उनके पति एवं पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के बगल में दफन किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की लंबे समय तक प्रमुख रहीं और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं जिया का सुबह ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने बताया कि जिया का अंतिम संस्कार बुधवार को जोहर की नमाज के बाद संसद के साउथ प्लाजा और उससे सटे मानिक मियां एवेन्यू में होगा।

आधुनिक अस्त्र शस्त्रों से लैस होगी सेना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने अपनी तीनों सेनाओं को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए सेनाओं को नए और अत्याधुनिक हथियारों और युद्ध में सहायक उपकरणों से लैस किया जा रहा है जो नई युद्ध प्रणाली में कारगर साबित होंगी। हाल ही में सरकार ने 79 अरब रुपये के सैन्य साजो सामान की खरीद को मंजूरी दी है। जिसके तहत तोपखाना रेजिमेंट की क्षमता में इजाफा करने के लिए घातक ड्रोन, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले वायुयानों और ड्रोन का पता लगाने के लिए लो लेवल रडार, रॉकेट लांचर, लंबी दूरी तक मार करने वाले गाइडेड रॉकेट और लंबी दूरी तक मार करने वाली एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 शामिल है। इनसे न केवल सेना को मजूबती मिलेगी वरन वैश्विक परिदृश्य में भारत की सामरिक ताकत में भी इजाफा होगा।

बढ़ेगी देश की ताकत

बड़े हथियार और रणनीतिक प्रणालियां

● रक्षा मंत्रालय ने जिन हथियार और प्रणालियों की खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। उसमें विशेष रूप से लॉइटर म्यूनिशन, लंबी दूरी के रॉकेट, उन्नत राडार और ड्रोन इंटरसेप्शन सिस्टम शामिल हैं, जिससे भारतीय सेना की युद्ध-क्षमता काफी मजबूत होगी। सेना के लिए क्लोज-क्वार्टर बैटल कार्बाइन जैसे आधुनिक छोटे हथियारों की खरीद भी तय हुई है, जो नजदीकी युद्ध और शहरी मुकाबलों में सैनिकों की प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाएंगे। नौसेना के लिए हैवी-वेट टॉरपीडो की खरीद से समुद्री लड़ाकू क्षमता में इज़ाफा होगा। इसके पूर्व भी सेना के लिए खरीद सौदों को मंजूरी दी गई थी।

कम ऊंचाई के वॉर में बढ़ेगी क्षमता

● **लो लेवल रडार :** ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना का ध्यान जहां कम ऊंचाई वाले हवाई युद्ध में क्षमता बढ़ाने पर है। लो लेवल रडार कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन, यूएवी की पहचान कर सकेंगे और उन्हें खतरे से पहले नष्ट किया जा सकेगा।

लांग रेंज गाइडेट रॉकेट : लांग रेंज गाइडेड रॉकेट सामान्य रॉकेटों की तुलना में अचूक निशाना लगाने में सक्षम होगा।

एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 : रेंज ज्यादा होने से यह युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में रक्षा करने में सक्षम होगी। इससे दूर से ही दुश्मन को मार गिराया जा सकता है।

ऑटो टेक ऑफ प्रणाली : वायुसेना को स्वचालित टेक ऑफ और लैंडिंग रिकार्डिंग प्रणाली मुहैया कराई जाएगी जिससे हवाई सुरक्षा की कमियां दूर होंगी।

महत्वपूर्ण भूमिका

● 2025 में सेना के कई सफल ऑपरेशन्स में इन नई प्रणालियों की भूमिका रही है, और इससे सेना की समग्र तैयारी और आत्म-निर्भरता में वृद्धि हुई है। आधुनिक युद्ध अब सिर्फ़ सैनिक ताकत नहीं, बल्कि तकनीक और प्रणाली की ताकत है। मॉडर्न हथियार और सिस्टम से सेनाओं की वास्तविक सैन्य सक्षमता बढ़ेगी, खासकर सीमा पर चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के मुकाबले में।

समुद्र में भी मजबूत

● नौसेना को भी मानव रहित निगरानी ड्रोन के अलावा अन्य संशाधनों से लैस किया जा रहा है। नौसेना के युद्धपोतों और पनडुब्बियों को बंदरगाह पर सुरक्षित लाने और ले जाने के लिए बोलार्ड पुल टग्स दिए जाएंगे। गुप्त संचार के लिए हाई फ्रिक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो मैनपैक से लैस किया जाएगा। यह पीठ पर लादा जा सकने वाली संचार प्रणाली है जिसे आसानी से हैक नहीं किया जा सकेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पुतिन ने मुर्मू, मोदी को दी नववर्ष की बधाई

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित विश्व के नेताओं को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। क्रेमलिन कहा कि क्रिसमस और नव वर्ष 2026" के लिए ये शुभकामनाएं दी गईं। पुतिन ने चीन और स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल देशों के नेताओं को शुभकामनाएं दीं, लेकिन उन प्रमुख यूरोपीय देशों को नजरअंदाज किया, जो वर्तमान में यूक्रेन युद्ध के कारण मॉस्को के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हालांकि, पुतिन ने नाटो और यूरोपीय संघ के मित्र सदस्य देशों हंगरी और स्लोवाकिया के नेताओं को भी शुभकामनाएं दीं।

चीन कर रहा ताइवान पर हमले की तैयारी

ताइपे। अमेरिकी सीनेटर रोजर विकर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि चीन ने ताइवान पर हमला करने की तैयारी तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि चीन की तैयारी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की नाकाबंदी करने की क्षमता दिखाने और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन की गई है। रोजर ने कहा कि ये अभ्यास पीएलए की ताइवान की नाकाबंदी लागू करने की क्षमता दिखाने और कम्युनिस्ट चीनी पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

कंबोडिया की सीमा पर ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने खासकर थाईलैंड से लगे अपने सीमावर्ती इलाकों में सोमवार की रात से बिना इजाजत के ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कम्बोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजधानियों और प्रांतों में विशेष रूप से कोह कोंग, पुरसात, बट्टमबांग, बंतेय मीनचे, ओडार मीनचे, प्रेह विहार और पायलिन के सीमावर्ती प्रांतों में बिना अनुमति के सभी प्रकार के मानवरहित हवाई वाहनों (ड्रोन) के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाता है।

मीरा स्याल नव वर्ष की सम्मान सूची में शामिल

लंदन। प्रसिद्ध ब्रिटिश-भारतीय कलाकार मीरा स्याल मंगलवार को जारी उन ब्रिटिश-भारतीयों की सूची में शामिल हैं, जिन्हें महाराजा चार्ल्स तृतीय ने नव वर्ष पर सम्मानित किया है। स्याल को डेमहुड की उपाधि से नवाजा गया है। लंदन में रहने वाली हास्य कलाकार, लेखिका, अभिनेत्री और फिल्म निर्माता को साहित्य, नाटक और परोपकार सेवाओं के लिए डेम मीरा की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका

ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान दी चेतावनी

● हमास को भी जल्द हथियार छोड़ने के लिए चेताया

पाम बीच (फ्लोरिडा), एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने की कोशिश की तो अमेरिका उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकता है। ट्रंप ने यह चेतावनी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का अपने फ्लोरिडा स्थित आवास पर स्वागत के दौरान दी। नेतन्याहू गाजा सहित अन्य मुद्दों पर व्यापक बातचीत के लिए फ्लोरिडा पहुंचे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह चेतावनी ऐसे समय में दी है जब वे लगातार यह दावा करते रहे हैं कि जून में ईरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन स्थलों पर अमेरिकी हमलों से तेहरान की परमाणु क्षमताएं पूरी तरह से खत्म हो गई हैं। हालांकि, इजराइली अधिकारियों के हवाले से स्थानीय मीडिया में ऐसी रिपोर्ट हैं कि ईरान इजराइल पर हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलें फिर से तैयार कर सकता है। नेतन्याहू के मार-ए-लागो एस्टेट पहुंचने के तुरंत बाद ट्रंप ने कहा कि अब मैं सुन रहा हूं कि ईरान फिर से निर्माण करने की कोशिश कर रहा है और अगर वे ऐसा कर रहे हैं तो हमें उन्हें कुचलना पड़ेगा। हम उन्हें कुचल देंगे। ईरान का कहना है कि वह देश में किसी भी स्थल पर अब यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है। वह पश्चिमी देशों को यह संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर संभावित बातचीत के लिए तैयार है लेकिन संभावना जताई जा रही है कि नेतन्याहू तेहरान के खिलाफ फिर से संभावित सैन्य कार्रवाई पर ट्रंप के साथ चर्चा करेंगे। नेतन्याहू की यह यात्रा गाजा के लिहाज से भी अहम है। ट्रंप अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल-हमास संघर्षविराम समझौता कराने की दिशा में नई गति पैदा करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह वार्ता के दूसरे चरण तक जल्द से जल्द पहुंचना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि लेकिन हमास को निरस्त्र करना होगा।

फ्लोरिडा में मार-ए-लागो क्लब में दोपहर के भोजन के दौरान मुलाकात करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, हमले की स्थिति में कड़ा जवाब देंगे

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने मंगलवार को कहा कि किसी भी हमले की स्थिति में उनका देश कड़ा जवाब देगा। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के जवाब में उनका यह बयान आया है। पेजेशकियान ने एक्स पर पोस्ट किया कि किसी भी क्रूर आक्रमण पर इस्लामिक गणराज्य ईरान का जवाब कठोर और हतोत्साहित करने वाला होगा। ईरानी राष्ट्रपति ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन उनका यह वक्तव्य ट्रंप के बयान के बाद आया है। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की कोशिश करता है, तो अमेरिका सैन्य हमले कर सकता है। ट्रंप ने सोमवार को संकेत दिया कि वह ईरान के खिलाफ एक और अमेरिकी हमले का आदेश दे सकते हैं। पेजेशकियान ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच तनाव पहले ही बढ़ चुका है। ईरान का कहना है कि वह यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है।

सेना को कार्बाइन, नौसेना को मिलेंगे तारपीडो

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए क्लोज क्वार्टर बैटल (सी क्यू बी) कार्बाइन और नौसेना के लिए हेवी वेट तारपीडो की खरीद के 4,666 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इन अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए।

● रक्षा मंत्रालय ने 4666 करोड़ के अनुबंधों पर किए हस्ताक्षर

सेना और नौसेना के लिए सहायक उपकरणों के साथ लगभग 4 लाख 25 हजार सीक्यूबी कार्बाइन खरीदी जाएंगी और इसके लिए भारत फोर्ज लिमिटेड और पीएलआर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 2,770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है। सी क्यू बी स्वदेशी, हल्की और कॉम्पैक्ट बंदूक है जिसे खास तौर पर नजदीकी लड़ाई और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के तहत पुरानी हथियार प्रणालियों को अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक में बदलते हुए भारतीय सैनिकों को विश्वस्तरीय मारक क्षमता से लैस करने के असाधारण और सतत प्रयासों की परिणति है। सीक्यूबी आधुनिक पैदल सेना के शस्त्रागार का अहम हिस्सा हैं।

रूस ने अपने बेड़े में शामिल की नई परमाणु मिसाइल

मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसकी परमाणु सक्षम ओरेशिनक मिसाइल प्रणाली सक्रिय सेवा में शामिल हो गयी है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शांतिवार्ता में शामिल वार्ताकारों की लड़ाई को खत्म करने को लेकर की जा रही कोशिशों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है।

मंत्रालय ने बताया कि ये मिसाइलें पड़ोसी देश बेलारूस में तैनात की गयी हैं जहां सैनिकों ने इस अवसर पर एक संक्षिप्त समारोह आयोजित किया । हालांकि मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि कितनी मिसाइलें तैनात की गई हैं । उसने कोई अन्य विवरण भी नहीं दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिसंबर के आरंभ में कहा था कि ओरेशिनक इस महीने युद्धक सेवा में शामिल हो जाएगी।

सऊदी अरब ने यमन पर की बमबारी, बढ़ा तनाव

दुबई, एजेंसी

सऊदी अरब ने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला पर एक अलगाववादी संगठन के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर बमबारी की। संयुक्त अरब अमीरात ने इन हमलों की तत्काल पुष्टि नहीं की। यह हमला सऊदी अरब और यूएई समर्थित 'सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल' (एसटीसी) के बीच तनाव और बढ़ने का संकेत देता है। इससे रियाद और अबू धाबी के रिश्तों में भी तनाव बढ़ने का संकेत मिलता है।

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक दशक से जारी युद्ध में दोनों देश अलग-अलग पक्षों का समर्थन करते रहे हैं। सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी

● यूएई से अलगाववादियों के लिए लाए हथियारों पर साधा निशाना

बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी।

इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है। बाद में, सऊदी अरब ने यूएई को चेतावनी दी कि यमन में अलगाववादियों की गतिविधियों को उसके द्वारा दिया जा रहा समर्थन बेहद खतरनाक है। सऊदी विदेश मंत्रालय के इस बयान में यूएई को एसटीसी की हालिया गतिविधियों से सीधे तौर पर जोड़ा गया। यह बयान अलगाववादियों के कदमों को लेकर अबू धाबी के लिए चेतावनी है।

बांग्लादेश ने भारत से अपने उच्चायुक्त को ढाका बुलाया

ढाका। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह विदेश मंत्रालय के आपात बुलावे पर सोमवार रात ढाका पहुंचे जहां मंगलवार को अंतरिम सरकार के दो वरिष्ठ सलाहकारों ने उनसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) खलीलुर रहमान ने विदेश कार्यालय में रियाज के साथ बैठक की। अधिकारियों ने चर्चा के विषयों पर जानकारी नहीं दी।

युवा पीढ़ी को भारत की जड़ों और विरासत से जोड़ रहा संघ

नागपुर, एजेंसी

मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने युवा पीढ़ी को उनकी जड़ों, विरासत और भारत के इतिहास से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मंगलवार को प्रशंसा की और कहा कि संगठन द्वारा संचालित गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं।

रेवाच ने यह भी कहा कि आतंकवाद से लड़ने में भारत और इजराइल रणनीतिक सहयोगी हैं। इजराइली महावाणिज्यदूत ने नागपुर हवाई अड्डे पर कहा

● इजराइली राजनयिक ने की संगठन के कार्यों की प्रशंसा

कि मेरे लिए आरएसएस का दौरा करना और यहां उनके द्वारा आयोजित गतिविधियों को देखना महत्वपूर्ण था। ये गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं क्योंकि वे युवा पीढ़ी के साथ काम कर रहे हैं और उन्हें भारत की जड़ों, विरासत और इतिहास से जोड़ रहे हैं।

उन्होंने एक दिन पहले रेशिमबाग क्षेत्र स्थित स्मृति मंदिर परिसर का दौरा किया था, जहां आरएसएस के संस्थापक हेडगेवार का स्मारक है।

साहित्य महोत्सव में शामिल होंगी सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली। नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 22 जनवरी से शुरू होने वाले नौवें केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में भाग लेने वाली हैं। उम्मीद है कि अंतरिक्ष में 300 से अधिक दिन बिता चुकीं 60 वर्षीय विलियम्स पृथ्वी से दूर अपनी यात्रा, विज्ञान, अन्वेषण, नेतृत्व और मानवीय जिज्ञासा की स्थायी शक्ति के बारे में बात करेंगी। केएलएफ के मुख्य सूत्रधार रवि डीसी ने कहा कि केरल साहित्य महोत्सव हमेशा से ही विज्ञान को महत्व देता आया है।

हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित अगली पीढ़ी के हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को हरी झंडी दिखाकर पहली उड़ान के लिए रवाना किया। यहां उड़ान भरने से पहले केंद्रीय मंत्री ने हेलीकॉप्टर की उन्नत प्रणालियों और विशेषताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए पायलट के साथ कॉकपिट में प्रवेश किया।

ध्रुव एनजी महज 5.5 टन का एक हल्का, दो इंजन वाला और बहु-भूमिका हेलीकॉप्टर है, जिसे भारतीय भूभाग की विविध और

● नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया देश के लिए अहम उपलब्धि

चुनौतीपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हेलीकॉप्टर भारतीय विमानन इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है और उन्होंने इस उपलब्धि के लिए एचएएल के सभी कर्मचारियों, डिजाइनरों और इंजीनियरों से लेकर तकनीशियनों तक को बधाई दी।

नायडू ने कहा कि नागरिक विमानन मंत्री के रूप में यह मेरे लिए विशेष रूप से गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह विकास स्वदेशी एयरोस्पेस विनिर्माण में भारत के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ध्रुव-एनजी महज एक मशीन नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारत की क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए डीजीसीए द्वारा टाइप सर्टिफिकेट देने को नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए अहम बताया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 31 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 1 जनवरी 01.47 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

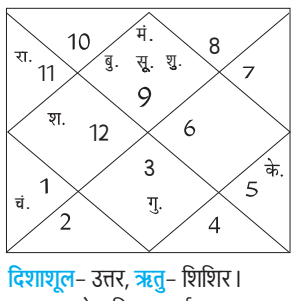

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- कृत्तिका 1 जनवरी 01.29 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज किसी पुरानी समस्या का समाधान मिलने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन पर आपको काफी ध्यान देना चाहिए। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी। आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष — आज धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए दिन काफी शुभ है। किसी बड़े कार्य को लेकर धन की समस्या हल हो सकती है। बच्चों को बड़ी सफलता मिल सकती है।

मिथुन — आज लंबी दूरी की यात्रा न करें। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अहंकारी प्रवृत्ति के लोगों को आलोचना झेलनी पड़ सकती है। रक्तचाप और गठिया रोगियों को परेशानी होने की संभावना है।

कर्क — आज अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। काफी दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आएंगी। अनुसंधान संबंधित प्रोजेक्ट्स में सफलता मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ आप काफी अच्छा समय बिताएंगे।

सिंह — आज अपनी उपलब्धियों पर गर्व होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं वही आपको काफी परेशान कर सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। पड़ोसी आपकी काफी मदद करना चाहेंगे।

कन्या — आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। लोग आपसे काफी अपेक्षाएं रखे हुए हैं, जिसे आप पूरा भी करेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करें।

तुला — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन शुभ नहीं है। धर्म-कर्म के प्रति आपका रुझान कम हो सकता है। शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिजनों के साथ घूमने जा सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। बच्चों के करियर की चिंता हो सकती है। विद्वान लोगों की संगति आपके लिए लाभकारी होगी।

धनु — आज नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन बेहद शुभ है। इसका सीधा लाभ आपको कार्यक्षेत्र में भी प्राप्त होगा। आपका मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में स्थापित होगी।

मकर — आज आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। बिना मांगे किसी को सलाह देने के कारण अपमान हो सकता है। लापरवाही के कारण आपके काम की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

कुंभ — आज आपकी कोई बात निकटस्थ लोगों को व्यथित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। प्रेमी जन के साथ संवादहीनता के कारण बात बिगड़ सकती है।

मीन — आज पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। आपके सभी काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं।

सुडोकू-18

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8	2		9	4	1		
		3		8				5
		9	6		7			
3				6		7		9
	1						4	
8		6		5				2
			3		8	5		
5				2		4		
		7	9	1		8	6	

सुडोकू - 17 का हल

4	6	8	1	3	9	5	7	2
7	3	5	8	2	4	9	1	6
1	9	2	5	6	7	4	3	8
2	4	6	3	5	8	7	9	1
5	1	9	7	4	6	8	2	3
8	7	3	9	1	2	6	5	4
3	5	4	6	9	1	2	8	7
9	2	7	4	8	3	1	6	5
6	8	1	2	7	5	3	4	9

भले ही ऑस्ट्रेलिया टी-20 या वनडे चैंपियन न हो, लेकिन वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। फरवरी में जब हम भारत की मेजबानी करेंगे तो मैं और मेरी टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

एशले गार्डनर
ऑलराउंडर, ऑस्ट्रेलिया

स्टेडियम

लखनऊ, बुधवार ,31 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

खालिदा जिया के निधन के बाद बीपीएल के मैच स्थगित

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद मंगलवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए हैं। दोनों मैच अब बुधवार को खेले जाएंगे। बीपीएल के मैच स्थगित करने का फैसला सिलहट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सिलहट टाइटन्स और चटगांव रॉयल्स के बीच दिन के पहले मैच के टॉस से दो घंटे पहले लिया गया। 30 दिसंबर को होने वाले मैच 31 दिसंबर को खेले जाएंगे।

पूरा वेतन न मिलने पर प्रो लीग का बहिष्कार करेंगे पाक खिलाड़ी

लाहौर। पाकिस्तान की हॉकी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने पूरा वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए फरवरी में होने वाले पुरुष एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। इन खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि उन्हें इस महीने की शुरुआत में खेले मैचों के लिए पूरा दैनिक भत्ता नहीं दिया गया है। पुरुष टीम के दो सदस्यों ने पुष्टि की कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ को स्पष्ट संदेश भेज दिया गया था कि यदि वित्तीय मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो कई खिलाड़ी एफआईएच प्रो लीग के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

पीसीबी ने मुख्य कोच महमूद से नाता तोड़ा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला किया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन उन्हें समय से पहले हटा दिया गया है। पाकिस्तान अगला टेस्ट मैच मार्च 2026 में खेलेगा। बोर्ड के सूत्र ने बताया कि अजहर का अनुबंध मार्च में समाप्त हो रहा है और पाकिस्तान की टीम का टेस्ट दौरा मार्च 2026 से शुरू होगा, इसलिए बोर्ड नए मुख्य कोच के लिए अपनी रणनीति अभी से तैयार करना चाहता है।

ब्रैडमैन की बैगी ग्रीन कैप होगी नीलाम

सिडनी। महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने भारत के 1947-48 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान जो बैगी ग्रीन कैप पहनी थी उसकी अगले महीने नीलामी होगी। ब्रैडमैन ने भारतीय ऑलराउंडर श्रीरंगा वासुदेव सोहोनी को कैप उपहार में दी थी। वह स्वतंत्र भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट दौरा था। ब्रैडमैन के युग की बची हुई अधिकांश बैगी ग्रीन कैप विभिन्न संग्रहालयों या निजी संग्रहों में रखी गई हैं लेकिन इस कैप को कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया या बिक्री के लिए नहीं रखा गया।

पेरी-सदरलैंड ने छोड़ा डब्ल्यूपीएल

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की एलिस पेरी और दिल्ली कैपिटल्स की अनाबेल सदरलैंड ने मंगलवार को निजी कारणों का हवाला देते हुए अगले महीने होने वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से नाम वापस ले लिया। ऑस्ट्रेलिया की पेरी के स्थान पर भारत की सायली सतघरे आरसीबी में और सदरलैंड के स्थान पर दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अलाना किंग शामिल होंगी।

भारतीय महिलाओं ने किया क्लीन स्वीप

श्रृंखला के पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में भी श्रीलंका परास्त

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर के जुझारू अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने पांचवें और अंतिम महिला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां श्रीलंका को 15 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ने किसी द्विपक्षीय श्रृंखला में स्वदेश में पहली और कुल तीसरी बार 5-0 से किसी टीम का सूपड़ा साफ किया है। श्रीलंका को पहली बार इस अंतर से हार का सामना करना पड़ा है।

भारत के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम हसिनी परेरा (65 रन, 42 गेंद, 8 चौके, 1 छक्का) और इमेशा दुलानी (50 रन, 39 गेंद, 8 चौके) के अर्धशतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट की 79 रन की साझेदारी के बावजूद 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, श्री चरणी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट चटकाया।

हरमनप्रीत ने 43 गेंद में 9 चौकों और 1 छक्के से 68 रन की पारी खेलने के अलावा अमनजोत (21) के साथ छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को 7 विकेट पर 175 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। अरुंधति ने अंत में 11 गेंद में 4 चौकों और 1 छक्के से नाबाद 27 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी, कप्तान चामरी अटापट्टू और रश्मिका सेवांडी ने दो-दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका ने दूसरे ओवर में ही कप्तान चामरी (2) का विकेट गंवा दिया, जिन्होंने अरुंधति की गेंद पर दीप्ति शर्मा को कैच थमाया। हसिनी और इमेशा ने पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 48 रन तक पहुंचाया। इमेशा ने दीप्ति पर लगातार दो चौकों के अलावा अरुंधति और स्नेह की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। इमेशा और हसिनी ने पावर प्ले के बाद स्ट्राइक रोटेट करने को तरजीह दी। दोनों ने हालांकि खराब गेंदों को सबक सिखाने में भी कोताही ही नहीं बरती। इमेशा ने वैष्णवी पर लगातार दो चौकों और फिर एक रन के साथ सिर्फ 38 गेंद में अपना पहला टी20 अर्धशतक पूरा किया।

हरमनप्रीत ने इसके बाद गेंद अमनजोत को थमाई जिन्होंने पहली ही गेंद पर इमेशा को शेफाली के हाथों कैच कराके भारत को बड़ी सफलता दिलाई। श्रीलंका के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ, लेकिन इसी ओवर में दीप्ति ने निलाक्षिका सिल्वा (3) को पगबाधा कर दिया। वैष्णवी ने अगले ओवर में कविशा दिलहारी (5) को बोल्ड करके श्रीलंका को चौथा झटका दिया। श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 64 रन की दरकार थी। हसिनी ने अमनजोत की गेंद पर एक रन के साथ अपने 89वें मैच में पहला अर्धशतक पूरा किया। हसिनी ने श्री चरणी की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गईं।

श्रीलंका ने विकेटकीपर बल्लेबाज कौशिनी नुथ्यानग्ना (1) और हर्षिता समरविक्रम के विकेट लगातार गेंद पर गंवाए, जिससे उसकी जीत की उम्मीदें टूट गईं। टीम को अंतिम दो ओवर में 34 रनों की जरूरत थी जो उसके लिए पहाड़ जैसा लक्ष्य साबित हुआ।

इससे पहले चामरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद भारत ने फॉर्म में चल रही शेफाली वर्मा (5) का विकेट दूसरे ओवर में ही गंवा दिया जिनका लॉन्ग ऑन पर इमेशा दुलानी ने शानदार कैच लपका। पदार्पण कर रही सलामी बल्लेबाज जी कमालिनी (12) और हरलीन देओल ने माल्की मदारा और निमाशा मीपागे पर चौके जड़े। कविशा ने कमालिनी को पगबाधा करके भारत को दूसरा झटका दिया। भारत ने पावर प्ले में दो विकेट पर 40 रन बनाए। रश्मिका ने हरलीन (13) को बोल्ड करके भारत का स्कोर तीन विकेट पर 41 रन किया। हरमनप्रीत ने इनोका रणवीरा पर तीन चौकों के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया लेकिन ऋचा घोष सिर्फ पांच रन बनाने के बाद चामरी की गेंद पर विकेटकीपर कौशिनी नुथ्यानग्ना को कैच दे बैठीं। चामरी ने दीप्ति शर्मा (7) को निमाशा के हाथों कैच कराके भारत को पांचवां झटका दिया। अमनजोत कौर (21) ने 14वें ओवर में निमाशा पर चौके के साथ 31 गेंद के बाउंड्री के सूखे को खत्म किया जबकि हरमनप्रीत ने भी गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराए।

हरमनप्रीत ने अगले ओवर में चामरी पर लगातार दो चौकों और 1 रन के साथ 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और टीम का स्कोर 100 रनों के पार पहुंचाया। हरमनप्रीत ने इनोका की लगातार गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा। अमनजोत ने रश्मिका पर छक्का मारा, लेकिन अगली गेंद पर कविशा को कैच दे बैठीं। कविशा ने अगले ओवर में हरमनप्रीत को बोल्ड करके भारत को बड़ा झटका दिया। अरुंधति ने अंतिम ओवर में मदारा की लगातार गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया।

टी-20 श्रृंखला जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनातीं भारतीय महिला खिलाड़ी।

भारत

175/7 (20 ओवर)

शेफाली का दुलानी बो निमाशा	05
जी कमालिनी पगबाधा को कविशा	12
हरलीन देओल बो रश्मिका	13
हरमनप्रीत कौर बो दिलहारी	68
ऋचा घोष का कौशिनी बो चामरी	05
दीप्ति शर्मा का निमाशा बो चामरी	07
अमनजोत का दिलहारी बो रश्मिका	21
अरुंधति रेड्डी नाबाद	27
स्नेह राणा नाबाद	08

गेंदबाजी : मदारा 4-0-37-0, निमाशा 3-0-25-1, कविशा 2-0-11-2, इनोका 4-0-39-0, रश्मिका 4-0-42-2, चामरी 3-0-21-2

श्रीलंका

160/7 (20 ओवर)

हसिनी परेरा बो चरणी	65
अटापट्टू का दीप्ति बो अरुंधति	02
इमेशा का शेफाली बो अमनजोत	50
निलाक्षिका पगबाधा बो दीप्ति	03
कविशा दिलहारी बो वैष्णवी	05
समरविक्रम का हरलीन बो स्नेह	08
कौशिनी नुथ्यानग्ना रन आउट	01
रश्मिका सेवांडी नाबाद	14
माल्की मदारा नाबाद	05

गेंदबाजी : दीप्ति 4-0-28-1, अरुंधति 2-0-16-1, स्नेह 4-0-31-1, वैष्णवी 4-0-33-1, चरणी 4-0-31-1, अमनजोत 2-0-17-1

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग

शेफाली-रेणुका ऊपर दीप्ति नंबर 1 पर कायम

दुबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी-20 खिलाड़ियों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। 21 वर्ष की शेफाली ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के दूसरे मैच में 34 गेंद में नाबाद 69, तीसरे मैच में 42 गेंद में 79 और चौथे में 46 गेंद में 79 रन बनाए।

चौथे टी-20 में 80 रन बनाने वाली उपकप्तान स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर है जबकि जेमिमा रौड्रिग्स एक पायदान खिसककर 10वें स्थान पर हैं। अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं जबकि रेणुका सिंह ठाकुर शीर्ष दस में पहुंची हैं। तीसरे मैच में चार विकेट लेने वाली रेणुका आठ पायदान चढ़कर संयुक्त छठे स्थान पर हैं। भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी 17 पायदान चढकर 52वें और वैष्णवी शर्मा 390 पायदान चढ़कर 124वें स्थान पर है। श्रीलंका के लिए खब्बू सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा 114 पायदान चढ़कर 71वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

क्रिकेट में आपको ज़ीरो से शुरू करना होता है : स्मृति मंधाना

त्रिवेंद्रम। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में हर पारी शुरू से शुरू होती है और पिछला प्रदर्शन भविष्य में सफलता की गारंटी नहीं देता, उन्होंने सभी फ़ॉर्मेट में संतुलित सोच की जरूरत पर जोर दिया। बीसीसीआई के शेयर किए वीडियो में मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में आपको जीरो से शुरू करना होता है। स्कोरबोर्ड हमेशा जीरो पर होता है। यह कभी नहीं होता जो आपने पिछले मैच या पिछली सीरीज में किया हो। अलग-अलग फ़ॉर्मेट में उम्मीदें अलग होती हैं, टी-20 में वनडे और टेस्ट की तुलना में अलग मानसिक नजरिए की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टी20 थोड़ा इस तरह का है जहां आप आउट होने के बाद खुद पर बहुत ज्यादा सख़्त नहीं हो सकते क्योंकि आप ऐसी रफ़्तार से खेल रहे होते हैं जहां कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह कामयाब होगा और कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह नहीं होगा। मैं वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट को लेकर खुद पर बहुत सख़्त हूं, क्योंकि आपके पास बहुत समय होता है। अगर आप वहां आउट होते हैं, तो यह मेरे लिए पाप जैसा लगता है। जहां कुछ खास दिनों में काबिलियत से मैच जिताए जा सकते हैं, वहीं खिलाड़ियों को बिना सोचे नाकामियों को स्वीकार करना चाहिए।

विश्व ब्लिट्ज शतरंज : कार्लसन ने रिकॉर्ड नौवां खिताब जीता, एरिगैसी को कांस्य

दोहा, एजेंसी

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड तोड़ नौवां विश्व ब्लिट्ज शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया। दो दिन पहले ही उन्होंने रैपिड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी सेमीफाइनल में हार गए और उन्हें मंगलवार को आयोजित विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

युवा उज्बेक ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ निर्णायक मुकाबले में कार्लसन ने एक अनोखी चाल चलते हुए 2.5-1.5 से जीत हासिल की और ब्लिट्ज़ में अपना दबदबा कायम रखा। पहले तीन गेम के बाद दोनों खिलाड़ी 1.5 अंकों के साथ बराबरी पर थे। क्वालिफाइंग (स्विस राउंड) में लगातार हार के बाद नॉर्वेजियन खिलाड़ी के लिए यह जीत काफी संतोषजनक थी, जहां उन्हें नॉकआउट सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। इससे पहले एरिगैसी ने अन्य शीर्ष ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को भी मात देकर तीन अन्य गेम ड्रॉ किए। एरिगैसी ने पहले दिन 10 अंक हासिल किए और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

कार्लसन ने गुस्से में मेज पर मारा मुक्का

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी से हारने के बाद मैग्नस कार्लसन अपना आपा खो बैठे। कार्लसन अपना गुस्सा नहीं छिपा सके और उन्होंने मेज पर मुक्का मारकर उसे हिला दिया। कार्लसन ने इसी साल नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में डी गुकेश से हारने के बाद मेज पर इसी तरह हाथ पटका था।

महिला वर्ग में हंपी नहीं दोहरा सकीं प्रदर्शन

महिला वर्ग में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हंपी रविवार को रैपिड वर्ग में कांस्य पदक जीतने के दौरान दिखाए प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं और 10 राउंड के बाद संयुक्त रूप से 61वें स्थान पर खिसक गईं। उनका दिन पांच अंकों के साथ समाप्त हुआ, जहां उनके साथ चीन की ग्रैंडमास्टर टैन झोंगयी भी हैं। महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से 30वें स्थान पर हैं जबकि ग्रैंडमास्टर डी हरिका और आर वैशाली के समान 5.5 अंक हैं। महिला वर्ग में पांच और राउंड होंगे, जिनमें से शीर्ष चार खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेंगे और उसके बाद फाइनल होगा।

भारतीय खेल प्रतिस्पर्धाएं

खेलों में नारी शक्ति ने दिखाया जलवा

डोपिंग और प्रशासनिक समस्याएं बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

चाहे वह क्रिकेट के मैदान की गहमागहमी हो या मुक्केबाजी का क्रूर रिंग या फिर शतरंज के बोर्ड पर दिमागी खेल हो या निशानेबाजी और तीरंदाजी में सटीक लक्ष्य लगाना, 2025 में महिला खिलाड़ियों ने हर खेल में अपनी खास छाप छोड़ी।

शतरंज में 19 वर्षीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख भारत की पहली महिला विश्व कप विजेता बनीं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली क्रिकेट टीम ने मुश्किल दौर से उबरकर महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा। निशानेबाजी में 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल में तीन व्यक्तिगत पदकों सहित चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर उस स्पर्धा में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें अब तक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर का दबदबा रहा था। तीरंदाजी में 18 वर्षीय शीतल देवी न केवल बिना हाथ वाली पहली पैरा विश्व चैंपियन बनीं, बल्कि उन्होंने सक्षम शरीर वाले खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय टीम में भी जगह बनाई।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम भी श्रीलंका से विश्व चैंपियन बनकर लौटी। दीपिका टीसी के नेतृत्व में इन महिलाओं ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल की। मुक्केबाजी में पुरुष खिलाड़ियों को साल भर संघर्ष करना पड़ा लेकिन महिला खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। जैस्मीन लैंबोरिया और मीनाक्षी हुडा ने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर मनोबल बढ़ाया। फुटबॉल के मैदान पर जहां पुरुष टीम झटके झेलती रही, वहीं महिला टीम ने अगले साल के एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करके आशा की किरण जगाई।

मीराबाई चानू ने दी चुनौतियों को मात

भारोत्तोलन में मीराबाई चानू की श्रेष्ठता को इस साल भी कोई चुनौती नहीं दे सका। तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मणिपुर की यह खिलाड़ी भले ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन इसके बावजूद वह इस खेल में भारत की अग्रणी खिलाड़ी बनी हुई हैं। पीठ की लगातार समस्या से जूझने के बावजूद मीराबाई ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। उनका पसंदीदा 49 किलोग्राम वर्ग अब ओलंपिक सूची का हिस्सा नहीं है। ऐसे में यह देखना बाकी है कि वह 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों के लिए किस तरह से तैयारी करती हैं।

अंतिम पंघाल ने भी दिखाया दम

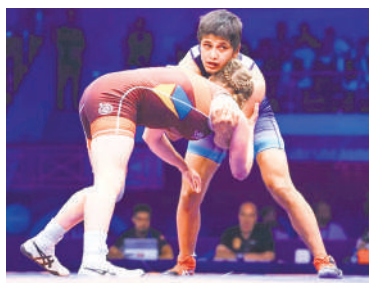

कुश्ती में महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने यह सुनिश्चित किया कि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सेहरावत का निराशाजनक प्रदर्शन ही इस वर्ष चर्चा का एकमात्र विषय न हो। अंतिम ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता जो इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल कुश्ती डोपिंग विवादों और कुछ पहलवानों के अधिक वजन वर्ग के कारण प्रतियोगिताओं से बाहर होने के लिए अधिक चर्चा में रही थी।

पुरुष क्रिकेट और हॉकी टीम में मची रही गहमागहमी

भारतीय महिला टीम ने जहां वनडे विश्व कप जीता वहीं पुरुष टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम हालांकि टेस्ट क्रिकेट में जूझती नजर आई। ऐसा ही कुछ भाला फेंक के धुरंधर नीरज चोपड़ा के साथ भी देखने को मिला। उन्होंने लंबे इंतजार के बाद दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर के जादुई आंकड़े को पार किया, लेकिन विश्व चैंपियनशिप में वह अप्रत्याशित रूप से आठवें स्थान पर रहे। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में परेशानी की शुरुआत इस साल दो दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के साथ हुई। भले ही देश को शुभमन गिल के रूप में एक नया कप्तान मिल गया हो, फिर भी ये दोनों खिलाड़ी प्रशंसकों के लिए सबसे बड़े आकर्षण बने रहे। ऐसा तब हो रहा है जबकि रोहित और कोहली दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में खेलते हैं। आलोचनाओं से घिरे मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इन दोनों खिलाड़ियों के 2027 विश्व कप में खेलने की संभावनाओं पर सीधे जवाब देने से परहेज किया। पुरुष हॉकी टीम के लिए भी यह साल काफी अच्छा रहा। सीनियर टीम ने एशिया कप जीतकर 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया और जूनियर टीम ने घरेलू धरती पर खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक जीता। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई लेकिन इस साल भी खेल प्रशासन प्रमुख चिंता का विषय बना रहा, जैसा कि एआईएफएफ के वाणिज्यिक साझेदार खोजने के संघर्ष से स्पष्ट होता है।

सलाह

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता वाले कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेल मंत्री को सौंपी

कार्यबल ने बताईं कमियां, मांडविया बोले- करेंगे सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता में खेल मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल ने भारत में खेल प्रशासन की कमियों को रेखांकित करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों समेत खेलों के विशेष पेशेवर कैडर को ट्रेनिंग देने के लिए एक स्वायत्त वैधानिक ईकाई के गठन की सिफारिश की है। कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेलमंत्री मनसुख मांडविया को सौंप दी है जिन्होंने मंगलवार को कहा कि भारत के खेल इकोसिस्टम को पेशेवर बनाने के प्रयास के तहत कार्यबल की सभी सिफारिशों को लागू किया जाएगा।

ओलंपिक 2036 तक भारत को शीर्ष दस खेल देशों में शामिल करने के लक्ष्य के तहत खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रदेश संघों के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा करने,

कमियों को तलाशने और सुधार के उपायों के लिए कार्यबल का गठन किया था। कार्यबल ने खेल शिक्षा और सामर्थ्य निर्माण राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसईसीबी) के गठन की अनुशंसा की है जो खेल मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त ईकाई के रूप में काम करेगी और इसके जिम्मे खेल प्रशासन ट्रेनिंग को विनियमित करने, मान्यता देने और प्रमाणित करने की जिम्मेदारी होगी। नौ सदस्यीय कार्यबल इस साल अगस्त में बनाया गया था, जिसमे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज बिंद्रा के अलावा आदिले सुमरिवाला और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के पूर्व सीईओ कमांडर राजेश राजगोपालन भी थे।

कार्यबल ने रिपोर्ट में कहा है कि खेल प्रशासकों में पेशेवर कैडर का अभाव है और संस्थागत निरंतरता भी कमजोर है। ट्रेनिंग के मौके व्यवस्थित और आधुनिक नहीं है, जिसमे निरंतर पेशेवर विकास पर फोकस सीमित है। इसमें कहा गया कि खिलाड़ियों के रिटायर होने के बाद खेल प्रशासन में आने के रास्ते सीमित हैं चूंकि अधिकांश खिलाड़ियों में इसके लिए जरूरी कौशल का अभाव है।

एनआईएस पटियाला को अकादमी बनाने का सुझाव खारिज

नई दिल्ली। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान को खेल प्रशासकों की ट्रेनिंग के लिए अकादमी बनाने के प्रस्ताव को कार्यबल ने खारिज कर दिया है और इसे प्रतिबंधात्मक और अस्थिर बताया। कार्यबल से समीक्षा के लिए कहा गया था कि पटियाला स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस खेल संस्थान को क्या खेल प्रशासकों के सामर्थ्य निर्माण के लिए अकादमी बनाया जा सकता है। एनआईएस पटियाला में मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स में ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा देश में कोचिंग डिप्लोमा देने वाला भी यह प्रमुख संस्थान है। कार्यबल ने कहा कि एक राष्ट्रीय अकादमी का सुझाव अच्छा है।